श्री श्रीष चन्द्र दीक्षित
मुख्य परामर्शदाता
पूर्व सांसद व पूर्व पुलिस महानिदेशक
श्री भारतेन्दु प्रकाश सिंघल
राष्ट्रीय प्रधान
पूर्व सांसद (राज्य सभा) व पूर्व पुलिस महानिदेशक
मे . ज . (से दृ नि .) विश्वास स . जोगलेकर
राष्ट्रीय कार्यकारी प्रधान
संपादक
प्रो0 सतीश चन्द्र
संपादक मंडल
डॉ महेश चन्द्र
देवेन्द्र मित्तल, रामाश्रय उपाध्याय
प्रो0 श्री धर पन्त, डॉ0 रामशरण गौड़
प्रकाषक व मुद्रक
देवेन्द्र मित्तल (उपप्रधान)
प्रकाशन स्थान
3308, सेक्टर–डी–3 वसंत कुंज,
नई दिल्ली – 110070
ξ

SUBSCRIPTION RATE

Inland : Life Rs. 800/-
Annual 100/-
Overseas : Life US$ 100
Annual US$ 10
Per copy : £1 $1.50, IRs 15

ADVERTISEMENT TARIFF

Outer Cover : Rs. 15000/-
Inner Cover : Rs. 12,000/-
Full Page : Rs. 10,000/-
Half Page : Rs. 5,000/-
Payable by MO/Bank Draft/Crossed Cheque in the name of
Sanskritik Gaurav Sansthan
869- Sector-A, Pocket-C, Vasant Kunj,
New Delhi-110070

मुद्रण स्थान
ऋषि ऐन्टर प्राइजेजξ
ξ
ξ
ξ
ξ
ξ
ξ

PDF Created with deskPDF PDF Writer - Trial :: http://www.docudesk.com

द्विमासिक
BI-MONTHLY

वर्ष 12 अंक 1 विषय सूची चैत्र से बैशाख 2067 वि अप्रैल 2010

The Cure for Terrorism is Destruction of Talibanised Pakistan 5
-Subramanian Swamy

[illegible] 9

वर्ष नव ! हर्ष नव (कविता) *-डॉ. रामसनेहीलाल शर्मा 'यायावर'* 5

'उठो और रामराज्य की स्थापना करो' हरिद्वार संगोष्ठी की रिपोर्ट 11

जलहीन होती जा रही हैं नदियां 14

सन् 1857 की क्रांति का प्रथम शहीद : मंगल पाण्डे *-राम शिव मूर्ति यादव* 15

आजाद हिन्द फौज के सुप्रीम कमांडर का ऐतिहासिक महत्त्व का अंतिम आदेश 17

नज़रिया और उसका महत्त्व 20

हुसैन का नरक तसलीमा की जन्नत *-राजकिशोर* 21

चर्चों के बीच 50 करोड़ का विवाद पहुँचा हाईकोर्ट *-प्रभात कुमार* 23

हिन्दू संस्कृति व्याख्यान माला *-शरद् चन्द्र* 24

हिन्दू पहले अपने को सुधारें *-डॉ. मित्रेश कुमार गुप्त* 26

शक्तिपीठों की तालिका 27

चीन का कूटनीतिक मोर्चा *-आर.विक्रम सिंह* 28

पीडीएस देश का सबसे भ्रष्ट महकमा 30

धर्म-संस्कृति-सभ्यता चेतना 30

पाठकों के पत्र, पुस्तक समीक्षा 31

The Internet Hindus ***-Shachi Rairikar*** 32

A Critique of US foreign policy ***-Barry Rubin*** 35

Evangelical Intrigues ***-D.P.Kar*** 37

Nanaji Deshmukh-Kindling a movement-***Arun Jaitley*** 39

Discovery of India: A different era : - ***Sandhya Jain*** 40

Diary of Events, Select Articles and Book Reviews 42

PDF Created with deskPDF PDF Writer - Trial :: http://www.docudesk.com

10 प्रतिशत मुस्लिम आरक्षण एवं 5 प्रतिशत ईसाई आरक्षण देने का केन्द्र सरकार का षड्यंत्र

हिन्दू समाज में अनेक जातियां उपजातियां जनजातियां एवं अनुसूचित जनजाति भी हैं। इन सभी जातियों के 5 करोड़ से अधिक युवक बेरोज़गार हैं। करोड़ों बच्चों को आज भी शिक्षा उपलब्ध नहीं हो रही है। हम सबकी चिन्ता यह है कि सबको कैसे रोज़गार मिले एवं शिक्षा भी मिले।

देश में सरकारी नौकरियों में इस समय लगभग 50 प्रतिशत आरक्षण है। कुछ राज्यों में जैसे तमिलनाडु आदि में उससे भी अधिक है। इस 50 प्रतिशत में अनुसूचित जाति, जनजाति एवं ओबीसी की विभिन्न जातियों को लाभ प्राप्त है। शेष सामान्य वर्ग (सामान्य कोटा) है जिसमें सभी को लाभ प्राप्त करने का अवसर है।

50 प्रतिशत आरक्षण एवं 50 प्रतिशत सामान्य वर्ग (सामान्य कोटा) के कारण विभिन्न सरकारी नौकरियाँ एवं विभिन्न स्तर पर शिक्षा में सम्बन्धित जाति को उनका लाभ मिलता है। भारत में रोज़गार की जिस प्रकार की माँग है एवं शिक्षा की भी माँग है उसकी तुलना में आज स्थान उपलब्ध नहीं हैं। इसलिए करोड़ों हिन्दू बेरोज़गार भी हैं और शिक्षा विहीन भी हैं।

आन्ध्र की कांग्रेस नेतृत्व वाली सरकार ने मुस्लिमों को शिक्षा एवं रोज़गार में 4 प्रतिशत आरक्षण दे दिया है। आन्ध्र उच्च न्यायालय ने तीन बार निरस्त किया है। फिर भी आन्ध्र सरकार ने उच्चतम न्यायालय में जाकर हाईकोर्ट के निर्णय के विरुद्ध स्टे लिया है और उच्चतम न्यायालय में केस विचाराधीन है।

अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय केन्द्र सरकार के धन से चल रहा है। वहाँ सिर्फ मुस्लिम छात्रों के लिए आरक्षण घोषित है। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने भी यह आरक्षण निरस्त किया।

बंगाल की मार्क्सवादी सरकार (ये पंथ निरपेक्ष कम्युनिस्ट हैं) ने भी मुस्लिमों के लिए शिक्षा एवं रोज़गार में 10 प्रतिशत आरक्षण घोषित कर दिया है।

केन्द्र सरकार ने उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायमूर्ति रंगनाथ मिश्र की अध्यक्षता में एक आयोग बैठाकर अल्पसंख्यकों की स्थिति का अध्ययन करके सरकार को उनकी स्थिति में सुधार हेतु सुझाव देने के लिए निदेश दिया था। रंगनाथ मिश्र के अनुसार देश के मुसलमान एवं ईसाई पिछड़े एवं गरीब हैं इसलिए उनको नौकरी एवं शिक्षा में आरक्षण देने का संविधान विरोधी प्रस्ताव दिया।

इस्लाम मज़हब के नाम पर मुसलमान परिवार नियोजन न स्वीकार करके, ज्यादा बच्चे पैदा करते हैं, मदरसों में अपने बच्चों को भेजते हैं, आधुनिक शिक्षा स्वीकार नहीं करते हैं, यही उनकी समस्या का मूल है और इस्लाम के दकियानूसीपन के कारण ही उनकी यह स्थिति है। यदि उन्होंने इस्लाम के नाम पर ज़्यादा बच्चे पैदा करके गरीब रहना पसंद किया है तो इसकी सज़ा देश के हिन्दुओं को क्यों दी जा रही है।

देश के हिन्दू परिवार नियोजन स्वीकार करके अपने बच्चों को शिक्षा और रोज़गार का प्रयास करते हैं, परिवार नियोजन से देश की जनसंख्या सीमित करके देश के आर्थिक विकास में योगदान कर रहे हैं, इसलिए हिन्दू तो पुरस्कृत होने चाहिएं। परन्तु सरकार मुस्लिम, ईसाई आरक्षण देकर हिन्दुओं को दण्ड देने जा रही है अर्थात् संविधान के प्रावधानों के विरुद्ध काम करके पुनः सत्ता पर काबिज़ होने की ज़ोरदार मुहिम छेड़े हुए हैं।

सरकार 10 प्रतिशत मुस्लिम, 5 प्रतिशत ईसाई ये 15 प्रतिशत नौकरियाँ और शिक्षा कहाँ से देगी? हिन्दुओं की नौकरियाँ और शिक्षा लूटकर देगी। हिन्दुओं की सभी अनुसूचित जाति, जनजाति, ओबीसी एवं सामान्य कोटा के हिन्दुओं की नौकरी एवं शिक्षा लूटकर मुसलमानों और ईसाइयों को देगी।

PDF Created with deskPDF PDF Writer - Trial :: http://www.docudesk.com

यदि सरकार को मुसलमान और ईसाई को 15 प्रतिशत रोज़गार एवं शिक्षा देनी होगी, तो देश की अनुसूचित जाति, जनजाति, ओबीसी की सभी जाति की नॉकरी और शिक्षा की 15 प्रतिशत नौकरियाँ एवं शिक्षा छीननी होगी। उसका अर्थ है कि हिन्दुओं की सभी जाति, जनजाति की शिक्षा और नौकरियाँ छीनने का षड्यंत्र बना है।

केन्द्रीय गृहमंत्री श्री पी.चिदम्बरम् एवं अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री श्री सलमान खुर्शीद दोनों ने घोषणा की है कि मुसलमान और ईसाई दोनों को 15 प्रतिशत आरक्षण देंगे।

देश के संविधान ने किसी भी मज़हब के आधार पर आरक्षण का विरोध किया है। इसलिए आन्ध्र का 4 प्रतिशत मुस्लिम आरक्षण और अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय का मुस्लिम आरक्षण वहाँ के उच्च न्यायालय द्वारा निरस्त हुआ था।

चुनौती है कि क्या बहुसंख्यक हिन्दू समाज (जिसे तोड़ने की दबाने की कोशिशें हो रही हैं) जाति, उपजाति, जनजाति और अनुसूचित जाति के हिन्दुओं की नौकरियाँ और शिक्षा छीन कर मुसलमानों एवं ईसाइयों को देने देंगे?

जनगणना 2011 में मुसलमानों की भी जातियां पूछी जानी चाहिएं जैसे शिया, सुन्नी, अहमदिया, बोहरा, कुरैशी, कसाई, सैयद, तेली, पुम्बा, जुलाहा आदि। ऐसा करने से यह पता चल सकेगा कि उनमें वास्तव में गरीब कौन हैं।

(पाठकों के पत्रों तथा समाचार पत्रों में दी गई सूचनाओं के आधार पर)

PDF Created with deskPDF PDF Writer - Trial :: http://www.docudesk.com

A wake up call to intellectuals

The Cure for Terrorism is Destruction of Talibanised Pakistan

-Subramanian Swamy

1. Islamic Infiltration

Indian mainstream media and most political parties are silent spectators when bit by bit Pak terrorists and Bangla infiltrators everyday are placing the nation today invade demographically in tight pincer. Indian integrity is slowly being destroyed by fanatic infiltrators from Bangla Desh and *jihadi* terrorists from Pakistan.

We are today in an Islamic pincer attack, and we need a counter strategy to safeguard our ancient Hindu civilization, which when all is said and done is the target of *jihadi* and fanatic Muslims. We cannot rest with government's assurance that they will evict infiltrators from India. No infiltrator despite the Supreme Court's judgments, has been deported by the government. Rather, instead of being deported, infiltrators are being given voting rights!

Hindustan originally comprised the present day India, Iran, Pakistan, Bangladesh, Nepal and Afghanistan. It may be recalled that Kaikeyi was from Iran, while Gandhari was from Afghanistan. It was a 100% Hindu land till Muhammad bin Qasim's Arab army attacked Sindh in 711.

Despite fighting valiantly to defend their *dharma* and motherland during repeated Muslim invasions for over a thousand years, Hindus lost Afghanistan in 987, Iran in 1011; and present day Pakistan and Bangladesh in 1947 to Muslims After 1947, truncated India i.e. Bharat has seen genocide and eviction of Hindus from Muslim majority Kashmir.

Alert Hindus today apprehend that because of higher Muslim population growth rate and infiltration from Bangladesh, they will be outnumbered soon by Muslims (in a few decades) and face the same fate of Hindus in Afghanistan, Pakistan and Bangladesh, which also was a land of Hindu.

Hindu civilisation today is a demographically challenged civilisation. Many districts in India bordering Bangladesh have seen abnormal increase in Muslim population because of infiltration.

By its judgment dated July 12, 2005, Supreme Court had struck down the Illegal Migrants (D.T.) Act, 1983 as unconstitutional; and termed Bangladeshi infiltration as "external aggression" and directed that "Bangladeshi nationals who have trespassed into Assam or are living in other parts of the country have no legal right of any kind to remain in India and they are liable to be deported."

But, instead of deporting the infiltrators, on February 10, 2006, UPA government brought in the Foreigners (Tribunals for Assam) Order to nullify the apex Court's judgment. On December 5, 2006, Supreme Court quashed this Order also as unconstitutional, and called for implementation of its earlier judgment dated July 12, 2005 for deporting illegal immigrants.

Despite this judgments, hardly any no infiltrator has been deported by the government those that were, just cranked back Instead of being deported, infiltrators are being quietly

PDF Created with deskPDF PDF Writer - Trial :: http://www.docudesk.com

acquiring voting rights, since, the government is busy with terrorist and infiltrator-friendly ‘confidence building measures’ like soft borders, peace talks, Indo-Pak and Indo-Bangladesh bus and rail links, which are bringing more and more Pak-Bangla nationals into India everyday.

It is ironic that despite repeated waves of foreign invaders for over 1,200 years, Hindus resisted converting to Islam and Christianity. That is why we are still 83% Hindus in today’s India and 75% Hindus in Akhand Hindustan. But now we are forgetting our past valour and grit, and instead acquiescing in a demographic invasion by Muslims from abroad. Hindustan’s true identity as a continuing Hindu civilization is under threat today.

2. Islamic Terrorism

What did the despicable terror and mayhem in Mumbai on November 26th signify for India? Shorn of the human tragedy, wanton destruction, and obnoxious audacity of the terrorists, it fundamentally signifies a challenge to the true identity of India from radical Islam securely based in Pakistan. Pakistan is a Muslim majority country and therefore by definition cannot be a secular peace loving country. It is to be regarded instead as Darul Islam where minorities have no place. Islam commands Muslims of Darul Islam to wage jihad, and hence India will continue to be attacked by terrorists from Pakistan. To end this patriotic Indians must force them to sign a Al Takkiya contract. For this Indians must not permit any area of India, from State to District to Town panchayat, to be a Muslim majority area because then it will become a breeding ground for Jihad based terror. A nationalist government must ensure a population re-settlement to make this happen. In Kashmir, the Indian government must resettle 10 lakh ex-service personnel of the armed forces to reconstruct the population ratio of Hindus in Kashmir.

Secular intellectuals may wax eloquent about the “true Islam” being humane and peaceful on TV programmes, but it is clear that they have not read any authoritative translations of the *Koran*, *Sira* and *Hadith* which three holy books together constitute the theology of Islam. Together these are a complete menu of intolerance of peoples who are not Muslim, derisively labeled as *kafirs* and *dhimmis*.

Hence instead of talking about the “correct interpretation” of Islam, those who call themselves as ‘moderates’ in the Islamic community, ought instead to urge for a new reformed Islamic theology that is consistent with democratic principles. Of course, then like Salman Rushdie and Taslima, they will have to run for over to escape fanatic murderous Muslims.

In 2003, two years after the 9/11 perfidious Islamic assault on USA, resulting in killing of more than 3000 persons within two hours, and which crime of terror was perpetrated by leveraging the democratic freedoms in USA, the Saudi Arabian Embassy in the website of its Islamic Affairs Department [www.iad.org] laid down what a “good” Muslim is expected to do. In that site it is stated:

“The Muslims are required to raise the banner of *Jihad* in order to make the Word of *Allah* supreme in this world, to remove all forms of injustice and oppression, and to defend the Muslims. If Muslims do not take up the sword, the evil tyrants of this earth will be able to continue oppressing the weak and helpless”

The above quote is what in substance is being taught in every *madrassa* in India, and can be traced back to the sayings of Prophet Mohammed. I can quote a plethora of verses

PDF Created with deskPDF PDF Writer - Trial :: http://www.docudesk.com

from a Saudi Arabian translated Koran[e.g., verses 8:12, 8:60, and 33:26] which verses justify brutal violence against non-believers. If I delved into *Sira* and *Hadith* for more quotes, then I could risk generating unbearable shock, so it will suffice to say that Islam is not only a theology, but it spans a brutal political ideology which we have to combat in realm of ideas sooner or later.

Some may quote back at me verses from Manusmriti about brutality to women and scheduled castes. But as a Hindu I have the liberty to disown these verses if such verses exist[since it is a Smriti] and even to seek to re-write a new smriti as many, for example, Yajnavalkya have done to date.

Reform and renaissance is thus inbuilt into Hinduism. But in Islam, the word of the Prophet is final. No true Muslim can disown these verses, or say that they would re-write the offensive verses of the Koran. If they do, then they would have to run for their lives. Leave alone re-writing, if anyone draws a cartoon of Prophet Mohammed, there will follow world-wide violent rioting. But if Hussein draws Durga in the most pornographic posture, the Hindus will only groan but not violently rampage.

We Hindus have a long recognized tradition of being religious liberals by nature. We have already proved it enough by welcoming to our country and nurturing Parsis, Jews, Syrian Christians, and Moplah Muslim Arabs who were persecuted elsewhere, when we were 100% Hindu country. But today's systematic infiltration of Muslims from Bangla Desh and Pakistan is not because of persecution, but for *Jihad*.

Despite a 1000 years of most savage brutalization of Hindus by Islamic invaders and self demeaning brain washing by the Christians, even then, Hindus as a majority in 1947 had adopted secularism as a creed. We have not asked for an apology and compensation for these past atrocities. But the position of Hindus in this land of Bharatmata, where Muslims and Christians locally are in majority, in pockets—such as in Kashmir and Nagaland, or in small enclaves such as town panchayats of Tamil Nadu, is terrible and despicable. Even in Kerala where Hindus are 52% of the population, they have only 25% of all the prime jobs in the state, and are silently suffering their plight at the hands of 48% who vote as a vote bank. This factor make infiltration and change in the population ratio lethal for our civilization.

If we do not stand up now to this Islamic explicit and terrorism and implicit then India will end up like Beirut, a permanent battlefield of international terrorists, buccaneers, pirates and missionaries, or in the end a Darul Islam of Muslim majority.

This means we have to deal squarely with the incubator of Islamic terror namely Pakistan. Today Pakistan's civil and democratic society is impotent. They are paying the price of Benazir Bhutto who as Prime Minister helped Taliban to strike roots and infected Kashmir with the call for "azadi". Time has come for us to stand up against all this.

3. A Possible Solution

What does it mean in the 21st century for Hindus to stand up? I mean by that a mental clarity of the Hindus to defend themselves by effective deterrent retaliation, and also an intelligent co-option of other religious groups into the Hindu cultural continuum.

Mental clarity can only come if we are clear about the identity of the nation. What is India? An ancient but continuing civilization or is it a geographical entity incorporated in 1947 by the Indian Independence Act of the British Parliament? What then does it means to say "I am an Indian"? A mere passport holder of the Republic of India or a descendent

PDF Created with deskPDF PDF Writer - Trial :: http://www.docudesk.com

of the great seers and visionaries of more than 10,000 years? Obviously our identity should be of a nation of an ancient and continuing Hindu civilization, legatees of great rishis and munis, and a highly sophisticated Sanatana philosophy.

If Hindu culture is our defining identity then how can we co-opt non-Hindus, especially Muslims and Christians? By persuading them by saam, dhaam, bheda and dand that they acknowledge with pride the truth: that their ancestors are Hindus. If they do, then it means that they accept Hindu culture and its liberal enlightened mores. That is, change of religion to Islam does not mean change from Hindu culture. Then we should treat such Muslims and Christians as part of our Brihad Hindu family, and even welcome them to re-convert.

Noted author and editor M.J. Akbar calls this identity as of "Blood Brothers". It is an undeniable fact that Muslims and Christians in India are descendents of Hindus. In a recent article in the American Journal of Physical Anthropology, an analysis of genetic samples[DNA] show that Muslims in north India are overwhelmingly of the same DNA as Hindus proving that Muslims here are descendents of Hindus who had been converted to Islam, rather repositories of foreign DNA deposited by waves of invaders. Of course for Southern India Muslims, we do not need a DNA test to learn this. It is obvious.

Akbar thus asks rhetorically: "When have the Muslims of India gone wrong?" and answers: "When they have forgotten their Indian roots". How apt! Enlightened Muslims like Akbar therefore must rise to the occasion and challenge the reactionary religious fundamentalists. That is, India is not Darul Harab to be trifled with. It is in the interest of the Muslims of India to accept this reality. Hindus must persuade by the time-honoured methods, the Muslims and Christians to accept this and its logical consequences.

This identity was not understood by us earlier because of the distorted outlook of Jawarharlal Nehru who occupied the Prime Minister's chair for seventeen formative years after 1947 and for narrow political ends, had fanned a separatist outlook in Muslims and Christians.

Without a resolution of the identity crisis today, which requires an explicit clear answer to this question of who we are, the majority will never understand how to relate to the legacy of the nation and in turn to the minorities. Minorities would not understand how to adjust with the majority if this identity crisis is not resolved. In other words, the present dysfunctional perceptional mismatch in understanding who we are as a people, is behind most of the communal tension and inter-community distrust in the country and our failure to deal with Pakistan.

To deal with Islamic terrorism and infiltration and culturally assimilate Muslims of India. India thus needs a Hindu renaissance that incorporates modern principles, e.g., of the irrelevance of birth antecedents, fostering gender equality, ensuring equality before law, and accountability for all. It is also essential to integrate the entire Indian society on those principles, irrespective of religion. Uniform civil code for example, is something that the vast majority of Muslim women want. But the Muslims think that this is the first step in several to subjugate them or wipe out their identity. But Muslims have quietly accepted Uniform Criminal Code[the IPC] even though it contradicts the *Sharia*.

In other words, Hindutva has two components—one that Hindus can accept[such as caste abolition, eradication of dowry etc.] without any other religion's interests to

PDF Created with deskPDF PDF Writer - Trial :: http://www.docudesk.com

consider. The other is the embracing by minorities of the core secular Indian values which have Hindu roots. This would require, particularly Muslims and Christians, to acknowledge that their ancestry is Hindu, and thus own the entire Hindu past as their own legacy, and to thus tailor their outlook on that basis. This would integrate Indian society and make the concept of an inclusive[Brihad] Hindutva and rooted in India's continuing civilization.

Once Indianness means Virat Brihad Hindutva, we can tackle terrorism of Pakistan by an effective strategy of defence. The components of that strategy has to be formed by taking Pakistan as a failed state, a sponsor of terrorism, and hence, we need to dismember it unless there is evidence that Pakistan's civil society is ready to reform Islam in keeping with modern principles of civilisational values and age old dharma of Akhand Hindustan.

We can manage infiltration from Bangla Desh by either assimilation into the Hindu cultural mainstream or by asking Bangla Desh to part with territory in proportion to the Bangla Deshis in India (which is about one-third of that country), since Partition of Indian territory was on the basis of population ratio of Hindus and Muslims. Of course, Bangla Desh can avoid this by taking back their infiltrators without our having to deport them.

.....

हे ! राम

खामोश हुआ सरयू तट, अवध की आँखें भर आईं
हे मर्यादापुरुषोत्तम राम फिर वनवास की बारी आई
सरकारी कैकेयी ने अपना रूप दिखा दिया
राजनीति की खातिर तुम पर ही प्रश्न चिह्न लगा दिया
दर्द यही कि हम अपनी मातृभूमि में बेगाने हो गए
सब धर्मों का करते करते मान, अपना धर्म ही खो गए
किसी पार्टी की बात नहीं, यह पूर्वजों का अपमान है
दुनिया जिसकी गाथा गाती, सरकार मांग रही प्रमाण है
प्रमाण मांग कर देखो मोहम्मद साहब के अनुयायियों से
सिक्खों, बौद्धों, जैनियों, पारसी या ईसाइयों से
राम, कृष्ण, शिव, अम्बा, गणेश, हनुमन्त हमारे
सबको लेने होंगे क्या सरकारी प्रमाण पत्र तुम्हारे
धिक्कार तुम्हें! इस भवन की नींव को हिला दिया
अपना असली रूप आखिर तुमने दिखला दिया
धर्मनिरपेक्षता का मतलब नहीं पूर्वजों पर थूक दो
या उनके अस्तित्व को ही राजनीति में फूँक दो
रामकृष्ण नहीं थे तो यह भारत कैसे, क्यूं जिन्दा है
तुम्हारी करतूत से हर भारतवासी शर्मिन्दा है
दोबारा हलफनामा दाखिल कर, कलंक नहीं धुल पाएगा

PDF Created with deskPDF PDF Writer - Trial :: http://www.docudesk.com

आस्था पर लगी चोट को, कैसे कोई भूल पाएगा
राम हमारी संस्कृति के वह अनमोल रतन हैं
पूरी दुनिया गाथा गाती, करती जिन्हें नमन है
मिथिलावासी आज भी अवध पुरी में बेटी नहीं ब्याहते
और देश के कर्णधार जानकी-पति को ही झुठलाते
किसकी बातें करते अंग्रेज़ों ने लिखा क्या वह है इतिहास
ऋग्वेद बताता है राम के पूर्वज इक्ष्वाकु की बात
इसी इक्ष्वाकु की 65वीं पीढ़ी में राम आए थे
मर्यादा की सीमा रेखा में बंध जन-जन को भाए थे
उस ऋग्वेद को तुम्हारे अंग्रेज़ भी सबसे पुराना मानते हैं
पर ये सत्ता के दलाल इस बात को नहीं जानते हैं।
वाल्मीकि ने रामायण में जो लिखा पहले वेदों में आया है
और रामेश्वरम् का मंदिर क्यों तुम्हारे पुरखों ने बनाया है
बापू का रामराज क्या कल्पनाओं में आया था
या सत्ता के दलालों ने यह भी एक नारा बनाया था
भारत भूमि के कण कण में जिन्दा है वह नाम
हिम्मत है तो मिटा दो राजघाट से 'हे! राम'
कब तक छलोगे देश की संस्कृति को ओ राजनीति वालों !
सूरज से निष्कलंक राम को राजनीति के ग्रहण से बचा लो
कहते हैं जो अपने पूर्वजों का नहीं करता सम्मान
धरा से मिट जाता है उस पापी का नामो-निशान
तुम्हारी संतति भी कल तुम पर प्रश्न चिह्न लगाएगी
समय का चक्र है यह तो, घूम फिर कर तुम्हारी भी
बारी आएगी, तुम्हारी भी बारी आएगी।

टिप्पणी : यह कविता वसंतकुंज नई दिल्ली में दिनांक 24 जनवरी 2010 को आयोजित रामराज्य संबंधी संगोष्ठी में गाई गई।

(श्रीमती) नीलम शर्मा

बी-187/1, छत्तरपुर विस्तार, नई दिल्ली-110 074

नव संवत 2067 विक्रमी (16 मार्च 2010 से प्रारम्भ) आपको मंगलमय हो। हम सब मिलकर विश्व शान्ति और विश्वबन्धुत्व के स्वप्न को पूर्ण होता हुआ देखें।

सब तरफ हो सुरभि, मुग्ध वातावरण।
वेदना, क्लेश, संताप का हो क्षरण।
है नया वर्ष, संवत नया आ गया।
हों नये ही नये चेतना के चरण।।।

PDF Created with deskPDF PDF Writer - Trial :: http://www.docudesk.com

हो प्रफुल्लित सभी आप, मैं, सृष्टि भी
हों कहीं भी दुखों की नहीं वृष्टि भी
मन प्रफुल्लित रहे, तन रहे उल्लसित
सर्वदानन्द देखें सदा दृष्टि भी।।

मंगलमय हो मानव जीवन सबका अन्तर
मंगलमय हो यह देश, ग्राम, घर और नगर
हर तरफ दृष्टि, मंगल, मंगल, मंगल देखे
शुभ हो, सुन्दर हो यह मंगलमय संवत्सर।।

सारे ही स्वप्न अपूर्ण पूर्ण हो जाएं बन्धु !
दुख, कष्ट, क्लेश, सन्ताप चूर्ण हो जाएं बन्धु!
नव संवत्सर में नयी चेतना जाग उठे
सुख शान्ति सुरभिमय विश्व पूर्ण हो जाएं बन्धु!

डॉ. रामसनेहीलाल शर्मा 'यायावर' डी.लिट.,
86, तिलक नगर, बाईपास रोड, फीरोजाबाद, उ.प्र.

सांस्कृतिक गौरव संस्थान

'उठो और रामराज्य की स्थापना करो' - एक रिपोर्ट

सांस्कृतिक गौरव संस्थान के तत्वावधान में 'उठो और रामराज्य की स्थापना करो' विषय पर हरिद्वार में पावन महाकुंभ के अवसर पर दिनांक 10-11 अप्रैल 2010 को आयोजित दो दिवसीय संगोष्ठी का विवरण

भगवान् श्रीरामचन्द्र जी की प्रेरणा से संस्थान की ओर से 'उठो और रामराज्य की स्थापना करो' विषय पर पहली संगोष्ठी दिल्ली में कांस्टीट्यूशन क्लब में 5 अप्रैल 2008 को बड़े भव्य रूप में हुई थी। उसके पश्चात् निम्नलिखित नगरों में गोष्ठियां हुई :- कोच्चि, मुंबई, भोपाल, गाज़ियाबाद, हापुड़, मुजफ्फरनगर, देवबंद, अलीगढ़, ठाकुरद्वारा, हरिद्वार, सोनीपत, चांदपुर, नोएडा, द्वारका (दिल्ली), देहरादून, काशीपुर, उझानी, नानौता, कसौली, साढौली कदीम, छुटमलपुर, संदेश विहार (दिल्ली), वसंत कुंज, कैलाश अस्पताल (नोएडा), डासना आदि। अब तक 38 संगोष्ठियां हुई हैं।

हमें यह सूचित करते हुए आनंद की अनुभूति हो रही है कि संस्थान की ओर से दिनांक 25 फरवरी 2010 के पत्र से शनिवार, रविवार दिनांक 10 और 11 अप्रैल 2010 को पावन महाकुंभ के अवसर पर इस अभियान

PDF Created with deskPDF PDF Writer - Trial :: http://www.docudesk.com

के तहत दो-दिवसीय गोष्ठी के आयोजन की सूचना आजीवन सदस्यों और न्यासियों आदि को दी गई और उन्हें वहाँ गोष्ठी में शामिल होने के लिए निमंत्रित किया गया। तदनुसार सुमेरु पीठ काशी के श्रद्धेय जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी नरेन्द्रानंद सरस्वती जी महाराज ने 10 अप्रैल 2010 की गोष्ठी के उद्घाटन का हमारा अनुरोध स्वीकार किया और वे निर्धारित समय के अनुसार शनिवार की प्रात: काल 9.30 बजे सुमेरु पीठ के ही भव्य पंडाल में उद्घाट्न हेतु पधारे। उनके साथ अनेक साधुसंत भी मंच पर आसीन हुए। बड़े आनंद का विषय है कि उद्घाट्न के अवसर पर लगभग 400-450 तीथीयात्री, माताएं-बहनें आदि साथ-साथ अनेक साधुसंत इस गोष्ठी में महाराजश्री के व्याख्यान और दर्शनों के लिए उपस्थित हुए। यह बताया गया है कि सुमेरु पीठ काशी की स्थापना स्वयं आदि जगद्गुरु शंकराचार्य ने आज से लगभग 2509 वर्ष पहले की थी जब वे वहाँ अध्ययनार्थ पहुँचे थे और काशी में वास किया था।

संस्थान के उत्तराखण्ड और हिमाचल के संयोजक श्री चित्रमणि ने संस्थान के न्यासियों द्वारा महाराजश्री सहित सब साधुसंतों का फूलमालाओं से स्वागत कराया। महामंत्री डॉ. महेश चन्द्र, लखनऊ से आए डॉ. रवीश, डासना के प्राचीन चंडी देवी मंदिर के महन्त यति नरसिंहानन्द सरस्वती जी, उच्चतम न्यायालय के अधिवक्ता श्री राजेन्द्र प्रसाद शर्मा तथा काशीपुर से आए आर्यायन संस्था के संस्थापक अध्यक्ष श्री शरद चन्द्र (अधिवक्ता) और अलीगढ़ से आए संस्थान के न्यासी श्री माधवस्वरूप मित्तल आदि ने हार्दिक स्वागत किया।

आरंभिक भाषण में **संस्थान के महामंत्री डॉ. महेश चन्द्र** ने 'उठो और रामराज्य की स्थापना करो' अभियान की आवश्यकता बताई और यह भी बताया कि उक्त अभियान पिछले दो वर्षों से चल रहा है जिसमें हज़ारों देशवासियों ने भाग लिया है। देश में शासकवर्ग लगभग पूरा ही भ्रष्ट हो गया है और शासनतंत्र संवेदनहीनता की जकड़ में है और ये सब कर्तव्यों के पालन से जी चुराने लगे हैं, जबकि भगवान् श्रीराम चन्द्र स्वयं कर्तव्यों का पालन करते थे और दूसरों से करवाते भी थे, इसलिए संविधान के अनुच्छेद 51क में वर्णित भारत के नागरिकों के कर्तव्यों के पालन के उच्चतम प्रतीक भगवान् श्रीराम चन्द्र जी ही हो सकते हैं, इसलिए महात्मा गांधी जी द्वारा घोषित रामराज्य की स्थापना का यह अभियान छेड़ा गया है।

जगद्गुरु स्वामी नरेन्द्रानंद जी महाराज ने अपने प्रेरणादायक उद्बोधन में समस्त उपस्थित तीर्थयात्रियों का आवाह्न किया कि वे सब धर्म का पालन करें और अधर्म के विनाश के लिए एक-जुट होकर उठ खड़े हों। उन्होंने धर्म के लक्षणों का विवेचन किया और बताया कि दूसरों के हित के काम और दूसरों को सुख पहुँचाने के काम धर्म की श्रेणी में आते हैं जबकि दूसरों को दुख देने वाले और दूसरों के नाश के किए जाने वाले काम अधर्म की श्रेणी में आते हैं, इसलिए देश की जनता को अधर्म के विनाश के लिए खड़ा हो जाना चाहिए। उन्होंने यह बताया कि श्रीराम चन्द्र विश्व के सर्वोत्तम आदर्श हैं, जिन्होंने संपूर्ण पृथ्वी पर धर्म की स्थापना की और धर्म के विरुद्ध काम करने वाले दुष्टों का संहार किया, इसलिए भारत भूमि को संत्रास देने वाले अफजल गुरु, अजमल कसाब जैसे धर्मद्रोहियों को लालकिले (दिल्ली), और मुंबई में गेटवे ऑफ इंडिया के सामने लटकाकर लोहे की गर्म सलाखों से उनके शरीर को नोच कर उन्हें दंडित किया जाना चाहिए ताकि भविष्य में कोई धर्मद्रोही हिन्दुस्थान की तरफ दुष्टतापूर्ण दृष्टि न डाल सके।

महाराजश्री के आशीर्वाद के पश्चात् प्रथम और द्वितीय सत्र में उसी दिन यति नरसिंहानंद सरस्वती जी, राजेन्द्र प्रसाद शर्मा जी, शरद् चन्द्र जी (अधिवक्ता) चित्रमणि जी आदि ने उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करते हुए श्रीरामराज्य की स्थापना के महाभियान में तन-मन-धन से लग जाने की प्रेरणा दी। इन वक्ताओं ने अपने प्रेरणादायक शब्दों से जन-समुदाय में उत्साह का संचार किया। चित्रमणि जी ने गंगा की दुर्दशा और गोवंश के विनाश की दुर्भाग्यपूर्ण अवस्था का गंभीर चित्रण किया जिससे जन-समुदाय में हलचल मच गई। **यति**

PDF Created with deskPDF PDF Writer - Trial :: http://www.docudesk.com

नरसिंहानन्द सरस्वती ने अपने उद्‌बोधन में भारत के विशाल क्षेत्र में जिहादी आतंकवादियों द्वारा हिन्दू कन्याओं के अपहरण की गंभीर और तथ्यपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने देशवासियों को 'लविंग जिहाद' करने वाले आतंकवादियों से निरंतर सतर्क रहने की प्रेरणा दी। सायंकाल लगभग 5 बजे पहले दिन की संगोष्ठी का महाराजश्री और अन्य सब संतों, प्रतिभागियों का धन्यवाद देते हुए समापन हुआ। उल्लेखनीय है कि बीच-बीच में हर हर महादेव, श्रीराम जय राम जय जय राम और जगद्‌गुरु शंकराचार्य की जय के गगनभेदी नारे लगते रहे तथा गंगामाता, गौ माता की जय के साथ पहले दिन का कार्यक्रम संपूर्ण हुआ।

रविवार दिनांक 11 अप्रैल 2010

भगवान् श्रीराम चन्द्र जी की असीम कृपा से रविवार को भी काशी सुमेरु पीठ के जगद्‌गुरु शंकराचार्य स्वामी नरेन्द्रानंद जी महाराज अपने सिंहासन पर प्रात: काल विराजमान हो गए। उनके पधारते ही पंडाल में उपस्थित सैंकड़ों रामभक्त और रामराज्य की स्थापना के संबंध में प्रवचन सुनने को आतुर तीर्थयात्री उत्साहित होकर हर-हर महादेव, जयश्रीराम और जगद्‌गुरु शंकराचार्य की जय के नारे लगाने लगे। महाराजश्री और अन्य महात्माओं के पुष्पमालाओं से स्वागत के पश्चात् दूसरे दिन की संगोष्ठी आरंभ हुई।

सर्वप्रथम महामंत्री डॉ. महेश चन्द्र ने महाराजश्री की अनुमति लेकर सरल शब्दों में धर्म और अधर्म की व्याख्या की। उन्होंने **गोस्वामी तुलसीदास जी महाराज के परहित सरिस धर्म नहिं भाई** वचनों का उल्लेख करते हुए धर्म की परिभाषा बताई। गोस्वामी तुलसीदास जी ने दूसरों की भलाई को सर्वोपरि धर्म बताया। महामंत्री ने अधर्म को भलीभांति परिभाषित किया और बताया कि यूरिया से नकली दूध बनाना, देसी घी के नाम पर घातक चर्बी युक्त घी परोसना/बेचना, पशुओं और गउओं का संहार करना ताकि अत्याचारी मानव अपना पेट भर सके, दूसरों के साथ धोखा करना और बिना परिश्रम के धन इकट्ठा करने की कोशिश करना ये सब अधर्म के रूप हैं, इनके विपरीत प्राणी मात्र के भलाई के काम धर्म हैं और इसलिए भगवान् श्रीराम चन्द्र जी ने अधर्म का नाश किया और धर्म की स्थापना की, इसलिए भगवान् रामचन्द्र जी का राज्य भूमण्डल में सर्वोत्तम राज्य था।

महाराजश्री ने अपने प्रवचन में यह बताया कि समस्त भूमण्डल में सामाजिक/आध्यात्मिक, सांस्कृतिक, शैक्षिक और राजनीतिक मूल्यों की स्थापना करने वाले श्रीराम चन्द्र जी ने सर्वांगपूर्ण न्यायकारी शासन की स्थापना की। वे समस्त पृथ्वी के नियंता होते हुए भी अत्यंत विनम्र और लोकतंत्रीय प्रणाली के न केवल जन्मदाता बल्कि प्रतिष्ठापक भी हैं। उन्होंने समस्त प्राणियों के प्रति सद्‌भावना का वातावरण उत्पन्न करने के साथ-साथ मानव जाति में परस्पर सौहार्द तथा सामंजस्य का नया वातावरण उत्पन्न किया, वे मर्यादाओं की स्थापना करने वाले पुरुषोत्तम हैं, इसलिए सांस्कृतिक गौरव संस्थान ने 'उठो और रामराज्य की स्थापना करो' का जो अभियान आरंभ किया है, हम ऐसे अभियान का स्वागत करते हैं और संस्थान को अपना आशीर्वाद प्रदान करते हैं, कि संस्थान अपने संकल्प में आगे बढ़ने में सफल हो।

महाराजश्री के प्रस्थान करने के पश्चात् संगोष्ठी जारी रही और प्राचीन चण्डी मंदिर डासना के महंत यति नरसिंहानन्द सरस्वती ने उपस्थित जनसमूह को विकट परिस्थितियां देखते हुए सतर्क रहने की प्रेरणा दी। उन्होंने अनेक उदाहरण देते हुए बताया कि किस प्रकार कृषि कार्य के लिए कम से कम 4 संतानें चाहिए और राष्ट्र की सेना को सुदृढ़ करने के लिए प्रत्येक परिवार से एक-एक पुत्र देश की रक्षा के लिए सुलभ होना चाहिए। यति जी ने मुस्लिम समाज की अंधाधुंध बढ़ती हुई जनसंख्या और उस पर किसी प्रकार की रोक न होने के फलस्वरूप देश में आसन्न खतरे का संकेत भी किया। उनके आवाहन के पश्चात् लखनऊ से आए **वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी डॉ. रवीश** ने भी सबको तैयार होकर देश की रक्षा के लिए और समाज में समरसता पैदा करने के लिए लगातार कार्य करते रहने की प्रेरणा दी। **काशीपुर के श्री शरद्‌चन्द्र अधिवक्ता, अलीगढ़**

PDF Created with deskPDF PDF Writer - Trial :: http://www.docudesk.com

के **श्री माधव स्वरूप मित्तल और उच्चतम न्यायालय के अधिवक्ता श्री राजेन्द्र प्रसाद शर्मा** ने भी अपने-अपने विचार प्रकट किए। उन्होंने रामराज्य की स्थापना के लिए समाज में समरसता, समन्वय और आलस्य के त्याग की आवश्यकता बताई और निरंतर देश में परिश्रम करके देश को आर्थिक और राजनीतिक दृष्टि से मज़बूत बनाने की वकालत की। संस्थान के उत्तराखण्ड और हिमाचल प्रदेश के संयोजक **श्री चित्रमणि** ने बड़े मार्मिक शब्दों में महाराजश्री सहित साधुसंतों, वक्ताओं और उपस्थित तीर्थयात्रियों का धन्यवाद किया और उत्तराखण्ड और हिमाचल प्रदेश में आगे अनेक नगरों में गोष्ठियां कराने का संकल्प व्यक्त किया। एकात्मता मंत्र के साथ संगोष्ठी का समापन हुआ।

महामंत्री

सांस्कृतिक गौरव संस्थान

जलहीन होती जा रही हैं नदियां

बीते दिनों यह तथ्य सामने आया कि उत्तराखण्ड के टिहरी जिलान्तर्गत **खेतलिंग ग्लेशियर** से निकलने वाली नदी भागीरथी को सहायक नदी **भिलंगना** से पिछले तीन वर्षों से पानी घट कर आधा रह गया है और यह सूखने के कागार पर पहुँच गई है। इससे नदियों पर बांध बनाकर बिजली पैदा करने वाली कंपनियों के होश उड़े हुए हैं। वैज्ञानिक इसे ग्लोबल वार्मिंग का असर बता रहे हैं। भिलंगना ही नहीं, अन्य अनेक नदियों भी प्रदूषण के कारण मरने के कगार पर हैं। केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के एक अध्ययन में कहा गया है कि देशभर के 900 से अधिक शहरों और कस्बों का 70 फीसद गंदा जल पेयजल की प्रमुख स्रोत नदियों में बिना शोधन के छोड़ दिया जाता है। 2008 तक के आंकड़ों के मुताबिक, ये शहर और कस्बे प्रतिदिन 38,254 मिलियन लीटर गंदा पानी छोड़ते हैं जबकि ऐसे पानी के शोधन की क्षमता महज 11,787 मिलियन लीटर प्रतिदिन ही है। नदियों को प्रदूषित करने में उद्योगों की प्रमुख भूमिका है।

आज देश की 70 फीसद नदियां प्रदूषित हैं। इनमें **गुजरात की अमलाखेड़ी, साबरमती और खारी, हरियाणा की मारकंदा, मध्यप्रदेश की खान, उत्तर प्रदेश की काली और हिंडन, आंध्र की मुंसी, दिल्ली में यमुना और महाराष्ट्र की भीमा जैसी 10 नदियां सबसे ज्यादा प्रदूषित हैं।** गर्मी का मौसम आते-आते अनेक नदियां कहीं सूख जाती हैं और कहीं वह नाले का रूप धारण कर लेती हैं। जो पानी इन नदियों में होता भी है, वह किसी भी रूप में पीने लायक नहीं।

चाहे नदी जल हो या भूजल, जंगल हो या पहाड़, सभी का दोहन करने में हमने कोई कसर नहीं छोड़ी है। प्राकृतिक संसाधनों के दोहन का खामियाजा सबसे ज्यादा नदियों को ही भुगतना पड़ा है। सर्वाधिक पूज्य धार्मिक नदी गंगा, यमुना को लें, उनको हमने इस सीमा तक प्रदूषित कर डाला है कि दोनों को प्रदूषण मुक्त करने के लिए अब तक करीब 15 अरब रुपये खर्च किए जा चुके हैं, फिर भी उनकी हालत 20 साल पहले से ज्यादा बदतर है। मोक्षदायिनी राष्ट्रीय नदी गंगा को मानवीय स्वार्थ ने इतना प्रदूषित कर डाला है कि कन्नौज, कानपुर, इलाहाबाद, वाराणसी और पटना सहित कई जगहों पर उसका जल आचमन लायक भी नहीं रहा है। यदि धार्मिक भावना के वशीभूत उसमें डुबकी लगा ली तो त्वचा रोग के शिकार हुए बिना नहीं रहेंगे। कानपुर से आगे का जल पित्ताशय के कैंसर और आंत्रशोध जैसी भयंकर बीमारियों का बड़ा कारण बन गया है। **यही नहीं, कभी खराब न होने वाला गंगा जल का खास लक्षण-गुण भी अब खत्म होता जा रहा है।** गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय के प्रो. बी.डी.जोशी के निर्देशन में हुए शोध से यह प्रमाणित हो गया है।

PDF Created with deskPDF PDF Writer - Trial :: http://www.docudesk.com

यमुना आज अपने अस्तित्व के लिए जूझ रही है। अपने 1376 कि.मी. लम्बे रास्ते में मिलने वाली कुल गंदगी का अकेले 2 फीसद यानी 22 कि.मी. के रास्ते में मिलने वाली 79 फीसद दिल्ली की गंदगी यमुना को जहरीला बनाने के लिए काफी है। यमुना की सफाई को लेकर भी कई परियोजनाएं बन चुकी हैं और उसको टेम्स बनाने का नारा भी लगाया जा रहा है लेकिन परिणाम ढाक के तीन पात रहे हैं। यमुना दिनोंदिन गंदे नाले में बदल रही है।

देश की प्रदूषित हो चुकी नदियों को साफ करने का अभियान पिछले लगभग 20 वर्षों से चल रहा है। इसकी शुरूआत 1986 के लगभग ही तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पहल पर गंगा सफाई अभियान से हुई थी। इस काम में अब तक अरबों रुपये खर्च हो चुके हैं, लेकिन असलियत में अब भी शहरों और कस्बों का 70 फीसद गंदा पानी बिना शोधित किए हुए ही इन नदियों में गिराया जा रहा है।

नर्मदा को लें, अमरकंटक से शुरू होकर विंध्य और सतपुड़ा की पहाड़ियों से गुजरकर अरब सागर से मिलने तक कुल 1,289 कि.मी. की यात्रा में इसका अथाह दोहन हुआ है। 1980 के बाद शुरू हुई इसकी बदहाली के गंभीर परिणाम सामने आए। **यही दुर्दशा बैतूल जिले के मुलताई से निकलकर सूरत तक जाने वाली और आखिर में अरब सागर में मिलने वाली ताप्ती की भी है। तमसा नदी बहुत पहले विलुप्त हो गई थी। बेतवा की कई सहायक नदियों की छोटी-बड़ी जल धाराएं भी सूख गई हैं।** जब हिमालयी भूभाग में बहने वाली गंगा की प्रमुख सहायक नदी भागीरथी का लंबा भाग सूखकर बालू में तब्दील हो गया हो, गंगोत्री से निकलने वाली भिलंगना, अस्सीगंगा, अलकनंदा की कई जल धाराएं सूख चुकी हों तो भावी जल संकट के खतरे का सहज अंदाजा लगाया जा सकता है।

आज नदियां मलमूत्र विसर्जन का माध्यम और जलस्रोत नरककुंड बनकर रह गए हैं, अंधाधुंध विकास का परिणाम नदी और भूजल के प्रदूषण के रूप में सामने आया है, बढ़ती आबादी के कारण जल उपयोग में बढ़ोतरी हुई है, भूजल के दोहन की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है, नदी क्षेत्र पर अतिक्रमण बढ़ता जा रहा है और पानी में खारेपन की समस्या विकराल होती जा रही है। ये समस्याएं जल संकट को और गहराएंगी। ऐसी स्थिति में हमारे नीति-नियंता नदियों के पुनर्जीवन की उचित रणनीति क्यों नहीं बना सके हैं, जल के बड़े पैमाने पर दोहन के बावजूद उसके रिचार्ज की व्यवस्था क्यों नहीं कर सके हैं, वर्षा जल का संग्रह क्यों नहीं कर पा रहे हैं।

'राष्ट्रीय सहारा' दिल्ली, दिनांक 23 मार्च 2010 से साभार

सन् 1857 की क्रांति का प्रथम शहीद : मंगल पाण्डे

*राम शिव मूर्ति यादव**

कहा जाता है कि पूरे देश में एक ही दिन 31 मई 1857 को क्रांति आरंभ करने का निश्चय किया गया था, पर 29 मार्च 1857 को बैरकपुर छावनी के सिपाही मंगल पाण्डे (19 जुलाई 1827 - 8 अप्रैल 1857) की विद्रोह से उठी ज्वाला वक्त का इंतज़ार नहीं कर सकी और प्रथम स्वाधीनता संग्राम का आगाज़ हो गया। मंगल पाण्डे को 1857 की क्रांति का पहला शहीद सिपाही माना जाता है।

PDF Created with deskPDF PDF Writer - Trial :: http://www.docudesk.com

29 मार्च 1857, दिन रविवार – उस दिन जनरल जान हियर्से अपने बंगले में आराम कर रहा था कि एक लेफ्टिनेंट बद्हवास-सा दौड़ता हुआ आया और बोला कि देसी लाइन में दंगा हो गया है। खून से रंगे अपने घायल लेफ्टिनेंट की हालत देखकर जनरल हियर्से अपने दोनों बेटों को लेकर 34वीं देसी पैदल सेना की रेजीमेंट के परेड मैदान की तरफ दौड़ा। उधर धोती जैकेट पहने 34वीं देसी पैदल सेना का **जवान मंगल पाण्डे नंगे पाँव ही एक भरी बन्दूक लेकर क्वाटर गार्ड के सामने बड़े ताव में चहलकदमी कर रहा था** और रह-रह कर अपने साथियों को ललकार रहा था –"अरे ! अब कब निकलोगे ? तुम लोग अभी तक तैयार क्यों नहीं हो रहे हो? ये अंग्रेज हमारा धर्म भ्रष्ट कर देंगे। आओ, सब मेरे पीछे आओ। हम इन्हें अभी खत्म कर देते हैं।" लेकिन अफसोस किसी ने उसका साथ नहीं दिया। पर मंगल पाण्डे ने हार नहीं मानी और अकेले ही अंग्रेजी हुकूमत को ललकारता रहा। तभी अंग्रेज सार्जेंट मेजर जेम्स थार्नटन ह्यूसन ने मंगल पाण्डे को गिरफ्तार करने का आदेश दिया। यह सुन **मंगल पाण्डे का खून खौल उठा और उसकी बन्दूक गरज उठी। सार्जेंट मेजर ह्यूसन वहीं लुढ़क गया।** अपने साथी की यह स्थिति देख घोड़े पर सवार लेफ्टिनेंट एडजुटेंट बेम्पडे हेनरी वॉग मंगल पाण्डे की तरफ बढ़ता है, पर इससे पहले कि वह उसे काबू कर पाता, मंगल पाण्डे ने उस पर गोली चला दी। दुर्भाग्य से गोली घोड़े को लगी और वॉग नीचे गिरते हुए फुर्ती से उठ खड़ा हुआ। अब दोनों आमने-सामने थे। इस बीच मंगल पाण्डे ने अपनी तलवार निकाल ली और पलक झपकते ही वॉग के सीने और कन्धे को चीरते हुए निकल गई। तब तक जनरल जॉन हियर्से घोड़े पर सवार परेड ग्राउण्ड में पहुँचा और यह दृश्य देखकर भौचक्का रह गया। **जनरल हियर्से ने जमादार ईश्वरी प्रसाद को हुक्म दिया कि मंगल पाण्डे को तुरन्त गिरफ्तार कर लो पर उसने ऐसा करने से मना कर दिया। तब जनरल हियर्से ने शेख पल्टू को मंगल पाण्डे को गिरफ्तार करने का हुक्म दिया। शेख पल्टू ने मंगल पाण्डे को पीछे से पकड़ लिया।** स्थिति भयावह हो चली थी। मंगल पाण्डे ने गिरफ्तार होने से बेहतर मौत को गले लगाना उचित समझा और बन्दूक की नाली अपने सीने पर रख पैर के अंगूठे से फायर कर दिया। लेकिन होनी को कुछ और ही मंज़ूर था, सो मंगल पाण्डे सिर्फ घायल होकर ही रह गया। तुरन्त अंग्रेजी सेना ने उसे चारों तरफ से घेर कर बन्दी बना लिया और मंगल पाण्डे के कोर्ट मार्शल का आदेश हुआ। **अंग्रेज़ी हुकूमत ने 6 अप्रैल को फैसला सुनाया कि मंगल पाण्डे को 18 अप्रैल को फांसी पर चढ़ा दिया जाए। पर बाद में यह तारीख 8 अप्रैल कर दी गई ताकि विद्रोह की आग अन्य रेजिमेण्टों में भी न फैल जाए।** मंगल पाण्डे के प्रति लोगों में इतना सम्मान पैदा हो गया था कि बैरकपुर का कोई जल्लाद फाँसी देने को तैयार नहीं हुआ। नतीजतन कलकत्ता से चार जल्लाद बुलाकर मंगल पाण्डे को 8 अप्रैल 1857 को फाँसी पर चढ़ा दिया गया। मंगल पाण्डे को फाँसी पर चढ़ाकर अंग्रेजी हुकूमत ने जिस विद्रोह की चिंगारी को खत्म करना चाहा, वह तो फैल ही चुकी थी और देखते ही देखते इसने पूरे देश को अपने आगोश में ले लिया।

14 मई 1857 को गर्वनर जनरल लार्ड वॉरेन हेस्टिंग्स ने मंगल पाण्डे का फांसीनामा अपने आधिपत्य में ले लिया अर्थात् 8 अप्रैल 1857 को बैरकपुर, बंगाल में मंगल पाण्डे को प्राण दण्ड दिए जाने के ठीक सवा महीने बाद, जहाँ से उसे कलकत्ता के फोर्ट विलियम कॉलेज में स्थानान्तरित कर दिया गया था। सन् 1905 के बाद जब लार्ड कर्जन ने उड़ीसा, बंगाल, बिहार और मध्य प्रदेश की थल सेनाओं का मुख्यालय बनाया गया तो मंगल पाण्डे का फांसीनामा जबलपुर स्थानान्तरित कर दिया गया। जबलपुर के सेना आयुध कोर के संग्रहालय में मंगल पाण्डे का फांसीनामा आज भी सुरक्षित रखा है। इसका हिन्दी अनुवाद निम्नवत् है :-

बाय हिज़ एक्सीलेन्सी

द कमान्डर इन चीफ, हेड क्वार्टर्स, शिमला

18 अप्रैल 1857

PDF Created with deskPDF PDF Writer - Trial :: http://www.docudesk.com

गत 18 मार्च 1857, बुधवार को फोर्ट विलियम्स में संपन्न कोर्ट मार्शल के बाद कोर्ट मार्शल समिति 6 अप्रैल 1857, सोमवार के दिन बैरकपुर में पुनः इकट्ठा हुई तथा पाँचवी कंपनी की 34वीं रेजीमेंट नेटिव इनफेन्ट्री के 1446 नं. के सिपाही मंगल पाण्डे के खिलाफ लगाए गए निम्नलिखित आरोपों पर विचार किया।

आरोप (1) बगावत : 29 मार्च 1857 के बैरकपुर में परेड मैदान पर अपनी रेजीमेंट की क्वार्टर गार्ड के समक्ष तलवार और राइफल से लैस होकर अपने साथियों को ऐसे शब्दों में ललकारा, जिससे वे उत्तेजित होकर उसका साथ दें तथा कानूनों का उल्लंघन करें।

आरोप (2) इसी अवसर पर पहला वार किया गया तथा हिंसा का सहारा लेते हुए अपने वरिष्ठ अधिकारियों, सार्जेन्ट-मेजर जेम्स थार्नटन ह्यूसन और लेफ्टिनेंट-एडजुटेंट बेम्पडे हेनरी वॉग पर जो 34वीं रेजीमेंट नेटिव इनफेन्ट्री के ही थे, अपनी राइफल से कई गोलियाँ दागीं तथा बाद में उल्लिखित लेफ्टिनेंट वॉग और सार्जेंट मेजर ह्यूसन पर तलवार के कई वार किए।

निष्कर्ष : अदालत पाँचवी कंपनी की 34वीं रेजीमेंट नेटिव इनफेन्ट्री के सिपाही नं. 1446, मंगल पाण्डे को उक्त आरोपों का दोषी पाती है।

सजा : अदालत पाँचवी कंपनी की 34वीं रेजीमेंट नेटिव इनफेन्ट्री के सिपाही नं. 1446, मंगल पाण्डे को मृत्युपर्यन्त फाँसी पर लटकाये रखने की सजा सुनाती है।

अनुमोदित एवं पुष्टिकृत
(हस्ताक्षरित) जे.बी.हरसे,
मेजर जनरल कमांडिंग, प्रेसीडेन्सी डिवीजन
बैरकपुर, 7 अप्रैल 1857

टिप्पणी :

पाँचवी कंपनी की 34वीं रेजीमेंट नेटिव इनफेन्ट्री के सिपाही नं. 1446, मंगल पाण्डे को कल 8 अप्रैल को प्रातः साढ़े पांच बजे ब्रिगेड परेड पर समूची फौजी टुकड़ी के समक्ष फाँसी पर लटकाया जाएगा।

इस आदेश को प्रत्येक फौजी टुकड़ी की परेड़ के दौरान और खास तौर से बंगाल आर्मी के हर हिन्दुस्तानी सिपाही को पढ़कर सुनाया जाए।

बाय ऑर्डर ऑफ हिज़ एक्सीलेन्सी
द कमाण्डर-इन-चीफ
सी.चेस्टर, कर्नल।

**स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी (से.नि.)*
तहबरपुर, पोस्ट : टीकापुर, आजमगढ़ (उ.प्र.)

आजाद हिन्द फौज के सुप्रीम कमांडर (नेताजी सुभाष चन्द्र बोस) का ऐतिहासिक महत्त्व का अंतिम आदेश

(भारतीय स्वातंत्र्य समर के महानतम योद्धा, शिखर राष्ट्रवीर देशभक्त नेताजी सुभाषचन्द्र बोस ने मातृभूमि को विदेशी दासता से मुक्त कराने के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया था। अद्‌भुत नेतृत्व शक्ति और अदम्य साहस से संपन्न कीर्तिपुरुष सुभाष बाबू ने भारत से बाहर विशाल **आजाद हिन्द फौज** खड़ी की और उसके सुप्रीम कमांडर रहे। उन्होंने ब्रिटिश सेना को सशस्त्र युद्ध में पराजित किया और अस्थायी आजाद हिन्द सरकार की स्थापना कर उसके राष्ट्रपति बने। **'दिल्ली चलो'** के अभियान के साथ वह युद्ध करते हुए भारतीय सीमा में प्रविष्ट हुए किन्तु दलदली क्षेत्र व अन्य प्रतिकूलताओं ने उन्हें आगे नहीं बढ़ने दिया। ऐसी स्थिति में उन्होंने भारी मन से बर्मा छोड़ते

PDF Created with deskPDF PDF Writer - Trial :: http://www.docudesk.com

समय 'विशिष्ट आदेश' जारी किया था जो आजाद हिन्द फौज के सुप्रीम कमांडर की हैसियत से उनका अंतिम ऐतिहासिक दस्तावेज सिद्ध हुआ।

(संपादक)

"मुख्यालय आजाद हिन्द फौज विशिष्ट आदेश"

आजाद हिन्द फौज के बहादुर अधिकारीगण तथा जवानो !

मैं उस बर्मा को बड़े भारी हृदय से छोड़ रहा हूँ जो उन बहुत-सी शौर्यमय लड़ाइयों का अखाड़ा रहा है, जिन्हें तुमने फरवरी, 1944 से लड़ा है तथा जिन्हें आप लोग अब भी लड़ रहे हैं। इम्फाल तथा बर्मा में हम अपनी आजादी के युद्ध का प्रथम दौर हार चुके हैं। किन्तु यह तो प्रथम दौर ही है। हमें तो युद्ध के और अनेक दौरों से होकर गुजरना है। मैं जन्म से आशावादी हूँ तथा विकट से विकट परिस्थितियों में भी मैं पराजय स्वीकार नहीं करूँगा। दुश्मन के खिलाफ **इम्फाल के मैदानों में, पर्वतमालाओं में तथा अराकान के बीहड़ों एवं तेल क्षेत्रों में तथा बर्मा के अन्य स्थानों पर जो पराक्रमपूर्ण जौहर आपने दिखाए हैं, वे हमारी आजादी के इतिहास में सदैव जीवन्त व अमिट रहेंगे।**

साथियों! संकट की इस घड़ी में मैं अपने आदेश के रूप में आपको एक ही संदेश देना चाहता हूँ कि यदि आपको अस्थायी रूप से पराजय का मुख देखना ही पड़े तो बहादुरों की तरह हार स्वीकार करें और पराजय में भी अनुशासन तथा सम्मान के उच्चतम आचरण को बनाए रखें। आपके सर्वोच्च बलिदानों के फलस्वरूप भारत की जो भावी पीढ़ी गुलाम नहीं अपितु स्वतंत्र नागरिक के रूप में जन्म लेगी वह आपका नाम लेकर कीर्तिगान करेगी, शुभाशीष देगी तथा संसार के समक्ष स्वाभिमानपूर्वक डंके की चोट पर यह कहेगी कि आप जैसे उनके जो पूर्वज बहादुरी से युद्धरत रहे, वे दुर्भाग्य से मणिपुर, असम तथा बर्मा में विजयश्री प्राप्त नहीं कर सके, किन्तु उनकी इस अस्थायी असफलता से हमारी अंतिम सफलता तथा कीर्ति का मार्ग प्रशस्त हुआ।

भारत को आजादी निश्चित रूप से प्राप्त होगी, मेरा यह दृढ़ विश्वास है। मैं अपने राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे को, अपने राष्ट्रीय सम्मान को, तथा भारतीय युद्धवीरों की श्रेष्ठतम परम्पराओं को आपके सशक्त सुरक्षित हाथों में सौंप रहा हूँ। मुझे किंचित भी संदेह नहीं है कि आप, भारतीय मुक्ति की एक किरण की नासीर के रूप में, अपने सर्वस्व की यहाँ तक कि अपने स्वयं के जीवन तक की आहुति देंगे तथा भारतीय सम्मान की रक्षा करोगे ताकि आपके वे साथी जो इस संघर्ष को अन्यत्र संचालित करेंगे, आप लोगों के शानदार उदाहरण को अपनी प्रेरणा के रूप में सदैव अपने समक्ष रखेंगे।

यदि कहीं मेरा वश चलता तो मैं इस संकट की घड़ी में आप लोगों के साथ ही रहना पसन्द करता तथा आपके साथ अस्थायी पराजय का भागीदार होता। किन्तु अपने मंत्रियों तथा उच्चपदीय अधिकारियों के परामर्श के अनुसार मैं बर्मा को त्याग रहा हूँ ताकि मुक्ति के संघर्ष को निरन्तर जीवन्त रख सकूँ। मैं पूर्वी एशिया में तथा भारत के अन्दर निवास करने वाले भारतीयों से परिचित हूँ अत: मैं आप लोगों को आश्वस्त करना चाहता हूँ कि वे विपरीत स्थिति में भी संघर्ष को जारी रखेंगे तथा इस प्रकार आपका समस्त बलिदान तथा कष्ट कभी भी व्यर्थ नहीं जाएगा। जहाँ तक मेरा सम्बन्ध है, मैं विश्वास दिलाता हूँ कि मैं उस प्रतिज्ञा का दृढ़तापूर्वक पालन करता रहूँगा जो कि मैंने 21 अक्टूबर 1943 (अस्थायी आजाद हिन्द सरकार की स्थापना के दिन) को ली थी तथा मैं अपनी सामर्थ्य के अनुसार अपने 38 करोड़ देशवासियों के हितार्थ सब कुछ करता रहूँगा और उनकी मुक्ति हेतु संघर्ष जारी रखूँगा। अन्त में मैं आपसे अपील करता हूँ कि आप उसी आशावादिता को अपने अन्तर में सँजोए रखें जो मैंने सँजो रखी है तथा उनकी मुक्ति हेतु संघर्ष करते रहें तथा मेरे जैसे इस विश्वास को बनाए रखें कि **अन्धकार के पश्चात् प्रकाश का उदय हुआ करता है।** भारत अवश्यमेव आजाद होगा और वह भी अति निकट भविष्य में।

भगवान् आप पर कृपावान रहें।

इन्कलाब जिंदाबाद-आजाद हिन्द जिन्दाबाद-जय हिन्द

PDF Created with deskPDF PDF Writer - Trial :: http://www.docudesk.com

ह. सुभाष चन्द्र बोस
सुप्रीम कमाण्डर आजाद हिन्द फौज
दि. 24 अप्रैल 1945

(अंग्रेजी प्रति से हिन्दी रूपान्तरकार श्री हीरालाल शर्मा 'सरोज')

'नवयुग संदेश' राजस्थान का साप्ताहिक पत्र, वर्ष 65, अंक-15, भरतपुर, दिनांक 19 जनवरी 2010 से साभार

(भारतीय स्वातंत्र्य समर के महानतम योद्धा, शिखर राष्ट्रवीर देशभक्त नेताजी सुभाषचन्द्र बोस ने मातृभूमि को विदेशी दासता से मुक्त कराने के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया था। अद्‌भुत नेतृत्व शक्ति और अदम्य साहस से संपन्न कीर्तिपुरुष सुभाष बाबू ने भारत से बाहर विशाल **आजाद हिन्द फौज** खड़ी की और उसके सुप्रीम कमांडर रहे। उन्होंने ब्रिटिश सेना को सशस्त्र युद्ध में पराजित किया और अस्थायी आजाद हिन्द सरकार की स्थापना कर उसके राष्ट्रपति बने। **'दिल्ली चलो'** के अभियान के साथ वह युद्ध करते हुए भारतीय सीमा में प्रविष्ट हुए किन्तु दलदली क्षेत्र व अन्य प्रतिकूलताओं ने उन्हें आगे नहीं बढ़ने दिया। ऐसी स्थिति में उन्होंने भारी मन से बर्मा छोड़ते समय 'विशिष्ट आदेश' जारी किया था जो आजाद हिन्द फौज के सुप्रीम कमांडर की हैसियत से उनका अंतिम ऐतिहासिक दस्तावेज सिद्ध हुआ।

(संपादक)

"मुख्यालय आजाद हिन्द फौज विशिष्ट आदेश"

आजाद हिन्द फौज के बहादुर अधिकारीगण तथा जवानो !

मैं उस बर्मा को बड़े भारी हृदय से छोड़ रहा हूँ जो उन बहुत-सी शौर्यमय लड़ाइयों का अखाड़ा रहा है, जिन्हें तुमने फरवरी, 1944 से लड़ा है तथा जिन्हें आप लोग अब भी लड़ रहे हैं। इम्फाल तथा बर्मा में हम अपनी आजादी के युद्ध का प्रथम दौर हार चुके हैं। किन्तु यह तो प्रथम दौर ही है। हमें तो युद्ध के और अनेक दौरों से होकर गुजरना है। मैं जन्म से आशावादी हूँ तथा विकट से विकट परिस्थितियों में भी मैं पराजय स्वीकार नहीं करूँगा। दुश्मन के खिलाफ **इम्फाल के मैदानों में, पर्वतमालाओं में तथा अराकान के बीहड़ों एवं तेल क्षेत्रों में तथा बर्मा के अन्य स्थानों पर जो पराक्रमपूर्ण जौहर आपने दिखाए हैं, वे हमारी आजादी के इतिहास में सदैव जीवन्त व अमिट रहेंगे।**

साथियों! संकट की इस घड़ी में मैं अपने आदेश के रूप में आपको एक ही संदेश देना चाहता हूँ कि यदि आपको अस्थायी रूप से पराजय का मुख देखना ही पड़े तो बहादुरों की तरह हार स्वीकार करें और पराजय में भी अनुशासन तथा सम्मान के उच्चतम आचरण को बनाए रखें। आपके सर्वोच्च बलिदानों के फलस्वरूप भारत की जो भावी पीढ़ी गुलाम नहीं अपितु स्वतंत्र नागरिक के रूप में जन्म लेगी वह आपका नाम लेकर कीर्तिगान करेगी, शुभाशीष देगी तथा संसार के समक्ष स्वाभिमानपूर्वक डंके की चोट पर यह कहेगी कि आप जैसे उनके जो पूर्वज बहादुरी से युद्धरत रहे, वे दुर्भाग्य से मणिपुर, असम तथा बर्मा में विजयश्री प्राप्त नहीं कर सके, किन्तु उनकी इस अस्थायी असफलता से हमारी अंतिम सफलता तथा कीर्ति का मार्ग प्रशस्त हुआ।

भारत को आजादी निश्चित रूप से प्राप्त होगी, मेरा यह दृढ़ विश्वास है। मैं अपने राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे को, अपने राष्ट्रीय सम्मान को, तथा भारतीय युद्धवीरों की श्रेष्ठतम परम्पराओं को आपके सशक्त सुरक्षित हाथों में सौंप रहा हूँ। मुझे किंचित भी संदेह नहीं है कि आप, भारतीय मुक्ति की एक किरण की नासीर के रूप में, अपने सर्वस्व की यहाँ तक कि अपने स्वयं के जीवन तक की आहुति देंगे तथा भारतीय सम्मान की रक्षा करोगे ताकि आपके वे साथी

PDF Created with deskPDF PDF Writer - Trial :: http://www.docudesk.com

जो इस संघर्ष को अन्यत्र संचालित करेंगे, आप लोगों के शानदार उदाहरण को अपनी प्रेरणा के रूप में सदैव अपने समक्ष रखेंगे।

यदि कहीं मेरा वश चलता तो मैं इस संकट की घड़ी में आप लोगों के साथ ही रहना पसन्द करता तथा आपके साथ अस्थायी पराजय का भागीदार होता। किन्तु अपने मंत्रियों तथा उच्चपदीय अधिकारियों के परामर्श के अनुसार मैं बर्मा को त्याग रहा हूँ ताकि मुक्ति के संघर्ष को निरन्तर जीवन्त रख सकूँ। मैं पूर्वी एशिया में तथा भारत के अन्दर निवास करने वाले भारतीयों से परिचित हूँ अत: मैं आप लोगों को आश्वस्त करना चाहता हूँ कि वे विपरीत स्थिति में भी संघर्ष को जारी रखेंगे तथा इस प्रकार आपका समस्त बलिदान तथा कष्ट कभी भी व्यर्थ नहीं जाएगा। जहाँ तक मेरा सम्बन्ध है, मैं विश्वास दिलाता हूँ कि मैं उस प्रतिज्ञा का दृढ़तापूर्वक पालन करता रहूँगा जो कि मैंने 21 अक्टूबर 1943 (अस्थायी आजाद हिन्द सरकार की स्थापना के दिन) को ली थी तथा मैं अपनी सामर्थ्य के अनुसार अपने 38 करोड़ देशवासियों के हितार्थ सब कुछ करता रहूँगा और उनकी मुक्ति हेतु संघर्ष जारी रखूँगा। अन्त में मैं आपसे अपील करता हूँ कि आप उसी आशावादिता को अपने अन्तर में सँजोए रखें जो मैंने सँजो रखी है तथा उनकी मुक्ति हेतु संघर्ष करते रहें तथा मेरे जैसे इस विश्वास को बनाए रखें कि **अन्धकार के पश्चात् प्रकाश का उदय हुआ करता है।** भारत अवश्यमेव आजाद होगा और वह भी अति निकट भविष्य में।

भगवान् आप पर कृपावान रहें।

इन्कलाब जिंदाबाद-आजाद हिन्द जिन्दाबाद-जय हिन्द

ह. सुभाष चन्द्र बोस
सुप्रीम कमाण्डर आजाद हिन्द फौज
दि. 24 अप्रैल 1945

(अंग्रेजी प्रति से हिन्दी रूपान्तरकार श्री हीरालाल शर्मा 'सरोज')

'नवयुग संदेश' राजस्थान का साप्ताहिक पत्र, वर्ष 65, अंक-15, भरतपुर, दिनांक 19 जनवरी 2010 से साभार

नज़रिया और उसका महत्त्व

एक बूढ़ा आदमी एक गांव में अकेला रहता था। वह अपने खेत में आलू उगाना चाहता था, लेकिन यह बहुत मेहनत का काम था। उसका इकलौता पुत्र उसकी सहायता कर सकता था लेकिन वह जेल में था। उस बूढ़े आदमी ने अपनी स्थिति बताते हुए अपने बेटे को पत्र लिखा :

प्रिय बेटे,

मैं बहुत दुखी हूँ क्योंकि ऐसा लगता है कि इस साल मैं खेतों में आलू नहीं लगा सकूंगा। बुआई के वक्त को यूं ही गुज़ार देने से मुझे नफरत है क्योंकि तुम्हारी मां को हमेशा बुआई का वक्त बहुत अच्छा लगता था। खेत जोतने के लिए मैं काफी बूढ़ा हो चुका हूँ। अगर तुम यहाँ होते तो मेरी सारी मुश्किलें आसान हो गई होतीं। मैं जानता हूँ अगर तुम जेल में नहीं होते तो मेरे लिए खेत जोत देते।

स्नेह
तुम्हारा पिता

जल्दी ही उस बूढ़े व्यक्ति को यह टेलीग्राम मिला :

PDF Created with deskPDF PDF Writer - Trial :: http://www.docudesk.com

"भगवान के लिए, पिताजी आप खेत मत जोतिए !! वहाँ मैंने बंदूकें दबा रखी हैं।"

अगली सुबह 4 बजे एक दर्जन एफबीआई एजेंट तथा स्थानीय पुलिस अधिकारी आए। उन्होंने सारी ज़मीन खोद डाली। लेकिन वहाँ उन्हें कोई बंदूक नहीं मिली।

असमंजस में पड़े बूढ़े आदमी ने अपने बेटे को एक और पत्र लिखकर जो हुआ था उसके बारे में बताया। और आगे क्या करना है इस बारे में पूछा।

उसके बेटे का उत्तर आया : "खेत में जाइए और वहाँ आलू की बुआई कर दीजिए। मैं यहाँ से आपके लिए इतना ही कर सकता था।"

नैतिक शिक्षा : दुनिया में आप कहाँ हैं, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता, यदि आपने दिल में कुछ ठान लिया है तो आप इसे कर सकते हैं। केवल विचार का महत्व है, आप कहाँ हैं या कोई और आदमी कहाँ हैं, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता।

'चिरन्तन भारत', मासिक, दिल्ली, अप्रैल 2010 से साभार

हुसैन का नरक तसलीमा की जन्नत

-राजकिशोर

मकबूल फिदा हुसैन कलाकार हैं। तसलीमा हुसैन भी कलाकार हैं। दोनों का जन्म मुस्लिम परिवार में हुआ था। हुसैन का जन्म भारत में हुआ था। तसलीमा बंग्लादेश में पैदा हुई थीं, लेकिन वे अब भारत को अपना दूसरा घर मानती हैं। दोनों की नियति कितनी जुदा-जुदा है! भारत को लेकर उनके नज़रिए में कितना फर्क है! एक के लिए जो नरक है, वही दूसरे के लिए जन्नत है। हुसैन चित्रकार हैं। बहुत से लोग उन्हें भारत का पिकासो मानते हैं। जहाँ तक प्रसिद्धि की बात है, हुसैन के लिए यह उपमा शायद गलत भी नहीं है। लेकिन जहाँ तक कला मूल्यों का सवाल है, पिकासो को प्रगतिशील कलाकार माना जाता है और हुसैन में ऐसी कोई तमन्ना नहीं है। विचारों से उन्हें कोई खास मतलब नहीं है। वे रेखाओं और रंगों की खूबसूरती के कायल हैं। सिर्फ एक मामले में उनके दमित ख्याल उनकी कला पर हावी हो जाते हैं। **जब वे हिन्दू देवी-देवताओं की तस्वीर बनाते हैं, तो उनकी कामुकता खुल कर खेलने लगती है। खासकर देवियों के जिस्म से खेलने में उन्हें बहुत मज़ा आता है।** जब इस पर बवाल मचता है, तो उन्हें लगता है कि हिन्दुस्तान में कलाकार को पूरी आजादी नहीं है। जब हुसैन के प्रशंसक उन्हें सलाह देते हैं या उनसे अनुरोध करते हैं कि वे हिन्दू चित्त को नाहक चोट पहुँचाने वाली इन तस्वीरों को बाजार से वापस ले लें, तब भी हुसैन टस से मस नहीं होते। **शायद उनका मानना यह है कि कला समाज के लिए नहीं होती, समाज कला के लिए होता है।**

तसलीमा नसरीन बागी लेखिका हैं। बचपन से ही, एक स्त्री के रूप में, उन्हें जैसे वीभत्स अनुभव हुए, उनकी परिणति कुछ और कैसे हो सकती थी? बाद में, उनकी पढ़ाई-लिखाई ने उन्हें नास्तिक बना दिया। इसके बाद तो उनका लेखन आग का धधकता गोला बन गया। इससे उनके समाज की धुकधुकी बढ़ गई। **इस्लाम के स्वनियुक्त पैरोकार उनकी कलम से ज्यादा उनकी जान के दुश्मन हो गए।** एक रात तसलीमा को अपनी मातृभूमि छोड़ कर हवाई जहाज से भागना पड़ गया। तभी से वे बेवतन हैं। **आज का बांग्लादेश तसलीमा के लिए पहले से कुछ कम खूंखार नहीं है।** इसलिए वे वहाँ किसी भी शर्त पर लौट नहीं सकती। लेकिन वे

PDF Created with deskPDF PDF Writer - Trial :: http://www.docudesk.com

जिस भाषा में लिखती हैं, उसका एक घर हिन्दुस्तान भी है। इसलिए वे लगभग एक दशक से भारत की नागरिकता हासिल करने के लिए बेचैन है। भारत ने उन्हें शरण जरूर दी है, पर उसकी सरकार उन्हें नागरिकता देने के लिए राजी नहीं है।

तसलीमा नसरीन के लिए भारत जन्नत की तरह है। मिर्जा को 'जन्नत की हकीकत' मालूम थी, शायद तसलीमा को भी अब पता चलने लगी है, पर वे निराश होना नहीं चाहती। वे उस दिन का इंतजार कर रही हैं जब भारत उन्हें अपनी बच्ची की तरह अपनी बाँहों में भर लेगा। हुसैन की फितरत कुछ और है। तसलीमा को बंग्लादेश में जितना सहना पड़ा, भारत में शरण लेने के बाद बांग्ला भाषा की अपनी ज़मीन पश्चिम बंगाल में जितनी मुश्किलें बर्दाश्त करनी पड़ीं और एक रात वहाँ से भी केन्द्र सरकार के संरक्षण में भागना पड़ा, बाद में पराए देशों की खाक छाननी पड़ी, उसकी तुलना में हुसैन के साथ भारत में ज़ीरा-भर भी दुर्व्यवहार नहीं हुआ। उनकी कला यहीं पनपी, उनकी सराहना हुई और यहीं वे अरबपति भी बने। भारत ने उन्हें वह सब कुछ दिया जो वह किसी चित्रकार को भेंट कर सकता था। **भारत ने उनकी सौन्दर्य पिपासा को भी तृप्त किया। अगर हुसैन आठ-दस विवादग्रस्त चित्रकृतियों को शालीनता के साथ वापस ले लेते और उनके कलात्मक महत्व के मूल्यांकन का जिम्मा इतिहास पर छोड़ देते तो उनकी इज्जत और बढ़ जाती तथा उन्हें छेड़ने वाले निरस्त हो जाते।**

तसलीमा ने अपनी मातृभूमि बंग्लादेश में अपने रहने के अधिकार के लिए जहाँ तक उनकी कुव्वत थी, जमकर और लगातार संघर्ष किया। **इतने सारे उनके खून के प्यासे मर्द और हाथ में कलम संजोए हुए एक अकेली औरत।** ये लड़ाई थी दिए की और तूफान की। दिए को अपनी जोत बचाए रखने के लिए एक रात अपना घर छोड़ना पड़ गया। इसके विपरीत, हुसैन थोड़ी-सी शरारत से ही परेशान हो गए। तसलीमा की तरह यहाँ के किसी समुदाय ने उनके सिर की कीमत नहीं लगाई। दो-चार मुकदमे ही दर्ज हुए थे। हुसैन का केस लड़ने के लिए भारत के बड़े-बड़े वकील तैयार हो जाते। हुसैन को भारत की महाबली सरकार का समर्थन और संरक्षण भी हासिल था। यह कानूनी लड़ाई बेहद मज़ेदार होती। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर धारदार बहस होने से भविष्य के लिए नए रास्ते खुलते। लेकिन हमारे समय के बड़े कलाकारों में से एक ने संघर्ष का नहीं, सहूलियत का रास्ता चुना। वह भी लंदन, पेरिस और न्यूयार्क की खाक छानता रहा, पर देश निकाले की तकलीफ और अजनबीपन से जूझती हुई बांग्ला लेखिका की तरह हांफती और बिसूरती हुई नहीं, मौज-मस्ती और ऐयाशी करते हुए टूरिस्ट की तरह।

भारतीय लोकतंत्र के लिए यह शर्म की बात है कि अब भी कुछ कलाप्रेमी हुसैन द्वारा मुस्लिम राजतंत्र कतर, जहाँ कानून का राज नामक कोई चीज नहीं है और अभिव्यक्ति की आजादी पर घोषित-अघोषित सैंकड़ों पहरे हैं, की नागरिकता स्वीकार लेने का बचाव कर रहे हैं और भारत के 'दमनकारी समाज' की निंदा किए जा रहे हैं। इनमें से अधिकतर, दुर्भाग्य से, वामपंथी हैं। दूसरीओर, इस बेचारी अकेली औरत को भारत की नागरिकता प्रदान करने के लिए यहाँ के लेखक समाज में से भी कोई मुहिम नहीं है।

हुसैन का बचाव करने के कई राजनीतिक फायदे हैं। तसलीमा के पक्ष में बोलना राजनीतिक दृष्टि से खतरनाक है। हुसैन के फैसले की तारीफ करने से मुस्लिम वोट मजबूत होता है। तसलीमा के साथ सहानुभूति दिखाने से मुसलमान भड़क सकते हैं। यह भारत के मुस्लिम समाज के साथ अन्याय है। उसके भीतर भी अंतरसंघर्ष की प्रक्रिया चल रही है। इस प्रक्रिया को मजबूत करना चाहिए, न कि इसकी जड़ों में मट्ठा डालना चाहिए। कैसी विडंबना है! हुसैन ने अपने धर्म भाई मुसलमानों की संवेदना

PDF Created with deskPDF PDF Writer - Trial :: http://www.docudesk.com

को आधुनिक और उदार बनाने के लिए कुछ भी नहीं किया। उलटे देश की बहुसंख्यक जनता के मन को चोट पहुँचाने वाला काम किया। अंत में हुसैन ने यह साबित किया कि भारत उनका नरक है। तसलीमा ने अपने देश में अल्पसंख्यकों पर होने वाले जुल्म का चित्रण किया और अपने मुल्क की बहुसंख्यक जनता के प्रतिगामी विश्वासों को झकझोर दिया। उन्हें भारत जन्नत की तरह लग रहा है। कौन सही है, कौन गलत? इसका फैसला करना क्या बहुत मुश्किल है?

'राष्ट्रीय सहारा' दैनिक, दिल्ली, 9 मार्च 2010 से साभार

चर्चों के बीच 50 करोड़ का विवाद पहुँचा हाईकोर्ट

-प्रभात कुमार

देशभर में फैली **पचास हजार करोड़ रुपये की संपत्ति को लेकर कई चर्च ऐसोसिएशनों के बीच चल रहा विवाद अब दिल्ली हाईकोर्ट पहुँ गया है।** चर्च ऑफ इंडिया, पाकिस्तान, बर्मा, सिलोन (सीआईपीबीसी) ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर चर्च ऑफ नॉर्थ इंडिया ट्रस्ट एसोसिएशन पर उन संपत्तियों को बेचने का आरोप लगाया है, जिन पर उसका (याचिकाकर्ता) भी हक है।

सीआईपीबीसी ने याचिका दायर कर कहा है कि चर्च ऑफ नार्थ इंडिया ट्रस्टी एसोसिएशन ने उनकी कई चल व अचल संपत्ति पर उस समय कब्ज़ा कर लिया, जब पर्याप्त संख्या में बिशप के कमी के कारण संगठन निष्क्रिय हो गया था। न्यायमूर्ति बीडी अहमद व वीणा बीरबल की पीठ के समक्ष अधिवक्ता एन.के.कॉल ने संपत्ति के विवाद को लेकर कई अदालतों में चल रहे मुकदमों में याचिकाकर्ता को पार्टी बनाने की मांग की।

याचिका में कहा गया है कि उसका गठन इंडियन चर्च एक्ट के तहत 1927 में किया गया था और उस समय सिर्फ दो ही चर्च एसोसिएशन हुआ करते थे। पहला चर्च आफ इंग्लैंड और दूसरा चर्च ऑफ इंग्लैंड इन इंडिया। चर्च ऑफ इंग्लैंड द्वारा नियंत्रित दोनों संगठनों में विवाद होने के बाद 1927 में ही ब्रिटिश संसद ने इंडियन चर्च एक्ट बनाया और सीआईपीबीसी का गठन किया।

याचिका में यह भी कहा गया है कि वर्ष 1970 में सेंट्रल काउंसिल ऑफ इंडिया के कुछ सक्रिय बिशप ने एक प्रस्ताव पारित कर 6 चर्चों का एक संगठन तैयार कर लिया। चर्च ऑफ नार्थ इंडिया ट्रस्ट एसोसिएशन के नाम से चर्च के कार्यकलापों पर अवैध तरीके से अपने हाथ में ले लिया। **याचिका में कहा गया है कि आज अधिकांश चर्चों की संपत्ति व आने वाला धन गलत लोगों के हाथ में है।** याचिका में कहा गया है कि किसी भी व्यक्ति या संगठन को चर्च की संपत्ति बेचने का अधिकार नहीं है।

'राष्ट्रीय सहारा' दिल्ली, दिनांक 7 नवम्बर 2009 से साभार

शोक-संदेश

PDF Created with deskPDF PDF Writer - Trial :: http://www.docudesk.com

अत्यंत दु:ख के साथ यह सूचित किया जाता है कि हमारे आदरणीय और सांस्कृतिक गौरव संस्थान की स्थापना से ही संस्थान के कार्य के प्रसार में लगे रहे पुणे के **श्री जयकृष्ण श्रीपाद बेटराबेट जी** का स्वर्गवास हो गया है।

भगवान् से प्रार्थना है कि वे दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें।

सांस्कृतिक गौरव संस्थान परिवार

हिन्दू संस्कृति व्याख्यान माला

-शरद् चन्द्र (एडवोकेट)

"चैन ये दिल की लगी मुझको कहाँ देती है।
अब तो हर साँस मेरी आहो फुगां देती है।
बागवाँ हैरां परेशां है, बुझाए किसको,
गुलशने हिन्द की हर शाख धुँआ देती है।"

अगर भारतीय भूखण्ड के इतिहास को आप गौर से पढ़ें तो शायद मेरी तरह आप भी इसी नतीजे पर पहुँचेंगे कि हिन्दुस्थान की मुसीबत थमने का नाम नहीं लेती। सातवीं शताब्दी से मुसलमानों के आक्रमण जो अन्तत: इस्लामी शासन में परिणत हुए और इस्लामी क्रूरता को भारत में स्थायी रूप से हिन्दू धर्म, संस्कृति और देवस्थान के विनाश का एक शासकीय आधार प्राप्त हो गया क्योंकि उनका लक्ष्य भारत में केवल इस्लामी शासन नहीं बल्कि हिन्दुस्थान से हिन्दू नाम की चिड़िया का भी समूल विनाश कर उसे अन्य विजित क्षेत्रों के समान पूर्ण इस्लामी राज्य बनाने का था। मगर हिन्दू वीरों की जबर्दस्त टक्कर से मुसलमानों का यह संकल्प अरब के कब्रिस्तान पहुँच गया।

अट्ठारहवीं शती के प्रारंभ से मुस्लिम वर्चस्व की समाप्ति के बाद हिन्दू और हिन्दुस्थान के भाग्योदय की संभावना दिखाई देने लगी मगर अंग्रेजों के भारत प्रवेश और अन्ततोगत्वा भारत पर उनके शासन ने एक बार फिर भारत के भाग्योदय पर ग्रहण लगा दिया अब हिन्दू और मुसलमान दोनों ही अंग्रेज़ों के गुलाम थे। ये बात अलग है कि काफिरों की दुनिया से मिटाने और तमाम दुनिया को दारूल इस्लम में तब्दील करने के जुनून में मुसलमान ईसाइयों से भी दो-दो हाथ कर चुके थे। यूरोप का इतिहास इन दोनों की सैंकड़ों खूनी जंगों का साक्षी है और अब फिर 190 वर्ष की काली पराधीनता हिन्दुओं का इंतजार कर रही थी। प्रथम विश्व युद्ध से अंग्रेजों का वर्चस्व कम हुआ। यूरोप और एशिया में हुए अनेक क्रांतिकारी परिवर्तनों ने 1930 तक यह निश्चित कर दिया था कि भारत में अंग्रेजी शासन अब समाप्ति की ओर अग्रसर है और एक बार फिर **इस संभावना ने जन्म लिया कि हिन्दू जो इस देश का मालिक और शासक है पुन: सत्तासीन होकर अपने पुराने वैभव को प्राप्त करेगा** तथा हिन्दुस्थान के भाग्य का सूर्य पूर्ण तेज के साथ उदित होगा। किन्तु यहाँ भी हिन्दू और हिन्दुस्थान के दुर्भाग्य से गांधी-अंग्रेज और मुसलमानों के मानसपुत्र जबाहर और इसी के जैसे सैंकड़ों अंग्रेज़ों के दलाल वामपंथियों ने जमकर मुस्लिम तुष्टिकरण करते हुए हिन्दुस्थान के भाग्योदय की संभावनाओं पर पानी फेर दिया।

PDF Created with deskPDF PDF Writer - Trial :: http://www.docudesk.com

मुसलमानों के पक्षधर गांधी जी और नेहरू जी की चाटुकार मण्डली जो हर वक्त मुसलमानों की चौखट पर नाक रगड़ती रहती थी उसकी सभी प्रार्थनाओं और खुशामदों को मुसलमानों ने ठोकर मारकर गांधी जी की अहिंसा, शांति, हिन्दू-मुस्लिम भाई-भाई के नारे को एक जोरदार तमाचा मारकर इस्लामी आतंकवाद का नंगा नाच शुरू कर दिया। 22 लाख हिन्दुओं का कत्ल, असंख्य हिन्दू ललनाओं का अपहरण, अंगभंग, शीलहरण कर इस्लम का घिनौना चेहरा दुनिया को दिखाकर पाकिस्तान प्राप्त कर लिया और स्पष्ट कर दिया कि काफिर काबिले कत्ल है हम काफिरों के साथ नहीं रह सकते।

मगर हिन्दुओं और हिन्दुस्थान के दुर्भाग्य का असली और शर्मनाक अध्याय लिखा जाना अभी बाकी था। इस्लामी आतंकवाद का असली चेहरा देख लेने और हिन्दू मुस्लिम के आधार पर देश को विभाजित करने के बाद भी केवल गांधी और नेहरू ने भारत को हिन्दू राष्ट्र नहीं बनने दिया और 3 करोड़ 54 लाख मुसलमानों को भारत में रोक लिया। विदेशी ईसाई पादरियों को विशेषाधिकार का रक्षा कवच प्रदान कर भारत में रुकने को बाध्य किया क्योंकि अंग्रेजी शासन में मतान्तरण के द्वारा ईसाई भी अब एक बड़ी संख्या में भारत में रहते हैं। नेहरू ने जम्मू-कश्मीर महाराज हरि सिंह से छीनकर गद्दार शेख अब्दुल्ला के हवाले कर दिया हिन्दू और हिन्दुस्थान से गद्दारी करते हुए मुस्लिम तुष्टिकरण को राज्याश्रय प्रदान किया जिसके कारण देश का विभाजन हुआ था।

परिणाम आज यह है कि इस्लामी आतंकवाद, ईसाई मतान्तरण और वामपंथी हिन्दुस्थान को निगलने के लिये अपना खूनी जबड़ा खोलकर बैठे हैं। हिन्दू और हिन्दुस्थान आज अन्दर और बाहर असंख्य शत्रुओं से घिरे हैं। चीन, पाक, बंग्लादेश के नापाक इरादे अब किसी से भी छिपे नहीं हैं। विदेशियों के टुकड़ों पर पलने वाले गद्दार राजनेताओं ने यह देश इस्लामी आतंकवाद, ईसाई मतान्तरण और माओवादी हिंसा के हाथ बेच दिया है। आज हिन्दू और हिन्दुस्थान का भविष्य अन्धकारमय है। हिन्दू अपने ही देश में कश्मीर से निष्कासित होकर दर-दर भटक रहा है। हिन्दू और हिन्दुत्व का अपमान सरकारी संरक्षण में हो रहा है, हिन्दू को साम्प्रदायिक और इस्लामी आतंकवादियों को मेहमान का दर्जा दिया जा रहा है।

प्रश्न यह है कि इस स्थिति में हम हिन्दू कितने दिन जीवित रहेंगे क्योंकि जब तक हिन्दू सशक्त है भारत जिन्दा है। लोकतंत्र और पंथ निरपेक्षता सांस ले रही है। भारत माता के अंग-भंग के बाद जो कटी-फटी आजादी मिली है वह भी अब कुछ ही दिनों की मेहमान दिखायी देती है। देश का प्रत्येक भाग जहाँ हिन्दू अल्पसंख्यक हैं देश से अलग होने को तैयार है। शायद इसीलिए वीर सावरकर ने कहा था हिन्दी, हिन्दू, हिन्दुस्थान इस तथ्य को इतिहास ने प्रमाणित किया है विचारणीय है कि क्या हिन्दू और हिन्दुस्थान का अस्तित्व दुर्भाग्य के थपेड़ों से नष्ट हो जाएगा। हिन्दू राष्ट्र का चिर स्वप्न, राम राज्य, भारत के विश्व गुरु बनने की संभावनाएं धूल धूसरित हो जाएंगी? क्या हिन्दू अपने ही देश में इस्लामी आतंकवादियों द्वारा सरेआम कत्ल किया जाता रहेगा, उसकी इज्जत और सम्पत्ति जेहादियों द्वारा यूं ही लुटती रहेगी, उसके धर्म स्थान आततायियों द्वारा पद दलित किए जाते रहेंगे, गऊ माता का खून नालियों में बहता रहेगा। यदि नहीं तो आइए वीर सावरकर द्वारा प्रदत्त महामंत्र "हिन्दी-हिन्दू-हिन्दुस्थान सावरकर का मंत्र महान" की गहराइयों में उतरकर इसकी आत्मा से एकाकार होकर इन प्रश्नों के समाधान हिन्दू और हिन्दुस्थान के त्राण का पथ संधान करें। इसकी यर्थाथता प्रासंगिकता को त्रिकालावधि सत्य की तरह स्वीकार करें।

हिन्दू भाव भावित, हिन्दुत्व ज्योतिज्योतित, हिन्दू हुतात्मा सुरभि सिंचित, क्रांतिवीर मुकुटमणि परमवीर सावरकर सुस्मृति विभूषित हिन्दू संस्कृति व्याख्यानमाला का अष्टम पुष्प अपने आराध्य देव को समर्पित करें।

PDF Created with deskPDF PDF Writer - Trial :: http://www.docudesk.com

दिल रख दिया है सामने लाकर खुलूस से

अब इसके आगे काम तुम्हारी नज़र का है"

हिन्दू पहले अपने को सुधारें

-डॉ. मित्रेश कुमार गुप्त

अपने ज्ञान, दर्शन, आध्यात्मिकता के सिद्धांतों के कारण हिन्दू धर्म विश्व का सर्वश्रेष्ठ धर्म होने पर भी अध:पतन की जिस स्थिति से जूझ रहा है वह अत्यंत चिंता का विषय है। अन्य मज़हबों पारसी, यहूदी, ईसाई तथा मुस्लिम की अपेक्षा हिन्दू धर्म में संगठन तथा अनुशासन का सर्वथा अभाव है। संगठन तथा अनुशासन ही ऐसे गुण हैं जिनके अभाव में न समाज, न राष्ट्र और न ही धर्म की ही उन्नति संभव है। अपने इन्हीं गुणों के कारण ईसाई क्या मुस्लिम मज़हब ने बहुत बाद में अस्तित्व में अपने पर भी विश्व में जो अपने उन्नत ध्वज फहराए हैं उनकी अपेक्षा आदिकाल से चलने वाला हिन्दू धर्म सिकुड़ता जा रहा है। हिन्दू धर्म में मठाधीश तो बहुत हैं किन्तु व्यावहारिक रूप से हिन्दू धर्म का सुधार करने वाला कोई भी नहीं है। अनुशासन की भावना के अभाव में हिन्दू धर्म में सभी कुछ भी कहने या करने को स्वतंत्र हैं। अन्य मज़हबों में अपने धर्म के विरुद्ध बोलने की किसी की भी हिम्मत नहीं किन्तु हिन्दुओं में कोई हिन्दू अपने धर्म के विरुद्ध यदि कुछ करता या कहता है तो उसको कोई दंडित नहीं कर सकता। हिन्दू अपने अज्ञान, स्वार्थ तथा लालच के कारण कोई भी अपराध करने को तैयार हो जाता है। हिन्दुओं के ही सामाजिक तथा राजनीतिक भ्रष्टाचार के अधिक उदाहरण सामने आते हैं। इस कारण यह है कि उन्हें अपने धर्म का डर नहीं है। भारत हिन्दू बहुल देश है जो नैतिक पतन की दृष्टि से विश्व के अन्य देशों से बहुत अधिक पिछड़ा हुआ है। भूतकाल में जिन मतावलम्बियों ने हिन्दू धर्म पर नाना प्रकार के अत्याचार किए हैं तथा जो भी आतंक के बल पर हिन्दू समाज को समाप्त करने पर तुले हुए हैं, अधिकांश हिन्दू कुछ राजनीतिक कारणों से तथा कुछ अपने वर्चस्व को बढ़ाने के चक्कर में उन्हें हर समय गोद में बैठाने को तैयार रहते हैं। उन्हें न अपने धर्म का डर है तथा न समाज का, हिन्दुओं के विनाश का दूसरा कारण है जाति प्रथा तथा छुआछूत की भावना। जब तक हमारे देश में जाति-प्रथा की भावना है तब तक हिन्दू धर्म का सुधार नहीं हो सकता। अपनी इसी दुर्बलता तथा पारस्परिक फूट के कारण हिन्दुओं ने हज़ारों वर्षों की गुलामी झेली है।

अत: हिन्दू धर्म को सफल बनाने के लिए सर्वप्रथम अनुशासन के कुछ नियम बनाने का तथा उनका सख्ती से पालन करने का विधान होना चाहिए। धर्म के अनुशासन का अंकुश ही हिन्दू धर्म की रक्षा करने में सक्षम हो सकता है।

समाज में हिन्दुओं के प्रति होने वाली किसी भी अशोभनीय घटना के विरोध में हिन्दू बहुत कम संख्या में एकत्रित होते हैं जबकि अन्य मतावलम्बी भारी संख्या में आकर प्राय: हिंसक हो जाते हैं। अपने हितों की रक्षा के लिए संगठित होना अनिवार्य है। हिन्दू अपनी आस्था धर्म तथा अस्तित्व पर होने वाली चोट को चुपचाप सह लेते हैं जबकि अन्य मतावलम्बियों में ऐसा नहीं देखा जाता। हिन्दू अहिंसा तथा प्राणी सेवा में विश्वास रखते हैं। वे गाय की उसे अति उपयोगी मानकर पूजा करते हैं जबकि अन्य मतावलम्बी उसे काट कर खाने में विश्वास रखते हैं। वे यह नहीं जानते कि पशु-पक्षी मनुष्यों के सहायक हैं अत: उन्हें मारकर नहीं खाना चाहिए। गायों-भैंसों के काटने से दुग्ध उत्पादन की समस्या दिनों-दिन बढ़ती जा रही है। व्यक्तियों की तो बात ही क्या एक दिन ऐसी स्थिति आ जाएगी जबकि बच्चों को दूध मिलना कठिन हो जाएगा। अत: **पशुओं के कटान पर सख्ती से प्रतिबन्ध लगना चाहिए।** माँस की अपेक्षा मनुष्यों को तथा बच्चों को दूध का मिलना अधिक आवश्यक है। सामाजिक संगठनों तथा सरकार को इस दिशा में कठोर कानून बनाकर पशुओं के अवैध कटान को रोकना चाहिए। किन्तु खेद की बात यह है कि इस समय मुस्लिमों से अधिक संख्या में हिन्दू गोश्त खाते हैं। इस पर विचार अवश्य होना चाहिए।

डॉ. मित्रेश कुमार गुप्त

तिलक रोड, मेरठ

PDF Created with deskPDF PDF Writer - Trial :: http://www.docudesk.com

भगवती सती (तत्पश्चात् पार्वती) के अंगों के गिरने से शक्तिपीठ बने हैं। उनका विवरण दुर्लभ है, अतः यहाँ यह मूल्यवान् सूचना दी गई है।

शक्तिपीठों की तालिका

	शक्तिपीठ	अंग/आभूषण	शक्ति	भैरव
1.	किरीट	किरीट	विमला/भुवनेशी	संवर्त
2.	वृन्दावन	केशपाश	उमा	भूतेश
3.	करवीर	त्रिनेत्र	महिषमर्दिनी	क्रोधीश
4.	श्रीपर्वत	दक्षिण तल्प	श्री सुन्दरी	सुन्दरानन्द
5.	वाराणसी	कर्ण-मणि	विशालाक्षी	कालभैरव
6.	गोदावरी तट	वामगण्ड (कपोल)	विश्वेशी/रुक्मिणी	दण्डपाणि/वत्सनाभ
7.	शुचि (कन्याकुमारी)	ऊर्ध्वा दन्त	नारायणी	संहार(सूकर)
8.	पँचसागर	अधोदन्त	वाराही	महारुद्र
9.	ज्वालामुखी	जिह्वा	सिद्धिदा	उन्मत्त
10.	भैरवपर्वत	ऊर्ध्व ओष्ठ	अवन्ती	लम्बकर्ण
11.	अट्टहास	अधरोष्ठ	फुल्लरा	विश्वेश
12.	जनस्थान	ठुड्डी	भ्रामरी	विकृताक्ष
13.	कश्मीर	कण्ठ	महामाया	त्रिसन्ध्येश्वर
14.	नन्दीपुर	कण्ठहार	नन्दिनी	नन्दकेश्वर
15.	श्रीशैल	ग्रीवाशैल	महालक्ष्मी	संवारानन्द/ईश्वरानंद
16.	नलहटी	उदरनली	कालिका	योगीश
17.	मिथिला	वामस्कन्ध	उमा/महादेवी	महोदर
18.	रत्नावली	दक्षिण स्कन्ध	कुमारी	शिव
19.	प्रभास	उदर	चन्द्रभागा	वक्रतुण्ड
20.	जालंधर	वाम स्तन	त्रिपुरमालिनी	भीषण
21.	रामगिरि	दक्षिण स्तन	शिवानी	चण्ड
22	वैद्यनाथ	हृदय	जयदुर्गा	वैद्यनाथ
23.	वक्त्रेश्वर	मन	महिषमर्दिनी	वक्त्रनाथ
24.	कन्याश्रम	पीठ	सर्वाणी	निमिष
25.	वहुला	वाम बाहु	वहुला	भीरूक
26.	उज्जैनी	कुहनी	मंगलचण्डिका	मांगल्यकपिलाम्बर
27.	मणिवैदिक	कलाइयां	गायत्री	सर्वानंद
28.	प्रयाग	हाथ की अंगुलि	ललिता	भव
29.	उत्कल में विरजा क्षेत्र	नाभि	विमला	जगन्नाथ
30.	कांची	कंकाल	देवगर्भा	रूरू
31.	कालमाधव	वाम नितम्ब	काली	असितांग
32.	शोण	दक्षिण नितम्ब	नर्मदा, शोणाक्षी	भद्रसेन
33.	कामगिरि	योनि	कामाख्या	उमानंद/उमानाथ
34.	जयन्ती	वाम जंघा	जयन्ती	क्रमदीश्वर

PDF Created with deskPDF PDF Writer - Trial :: http://www.docudesk.com

35.	मगध	दक्षिण जघा	जयन्ती	व्योमकेश
36.	त्रिस्तोता	वामपाद	भ्रामरी	ईश्वर
37.	त्रिपुरा	दक्षिणपाद	त्रिपुरसुन्दरी	त्रिपुरेश
38.	विभाष	बायां टखना	कपालिनी, भीमरूपा	सर्वानंद
39.	कुरुक्षेत्र	दक्षिण गुल्फ	सावित्री	स्थाणु
40.	युगाद्या	दक्षिण पादांगुष्ठ	भूतधात्री	क्षीरकण्टक
41.	विराट	दक्षिण पदांगुलियां	अम्बिका	अमृत
42.	कालीपीठ	अन्य पदांगुलियां	कालिका	नकुलिश
43.	मानस	दक्षिण हथेली	दाक्षायणी	अमर
44.	लंका	नूपुर	इन्द्राक्षी	राक्षसेश्वर
45.	गण्डकी	दक्षिण गण्ड (कपोल)	गण्डकी	चक्रपाणी
46.	नेपाल	दोनों जानु	महामाया	कपाल
47.	हिंगुला	ब्रह्मरंध्र	कोट्टरी	भीमलोचन
48.	सुगंधा	नासिका	सुनंदा	त्र्यम्बक
49.	करतोयातट	वामतल्प	अर्पणा	वामन
50.	चट्टल	दक्षिण बाहु	भवानी	चन्द्रशेखर
51.	यशोर	बांयी हथेली	यशोरेश्वरी	चन्द्र

"धर्म प्रवाह" (मासिक) दिसम्बर 1-3-2009 से साभार

चीन का कूटनीतिक मोर्चा

पाकिस्तान के बिगड़ते हालात के फलस्वरूप कश्मीर पर चीन का दखल बढ़ने की आशंका जता रहे हैं -
आर.विक्रम सिंह

पाकिस्तान के भविष्य को लेकर आशंकाएं शाम के साये की तरह बढ़ती जा रही हैं। हालात के मद्देनज़र पाकिस्तान लंबे समय तक चीन का मोहरा बना रह न पाएगा। बिखराव की स्थितियों में कथित आज़ाद कश्मीर का क्या होना है? **अफगानिस्तान पख्तूनों के साथ सामंजस्य स्थापित कर सकता है। बलोच, सिंध अपने रास्ते जाएंगे। बिखर जाने की घबराहट पाकिस्तानी गृहमंत्री रहमान मलिक के बयानों में है। भारत में आतंकवाद प्रायोजित करने वाले अब तालिबानी विद्रोह में भारत का भूत देख रहे हैं।** नया-नया महाशक्ति का रूतबा पाने वाला चीन इस क्षेत्र में अपनी भूमिका के लिए ज्यादा ही उत्साही होगा और दखल बनना चाहेगा। **वरना क्या ज़रूरत थी कि पाकिस्तान के रहते चीनी मानचित्रों में कश्मीर को अलग देश के रूप में प्रदर्शित किया जाए। जब पाकिस्तान है तो चीन के मुताबिक कश्मीर पाकिस्तान का हिस्सा है। जब पाकिस्तान नहीं होगा तो चीन को कश्मीर भारत के भाग के रूप में स्वीकार्य न होगा। इसलिए उन्होंने इस स्थिति के आने के पहले से ही तैयारियां प्रारंभ कर दी हैं।** वे पाकिस्तान के बिखराव को भारत के लिए खुशी का मौका नहीं देंगे, बल्कि इसे बहुत महंगा बनाना चाहेंगे। हो सकता है कि वे तालिबान की पीठ पर भी हाथ रख दें। यह भी हो सकता है कि पाक अधिकृत कश्मीर की सुरक्षा के बहाने सहयोग के लिए चीनी सेनाएं वहाँ आ धमकें और लंबी योजना के तहत अपना कैंप लगाएं। **पाकिस्तान रहे या न रहे, चीन की कूटनीति कश्मीर को भारत के लिए समस्या बनाए रहने की ही रहेगी।** पाकिस्तान भारत के खिलाफ प्रॉक्सी युद्ध भी लड़ता रहा है। पाकिस्तान के बाद वे खुद कश्मीर की आजादी के पैरोकार बन जाएंगे। अमेरिका की सोच क्या होगी? इस इलाके में अमेरिका और चीन की शतरंजी चालों का समय अब आने ही वाला है। अमेरिकी सोच पाकिस्तान को हिंसक

PDF Created with deskPDF PDF Writer - Trial :: http://www.docudesk.com

'ब्रेकअप' से बचाकर एक स्वशासित राज्यों के एक फेडरेशन के बनाने पर हो सकती है, जो रक्षा और विदेश नीतियों पर जहाँ तक संभव हो, संयुक्त राज्य के रूप में व्यवहार करे। वे जहाँ तक संभव होगा पाकिस्तान का स्वरूप बनाए रखना चाहेंगे। सामरिक दृष्टि से अमेरिका के लिए सबसे महत्वपूर्ण देश बलूचिस्तान होगा। यह एक ओर समुद्र और दूसरी ओर अफगानिस्तान से जुड़ा हुआ है। ईरान के साथ इसकी सीमाएं जुड़ती हैं। मात्र बलूचिस्तान की सरपरस्ती से ही काफी हद तक इस इलाके में अमेरिकी हितों की भरपाई हो सकती है।

हमारी सोच और भूमिका क्या होगी? परिस्थितियां अगर पाकिस्तान के बिखराव की दिशाओं की ओर मुड़ती हैं तो वे हमें तैयारी की हालत में पाएं। भारत कभी भी पाकिस्तान की जनता का विरोधी नहीं रहा है। पाकिस्तान क्रोध के आवेश में जिन्ना की जिद के कारण बना। इससे शीतयुद्धकालीन पश्चिमी शक्तियों का हित भी सिद्ध होता था। भारत से गए मोहजिरों के अलावा वहाँ कोई भी पाकिस्तान समर्थक नहीं था। शत्रुता के भयानक दौर में भी भारत ने पंजाबियों, बलूचों, पख्तूनों, सिंधियों का बुरा नहीं चाहा है। हम एक भाषा एक संस्कृति के लोग हैं। हमारी सदियां एक साथ बीती हैं। हमारे पूर्वज एक हैं। इस सत्य को कोई नहीं झुठला सकता। हम सिर्फ एक जिन्ना को न समझा पाने की इतनी बड़ी सजा भुगत रहे हैं। **पाकिस्तान का बिखरना क्या है, बल्कि यह घर वापसी का रास्ता है। जैसे जर्मन एक हुए, वियतनाम एक हुआ, आगे कभी कोरिया एक होगा, हम भी एक होने की राह पर चलेंगे।** यह बहुत बड़ी बात होगी। अमेरिका और चीन के लिए यह सत्ता संघर्ष होगा, सियासत होगी, लेकिन हमारे लिए इस जुड़ाव के जो माने हैं उसका बयान तो आज शब्दों में मुमकिन नहीं। भावनाओं का जो ज्वार आजादी के वक्त आया थ उसकी खुशी 1947 के विभाजन की ऐतिहासिक गलती सुधारने की खुशी के आगे कुछ भी नहीं होगी। हम एक देश नहीं हो जाएंगे, लेकिन आगे शत्रुता को कोई वजह और कोई जगह नहीं मिलेगी।

एक बड़ा मसला रह जाएगा पाकिस्तान का एटमी बम का। ऐसी परिस्थितियों के लिए हमें स्थिर विचार के अत्यंत उच्चकोटि के नेतृत्व एवं विवेकपूर्ण नीति की जरूरत होगी। जरूरी होगा कि एटम बमों का यह जखीरा अमेरिका के हवाले हो जाए। इसके लिए अमेरिका के साथ अत्यंत कूटनीतिक, रणनीतिक सामंजस्य की आवश्यकता होगी। **इस क्षेत्र में चीन के संभावित लक्ष्यों का सही आकलन जरूरी है।** वे भारत को दक्षिण एशिया की सबसे प्रभावशाली शक्ति बनने से रोकने के लिए सब कुछ करेंगे। उन्हें भारत जापान की तुलना में एक मजबूत आर्थिक एवं सैन्य चुनौती के रूप में दिख रहा है। भारत से सीमा-विवाद जिंदा है। तिब्बत प्राय: अंतर्राष्ट्रीय फ्लैश प्वाइंट भी बन जाता है। सिकियांग के उइगर विद्रोह की समस्या से सारी दुनिया वाकिफ हो चुकी है। आजाद कश्मीर की बात कर वे मुस्लिम देशों में दखल बनना चाहेंगे।

हमारी परेशानी भी चीन से उतनी नहीं जितनी खुद अपनी सोच से है। क्या हमने एशिया में अपनी जिम्मेदार भूमिका के बारे सोचा है या अपना दायित्व गाहेबगाहे विश्व व क्षेत्रीय शांति के बयानों तक ही सीमित रखना चाहते हैं? चीन के नक्शों में कश्मीर को अलग देश दिखाना प्रारंभ कर पाकिस्तान के बाद की अपनी तैयारियों की घोषणा कर दी है। पाकिस्तान के दिन पूरे हो रहे हैं। उसकी कमजोरी को देखकर चीन ने शराफत छोड़ सीधे हमारे खिलाफ कूटनीतिक मोर्चे लगाने प्रारंभ कर दिए हैं। दलाई लामा की तवांग यात्रा का जुनूनी विरोध एक उदाहरण है। जरूरी है कि अपनी क्षेत्रीय एवं वैश्विक भूमिका के बारे में हम अपनी सोच तो स्थिर करें। वे विस्तारवादी मानसिकता के लोग हैं। उनमें धर्म संस्कृतियों की समझ नहीं है। उन्होंने पाकिस्तान को यूरेनियम दिया, एटम बमों की डिजाइन दी है। वे मित्रता और सद्भावना नहीं समझते। उनके सामने सर झुकाने से उनसे युद्ध लड़ना कहीं बेहतर विकल्प है।

(लेखक पूर्व सैन्य अधिकारी हैं)

'दैनिक जागरण' दिल्ली, दिनांक 18.11.2009 से साभार

PDF Created with deskPDF PDF Writer - Trial :: http://www.docudesk.com

धर्म-संस्कृति-सभ्यता चेतना

शनिवार, 2 जनवरी 2010 को श्री गुरुरामराय उदासीन आश्रम, आरामबाग, नई दिल्ली में **धर्म संस्कृति सभ्यता** विषय पर हुई संगोष्ठी में बड़ी संख्या में धर्मप्रेमी एवं समाजसेवी पधारे। स्वामी राघवानन्द जी, स्वामी विष्णुदेवानंद गिरि जी, स्वामी अनुभूतानन्द जी एवं महंत नवलकिशोर दास ने मंच को गरिमा प्रदान की। स्वागताध्यक्ष श्री दर्शनलाल नागपाल ने मंचासीन संतों को माल्यार्पण करके आशीर्वाद प्राप्त किया तथा स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए उपस्थित महानुभावों का स्वागत किया।

सनातन धर्म प्रतिनिधि सभा दिल्ली के महामंत्री श्री भूषण लाल पाराशर ने संगोष्ठी का उद्‌देश्य स्पष्ट करते हुए प्रमुख महानुभावों का परिचय कराया। भारत माता पूजन के पश्चात् पूज्य स्वामी राघवानन्द जी ने आज के महत्त्वपूर्ण विषय को विस्तार से सभी के सम्मुख रखा एवं आग्रह किया कि हम सभी इस पर खुलकर चर्चा करें।

11 कार्यकर्ताओं ने विचार व्यक्त किए। उपस्थित समस्त महानुभावों ने निम्नलिखित महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर अपनी सहमति प्रकट की :-

1. उनके जीवन का यह प्रथम सुखद अनुभव है कि इतनी अधिक संस्थाओं के कार्यकर्ता चर्चा करने के लिए इस संगोष्ठी में पधारे।
2. इस प्रकार के प्रयास अनवरत रूप से करते रहना आवश्यक है।
3. संगोष्ठी का विषय धर्म संस्कृति सभ्यता चेतना सर्वथा उचित है।
4. इस पुनीत कार्य में अपना भरपूर योगदान करेंगे।
5. भविष्य की योजना निश्‍चित करके कार्यान्वित करने के लिए स्वामी राघवानन्द जी से निवेदन किया गया कि वे एक समिति का गठन करें।

संगोष्ठी के अध्यक्ष स्वामी विष्णुदेवानंद गिरि ने पुनीत उद्‌देश्य की प्राप्ति के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए अपना आशीर्वाद दिया।

संगोष्ठी के संयोजक श्री अनिल कुमार मित्तल ने समस्त उपस्थित महानुभावों एवं संतजनों के प्रति आभार प्रकट करते हुए आश्‍वासन दिया कि इस कार्य को सभी के सहयोग से आगे बढ़ाया जाएगा।

शांति पाठ के साथ संगोष्ठी पूर्ण हुई।

स्वामी राघवानन्द

अध्यक्ष

पाठकों के पत्र

कांग्रेस शासन की भारत को देन

स्वाधीनता के उपरान्त भारत में अधिकांश रूप से कांग्रेस पार्टी का ही शासन रहा है। अतः **देश में जो भी समस्याएं तथा विसंगतियाँ हैं उन सभी की जिम्मेदार कांग्रेस है।** कांग्रेस ने वोट की राजनीति के कारण अनेक ऐसे कार्य किए हैं जो संविधान विरोधी हैं। उसने एक वर्ग को खुश करने के लिए दूसरे वर्ग के हितों को भारी हानि पहुंचाई है। भारत के स्वाधीन होने पर जब मुस्लिमों के लिए अलग देश पाकिस्तान बन गया तो शेष भारत को हिन्दुओं का देश नहीं बनने दिया। इसका परिणाम यह हुआ कि विश्व में हिन्दुओं का कोई देश नहीं रहा जबकि यहूदियों के इस्राइल को छोड़कर शेष 197 देश मुस्लिमों तथा ईसाइयों के हैं। इसके अतिरिक्त भारत के संविधान में समता तथा समानता का सिद्धांत होने पर भी कांग्रेस ने भारत कोड

PDF Created with deskPDF PDF Writer - Trial :: http://www.docudesk.com

बिल न बनाकर हिन्दू कोड बिल बनाया और उसे देश में लागू किया। इसी कड़ी में **सच्चर समिति तथा रंगनाथ मिश्र आयोग रिपोर्ट भी संविधान विरोधी हैं जो मज़हब के आधार पर आरक्षण की संस्तुति करती हैं।** कांग्रेस शासन ने ही हिन्दी को स्वाधीन भारत की व्यावहारिक राजभाषा नहीं बनने दिया है तथा उसके स्थान पर केन्द्रीय शासन, सचिवालयों तथा न्यायालयों का समस्त कार्य अंग्रेजी में हो रहा है और देश में इंग्लिश मीडिया स्कूलों की बाढ़ आ रही है जिससे **देश अंग्रेजी का उपनिवेश बनता जा रहा है।**

इस प्रकार से कहा जाए तो **कांग्रेस शासन भारतीय संस्कृति विरोधी रहा है जिसमें सभी नैतिक मूल्य धाराशायी होकर रह गए हैं।** कांग्रेस ने हिन्दी को संयुक्त राष्ट्र संघ की भाषा बनाने का भी प्रयास नहीं किया है। जबकि अरबी जैसी छोटी भाषा वहाँ की भाषा है। इसके अतिरिक्त वर्तमान कांग्रेस सरकार विदेशों में मीट सप्लाई पर 20 प्रतिशत का अनुदान देती है, जिससे देश में मीट व्यवसाय को बढ़ावा मिल रहा है और दुधारु पशुधन का भारी मात्रा में कटान हो रहा है। इससे भविष्य में मनुष्यों को तो क्या बच्चों को भी दूध मिलना कठिन हो जाएगा।

डॉ. मित्रेश कुमार गुप्त

तिलक रोड, मेरठ

पुस्तक समीक्षा

पुस्तक का नाम : नमन माधव

संपादक : श्री आनन्द आदीश

मूल्य : 150 रुपये, पृष्ठ 300

प्रकाशक : जागृति प्रकाशन, एफ-109, सेक्टर-27, नोएडा-201 301

पूजनीय श्रीगुरुजी के नाम से जाने गए श्री माधवराव सदाशिवराव गोलवलकर की जन्म-शताब्दी संपूर्ण देश में और कुछ विदेशों में भी लगभग तीन वर्ष पूर्व मनाई गई। यह सर्वविदित है कि वे कर्मयोगी और कर्म-संन्यासी थे। वे महान संगठक, धाराप्रवाह वक्ता, उच्चकोटि के साहित्यकार और देशभक्ति में अनुपम थे। **प्रस्तुत पुस्तक के संपादक श्री आनन्द आदीश ने 300 पृष्ठों में एक विराट व्यक्ति का दर्शन कराने का प्रयत्न किया है,** जिसके लिए संपादक बधाई के पात्र हैं। श्री आदीश ने पुस्तक के तीन खण्ड रखे हैं। एक में श्रीगुरुजी के संबंध में श्री जैनेन्द्र कुमार जैन का लेख है और दूसरा लेख - श्रीगुरुजी का लेख वैश्विक कल्याण के संबंध में है। **दूसरे खण्ड** में कविताएं हैं जो बहुआयामी हैं और बहुरसमयी हैं। विविध शीर्षक वाले **खण्ड-3** में श्रीगुरुजी की जन्मपत्रिका और उनके लेखन की अनुकृतियां हैं। जैनेन्द्र जी ने प्रथम खण्ड में श्रीगुरुजी के कृतित्व और जीवन का साहित्यिक दृष्टिकोण से दर्शन कराया है। संपादक ने यह चयन बहुत सोच-समझकर किया है। ,

कविताओं का चयन संपादक की गहरी दृष्टि का परिचायक है। उदाहरण स्वरूप प्रयाग के श्री अजीज जौहरी की पृष्ठ 70 पर जो कविता है उसमें श्री जौहरी ने लिखा है कि

सागर सम गंभीर गुरुजी-सा संन्यास नहीं।
सूखी सरिता के खादर में, बुझती प्यास नहीं।

और श्री जौहरी ने यह भी लिखा है :

हँसी तुम्हारी मन भरती, तुम मन पावन करते थे,
भारत माँ के आँगन में, तुम सावन सम झरते थे।

PDF Created with deskPDF PDF Writer - Trial :: http://www.docudesk.com

श्रीकृष्णकांत माथुर ने 'कलम उनके गीत गाना' कविता में

धर्म हिन्दू, कर्म हिन्दू, त्याग-तप का मर्म हिन्दू
चाहते थे जो हृदय से राष्ट्र को हिन्दू बनाना।
उन तपस्वी गुरुजी के गीत गाना।।

पृष्ठ 98 पर श्री कृष्ण मित्र की "हे समय के देवता" कविता के ये अंश अत्यंत सटीक हैं :

राष्ट्र के उत्थान में रत, स्वयं को तिलतिल जलाया।
तप-तपस्या-त्याग में तप, देह को कुंदन बनाया।

डॉ. शत्रुघ्न प्रसाद की पृ. 215 पर 'माधव महान' तथा पृ. 222 पर श्री शंशाक तिवारी की **'आमंत्रण स्वीकार करो'** में श्री गुरुजी को 'हे! राष्ट्र के पर्याय !' अत्यंत सार्थक संबोधन दिया है।

ऐसी सार्थक और सत्य को उद्घाटित करने वाली कविताओं के संकलन के लिए संपादक साधुवाद के पात्र हैं।

उल्लेखनीय है कि पुस्तक की भूमिका राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के तत्कालीन सरकार्यवाह (अब-सरसंघचालक) माननीय श्री मोहनराव जी भागवत ने लिखी है।

'गौरव घोष' इस उत्तम प्रकाशन के लिए संपादक की बुद्धि की और चयन क्षमता की सराहना किए बिना नहीं रह सकता।

The Internet Hindus

-Shachi Rairikar

FOR decades the English media, both print and electronic, has been dominated by the leftist elite who by virtue of their English education, articulate speech and degrees, scholarships and awards from abroad face little or no competition at home. A handful of such people occupy most of the media space, holding on to it firmly, forming a closed circuit, only allowing selectively new entrants to join their league. Resorting to rhetoric and imposing their views on the nation in a feverish pitch, has become a second nature to them. Clearly pursuing anti-Hindu agenda, their stand on any issue is almost predictable. All news and views are doctored to fit their ideological parameters.

To the common, average, educated Indian, especially the majority Hindus, this is a frustrating situation. He and his religion has become the object of ridicule and despise in the mass media. Yet he does not have a way to fight this malicious campaign. Neither are his letters to editors published, nor can his articles match the

PDF Created with deskPDF PDF Writer - Trial :: http://www.docudesk.com

linguistic skills of the foreign-educated. He is not entertained on the talk shows on the television. Even his messages are not displayed during the TV programmes. His responses on the channel's website are also never published.

Rejected by the arrogance of this elitist creed, the internet comes with fresh breath of air, providing a breathing space to the common man choking with indignation. With the advent of blogging, web groups, chat forums, free websites and social networking sites he gets an opportunity to express himself, gives vent to his thoughts which had been deliberately suppressed all these years. The voice that had been muted for so long is now vociferous. The right which had been granted to every citizen by the Indian Constitution – the right to freedom of speech and expression – is now coming out of the law books and becoming a reality. As more and more Indians become internet savvy, the web space is being filled with a new generation of activists.

The frustration and anger of the majority Hindus at the anti-Hindu stance of the secularist lobby, media, polity and intelligentsia included, is being expressed openly in the cyber space. Blogs, articles, discussion groups are all out to expose the fraud that the self-proclaimed saviours of secularism have been playing on the nation. Facts, views and opinions are being shared amongst Hindus across the globe. **The wide gap between the grass roots and the newsrooms is being exposed.** The authenticity, motivation and loyalty of the mass media are being questioned. With the growing number of Hindus on the internet, it is becoming evident that majority Indians do not endorse the pseudo-secularism and minorityism that is being imposed upon them.

The emergence of this new genre of Hindus comes as a rude shock to those who had been manipulating in their safe haven where no one could question them. The space which had hitherto been strictly guarded is no longer their monopoly. They now have to share it with the crude voice of the lowly masses coming from the grass roots; the masses which might not be apparently as sophisticated or articulate but have their own views and the right to express them. The debates and discussions, no longer restricted to the secure surrounds of the studio, have come out to the forums where all are equal and free to express. The voice of the common man has gone beyond the control of the traditional media and can no longer be ignored. Obviously, the elitist lobby loves to hate this new lot of activists which it calls the "Internet Hindus".

It is interesting to see those who have been severely critical of others who do not fall in their line of thinking react when they get a taste of their own medicine. Those who had been propagating Hindu-hatred are now themselves receiving hate mails from Hindus. It is their turn now to be annoyed. Sagarika Ghose likens Internet Hindus to "swarms of bees" which "come swarming after you at any mention of Modi, Muslims or Pakistan!" Barkha Dutt is now considering the merits of regulating the cyber space. Ashok Malik calls the Internet Hindus "a collective of the intellectually inadequate, the professionally frustrated and the plain bigoted".

Surely, this new generation of activists on the internet may not be as qualified as their counterparts on the television and print media in the sense of having degrees and awards, but it would be sheer elitist snobbery to write them off as "intellectually inadequate" or "professionally frustrated". They are the educated middle class with valuable degrees in fields like technology and management, doing extremely well professionally in corporate,

PDF Created with deskPDF PDF Writer - Trial :: http://www.docudesk.com

private banks, IT and MNCs, and are intellectuals in their own right. And the more important question here is what credibility the likes of Ashok Malik have, when all these years, outside of their close-knit circle, they themselves have been accused of intellectual bankruptcy. The leftists are bigots in their own way, intolerant of other contemporary ideologies.

Probably out of lack of better allegations, Ashok Malik writes “The Left has its universities, journals and institutional support system. It is a commentary on Internet Hindus that they only have multiple email accounts.” And Sagarika Ghose hints that they are an organised syndicate, all with false identities. It is true that the right thinking Hindus do not have an institutional support system but that is precisely because unlike their leftist counterparts they are not an organised syndicate playing key roles in a carefully designed strategy. They are simple men and women who are just pouring out their heart. Also, their not so privileged routines cannot accommodate the luxuries of adopting the leftist propaganda tactics of multiple ids. It would be a grave mistake to undermine the wrath of eighty crore plus Hindus. With such a numeric strength, who needs multiple ids?

Seeing the wave going against them, an obviously disturbed Vir Sanghvi questions “is the Internet losing its sense of being a reflection of the views of society at large?” Would he have raised the same question had the majority on the web appeared to be on their side? Why should we presume that the conventional media with all its short comings is a true reflection of the society? Is it not true that the more equitable internet and not the biased traditional media is a better and more candid representation of the society?

It is fashionable to accuse the right wing of Talibanising Hinduism. Ashok Malik feels that the Internet Hindus represent the collapse of Hindu politico-intellectual space into a caricature of the very Talibanism it opposes. Sagarika Ghose writes, “Internet Hindus want to `Islamise’ Hinduism: they are enamoured of the extremist version of Islam..” It is nice to see some one from the pro-Muslim lobby at least acknowledge the existence of the “extremist version” of Islam which they so fondly promote as the religion of peace and brotherhood. And what they call “Talibanising” is the natural reaction of a society that has been inappropriately marginalised and maligned for too long.

The resentment for the elitist media has been brewing up for a long time. All this time it had been deliberately muted. But the internet has allowed the long over due reprisal to surface. The mainstream which had been pushed to the fringes is now standing up to take its rightful position. The Hindus are rejecting those who had been rejecting them all this while. India is now ready to root out the enemy within. It is another war of independence, this time not with aliens but our own people who are still carrying the burden of the foreign yoke.

courtsy: National Spirit, Mumbai.

PDF Created with deskPDF PDF Writer - Trial :: http://www.docudesk.com

A Critique of US foreign policy

-Barry Rubin

It's not only Israel which is worried, but also a dozen Arab countries. Yet Obama is toeing the line of least resistance

Hussain Abdul Hussain gets it. He's one of the most interesting Arab journalists who also write in English. In his latest article, published in the Huffington Post and entitled "Lonely Obama vs Popular Iran" he points out what the most realistic people and more moderate rulers in the Arabic-speaking world are thinking.

Theme one: Popularity isn't so important in West Asia.

"A common perception is that under President Barack Obama, America's image has improved, and perhaps its friends have increased. But such claims are unfounded, as the opposite proves to be true. International relations, however, are about interests, not sweet talk. **As Mr Bush went out recruiting allies, and making enemies, Mr Obama lost America's friends while failing to win over enemies."**

Theme two: What is important is that allies believe you will support and protect them. Mr Obama isn't doing that:

Example A, Iraq: "After losing more than 4,300 troops in battle and spending (a huge amount of money) since 2003, **America today cannot find a single politician or group that would express gratitude to Americans for ridding Iraq of its ruthless tyrant Saddam Hussein, and allowing these politicians to speak out freely.**

"On the contrary, shy of making their excellent backdoor ties with Washington known since they fear Mr Obama will depart Iraq and never look back, Iraqi politicians started expressing dissatisfaction with the US in public."

Example B, Lebanon, before Mr Obama took office, more than one-third of the entire population — most of them Sunni Muslims — demonstrated against Hizbullah and Syrian occupation. And the Druze leader Walid Jumblatt said on television, "He was proud to be part of America's plan to spread democracy in West Asia." But:

"By the time Mr Obama had made it to the White House, support of America's allies in Lebanon waned since Mr Obama was determined to appease their foes in Syria and Iran. (Said) Hariri (leader of the moderate forces) and Jumblatt (his former close ally] were forced to abandon their fight for Lebanon's democracy and freedom" and seek to make a deal with Syria and Hizbullah instead.

Example B, Iran: **The people revolted against the autocratic regime and staged mass demonstrations, "But Mr Obama's Washington was busy sending one letter of appeasement after another to Iran's tyrants, and accordingly failed to take the side of the Green Revolution for democracy and freedom**. When Mr Obama did show support for the Green Movement, it was too little and too late."

Among those worried about a similar lack of US support you can add in Egypt, Israel, Jordan, Saudi Arabia, the small Gulf states, the three North African states, most of Lebanon and those Turks who don't want to live under an Islamist regime. You might as well add in India, too.

PDF Created with deskPDF PDF Writer - Trial :: http://www.docudesk.com

Theme three: Iran helps its allies. Hence, Iran has more allies while the US has fewer. Iran is going up; the US is going down:

“Now compare America’s friends around the Middle East to Iran’s cronies, and you can immediately understand why Washington is in trouble, both diplomatically and on a popular level, while Iran is confident as it marches toward producing a nuclear weapon and expanding its influence across West Asia.”

Iranian ally A, Hizbullah: “Since 1981, Iran has been funding its Lebanese ally Hizbullah, never defaulting on any of its pledged payments. Hizbullah went from an embryonic group into a state within a state, boasting a membership of several thousands and maintaining a private army, schools, hospitals, orphanages, satellite TV and a number of other facilities that have won it the hearts of Lebanon’s Shiites, and have given Hizbullah an absolute command over them.

Iranian ally B, Syria: “Iran has maintained a flow of cash and political support toward Syria for a similar amount of time. Mr Obama has been begging Syria to switch sides and abandon Iran. Judging by the mishaps that always seem to befall America’s friends with time, Syria does not seem likely to change, but is rather playing an Obama Administration desperate for whatever it can claim as success in its foreign policy.”

As if to prove the point, immediately after a big American delegation visited Damascus to restore full relations and Secretary of State Hillary Clinton told Congress that US policy is seeking to detach Syria from its alliance with Iran, President Mahmoud Ahmadinejad visited Syria and the two leaders made strong anti-American statements while pledging eternal partnership. Here’s the headline in the London-based Arabic newspaper al-Sharq al-Awsat: “Syria and Iran defy Clinton in show of unity”. And in the Syrian Government’s newspaper Tishrin a column explained that if the US wanted a deal with Iran and Syria to achieve peace in the region that would have to include Israel’s elimination.

Iranian ally C, Iraqi insurgents: “In Iraq, Iran does not only fund and train militias and violent groups, but they also fund electoral campaigns of Iraqi politicians, loyal media groups and political parties, thus expanding their influence over Iraq exponentially. Spending billions more than Iran in Iraq, America has seen its money spent to no or little effect.”

And here’s the bottom line:

“The comparison between Iran and Mr Obama’s America is simple. “While Tehran never let down an ally, offering them consistent financial and political support, Washington’s support of its allies around the world has always been intermittent, due to changes with administrations and an ever swinging mood among American voters, pundits and analysts.

“So while Iran has created a mini-Islamic republic in Lebanon, and is on its way to doing the same in Iraq, America has failed in keeping friends or maintaining influence both in Lebanon and in Iraq.

“And while Tehran brutally suppressed a growing peaceful revolution for change inside Iran, Washington’s pacifism did not win any favours with the Iranian regime, or with its opponents in the Green Revolution.”

PDF Created with deskPDF PDF Writer - Trial :: http://www.docudesk.com

"While Iran knows how to make friends, Mr Obama's America has become an expert in losing them."

Yes! That's what it's all about. You know, it's an interesting point. Mr Obama and company says we should listen to Muslim and Arab voices.

courtsy: The Pioneer,, New Delhi

Evangelical Intrigues

-D.P.Kar*

Kandhamala-Four Hundred Nineteen Hindus Have been Discharged by Fast Track Court, Phulbani.

At the behest of converted Christians, who filed 820 FIRs in various Police Station against Hindus, in Kandhamala in August-September 2008,793 Hindus were arrested and 100 were arrested under the preventive act. Total numbers of Hindus were arrested 893.Government of Orissa set up two Fast Track Court in Phulbani to try the cases filed against the Hindus. On 22nd March and 31st March 2010 it has been reported by an Odiya daily, Anupam Bharat and Bhubaneswar edition of The Pioneer, that 421 Hindus have been discharged by Fast Track Court and 101 persons have been convicted. Out of the 893 persons arrested already 421 persons have been discharged by Fast Track Court. Trials in other cases are in progress. As on today 46% of the persons arrested on various bogus charges have been set free. It only shows the eagerness of the Govt of Orissa to slap false cases against the Hindus at the behest of converted Christians and Christian missionaries. The indiscriminate arrest and prosecution at the behest of converted Christians is amply visible from the following cases:

A complainant filed FIR against 220 persons from 15 villages for committing violence and arson.FIR was immediately registered, charge sheet was filed .Before the Magistrate the person himself admitted that he has taken the names from the voters list and filed complaint against 220 persons from 15 villages. It is another issue how the Police registered such a FIR and took prompt action. The conspiracy of Christians against Hindus is crystal clear from the above case. It is case of harassment of the Hindus by the Police at the behest of converted Christians. Otherwise when the person himself admits before the Magistrate that he has taken 220 names from voters list and filed complaint, how charge sheet can be filed? Will the fundamentalist secular media high lights this case? The answer is NO. The secularists are only for the minorities at the cost of majority community.

On 21st March 2010, Fast Track Court, Phulbani presided by Sri Shovan Kumar Das discharged 17 accused in a house burning case. The accused are Sri Manoj Pradhan, sitting MLA of G.Udaygiri,Sri Simachal Patra,Secretary of Hindu Jagarana Samukhya,Khandamala.FIR was lodged against all these persons in the house burning case of Sushanta Dalbehera on 28th August 2008 in Police Station Raikia.On the basis of the FIR filed, Raikia Police filed charge sheet against Sri Manoj Pradhan and others. All these persons who were falsely implicated by the Christian and the missionaries have been honorably discharged but most of the secular English media did not report this case.

PDF Created with deskPDF PDF Writer - Trial :: http://www.docudesk.com

On the same day i.e. 28th August 2008 on the charges of house burning of Sri Harihar Das in Raikia, Sri Gadadhar Parida, Sri Sangram Keshari Pati and Sri Kalia Panda were arrested and charge sheeted later. Fast Track Court discharged these innocent people honorably because of the lack of evidence. The examples show high handedness of Police who was making indiscriminate arrests on the basis of baseless FIR filed by converted Christian at the behest of Christian missionaries. Will the Police salvage the honor of above named person? Will the secular Govt. return their honor and self respect? Will their family members be relieved of mental torture and suffering they have under gone?

The extent of harassment of the Hindus can be judged from the facts that the Christian filed 820 FIR against Hindus, which are promptly registered. They named 11,850(Eleven thousand eight hundred and fifty) Hindus in the FIR with the option of naming another 89000 Hindus .They can be charge sheeted any time. Against that, FIR was not registered by the Police when Hindus went to the Police Station. After lot of hue and cry, only 15 FIRs were registered as against 820 FIR lodged by the Christian. The reaction of Police towards Hindus is visible from the fact that there were inaction on the part of the Police in the case of Khageswar Mallick, who was stoned to death by the Christian in Barkhamar village. The reaction of the Govt is equally tepid. Government washed its hands by giving Rupees Ten thousand for the funeral.Thereafter; everybody has forgotten the family of Late Khageswar Mallick.

The Police repressions were so strong that most of the male Hindus ran away to the jungle leaving their houses. Only women folk stayed in the village. Taking advantage of the absence of male members Police atrocity reached despicable height.

(i) On 13th October 2008 at 7 .00 clock in the evening, two CRPF officials in plain clothes entered into Gundari Gaon Village, snatched chicken and vegetable from the villagers ,Baxi Singh who was sweeper with CRPF and driver Laxmikanta started misbehaving with the ladies of the village. Residents of the village were exercised and they killed Baxi Singh. His dead body was found out near Sashipanga Village. Somehow Laxmikanta saved his life and ran away.

(ii) Near Chakapada, in the Phasuna Phandi house burning incident, male members were arrested. Police sexually harassed the women folk. Therefore, after the sunset women were hiding themselves in Jungle.

(iii) In the name of arresting Men folk CRPF Jawans were molesting daughters and daughter in laws of various villages..

On 9th October 2008, three Christian youths, left relief camp in Daringibari and they were armed. From the nearby Titabadi village Jungle, three Kandha girls were returning to their houses. These three youths at the gun point raped these girls and returned to the camp where they are safely lodged by the Government. After hue and cry these three youth were arrested From the safe and secure environment of the relief camps these criminals could go freely, commit heinous crime and come back safe. From where they could get arm, who supplied these arms were never investigated by the Police. They were all converted Christian youths and nobody knows what happened to the case. In Kandhamala 14 Hindus have been killed. A Hindu saint Sri Laxmanananda Saraswati and four of his followers have been killed in the auspicious day of janmasthami. Our secular media is not concerned about this gruesome murder. It appears the murder was

PDF Created with deskPDF PDF Writer - Trial :: http://www.docudesk.com

committed by converted Christians therefore No action is expected from the secular Government.

Sri Kar is a retired Chief Commissioner of Income Tax. He stays in Bhubaneswar.

Reference:

- Oriya News Paper The Anupam Bharat.
- The Pioneer (English) Bhubaneswar edition.
- Compilation prepared by Biswa Sambad Kendra

Nanaji Deshmukh-Kindling a movement

-Arun Jaitley

Nanaji Deshmukh died at the age of 94. Till his death he was an RSS pracharak, a full timer. Very few have possessed the kind of extroverted attitude and dynamism that Nanaji had. He had toured the length and breadth of the country. He was among those who established the Bharatiya Jana Sangh. Most people with his background remained confined to a limited group but Nanaji always endeavoured to step out. He was on first name terms with leaders of other political parties, industry, media, and civil society activists. He never hesitated to speak his mind even if they were critical of the political organisation of which he was a member. He had the ability to raise his voice, unrestrained by partisan thinking and motivated by the national interest.

I first met Nanaji when I was a college student. He used to live in a penthouse in the Deendayal Research Institute. He was the key organisational functionary of the Jana Sangh. He maintained a skeletal staff and used his resourcefulness to establish the institute. His own needs were limited. His home was flooded with visitors. As a student I used to visit him regularly during the 1973-75 period, before the Emergency. He had accompanied JP during the massive demonstration in Patna. He obstructed a lathi assault on JP, injuring his own arm. He was the key person in the organisation of the JP movement. He enjoyed JP’s confidence, worked in close contact with JP’s associates in the Sarvodaya movement and Gandhi Peace Foundation. JP’s close friends like Ramnath Goenka, Ganga Saran Singh and Nanaji guided the movement. Together they mobilised the entire non-Communist Opposition in support of JP.

During the Emergency, he was the natural choice for secretary of the Sangharsh Samiti against the Emergency. He changed his appearance beyond recognition. He discarded his customary kurta-dhoti for a bush shirt and trousers. He had acquired a moustache, a thick crop of dyed black hair on his head and a different pair of eye-glasses. He toured the entire country organising underground activities. His stay in several houses was organised by his political colleagues. Well into the Emergency, he was staying at a safe house in Delhi’s Safdarjung Development Area. Even his host did not know as to who he was. Krishan Lal Sharma, then a Punjab BJP leader along with another colleague came to meet him. They were being trailed by officers from Punjab state intelligence. Delhi Police searched the house where Nanaji stayed, in order to arrest Krishan Lal Sharma and his colleague. There they found another gentleman whom they could not recognise. He was taken to the police station where he confessed to his identity as Nanaji Deshmukh.

PDF Created with deskPDF PDF Writer - Trial :: http://www.docudesk.com

Photographs of Nanaji would show a different man but the voice revealed a similarity. Once arrested he was brought to Tihar jail where in Ward No. 17, I, along with a few detenus, was lodged at the time. When he entered the ward, he decided to play a prank on us. For the first few minutes he did not disclose his identity. It took us a reasonable time after hearing his voice to realise that he was Nanaji Deshmukh.

In jail I found a wonderful human being in him. He was relaxed, read extensively, analysed the political situation. He became friendly with even some Left-oriented detenus. He was even sending words to his colleagues outside to lend financial support to the families of some Left activists who were lodged with us in jail. It was in jail that I discovered his passion for good food.

Nanaji entered the Lok Sabha in 1977 but declined Prime Minister Morarji Desai's offer to be a cabinet minister. He wanted to work for the organisation. He continued to be a key organiser of the Janata Party. The failure of the Janata Party experiment and break up of the Janata Party substantially disheartened him. He was disillusioned. He then took the world by surprise when he announced that was giving up politics at the age of sixty. Most others thought he would be persuaded to reconsider his decision. He stuck to his decision and never looked back at politics from the day he turned sixty. In addition to Deendayal Research Institute, he spent the next 34 years of his life creating institutions for rural reform, ideal villages, educational centres in Gonda, Balrampur and Chitrakoot. He inspired many to contribute in this endeavour. He impacted the life of thousands in the area he worked. In 1999, I watched him again for six years as a nominated member of the Rajya Sabha. All his interventions were non-partisan and statesman-like.

Nanaji had an unusual dynamism. This was tempered with a sense of idealism. He practiced what he proclaimed. He cultivated and nurtured many a relationship throughout his life. Even today there are thousands of civil society activists, political workers, businesspersons, professionals, and industrialists who valued his relationship. His ability to endear himself to people who looked up to him for advice and guidance was immeasurable. Nanaji is no more. The institutions he created, the friends and admirers he left behind will continue to be inspired by him.

The writer is a BJP MP in the Rajya Sabha.
Courtsy : The Indian Express

Discovery of India: A different era : A Review Article

[This book by Prof BB Lal has traced the vast spread and efflorescence of a civilisation going back more than five thousand years, writes Sandhya Jain]

Barely seven years after Prof BB Lal penned **The Sarasvati Flows On: The Continuity of Indian Culture (2002)**, the defiantly-in-denial UPA has been forced to admit the existence of the Vedic Saraswati. In response to a parliamentary question, the Government revealed that a study by scientists of ISRO, Jodhpur, and the Rajasthan Government's Ground Water Department has found irrefutable evidence of palaeo-channels and archaeological sites of pre-Harappan, Harappan and post-Harappan ages, indicating the existence of a mighty river matching descriptions of the Saraswati in Vedic literature.

Now, once again taking the bull by the horns, Prof Lal thunders that the Harappan or Indus-Saraswati civilisation is not only archaeologically the oldest civilisation of India, but that it is the

PDF Created with deskPDF PDF Writer - Trial :: http://www.docudesk.com

material counterpart of the Vedic texts! Supporting this bold hypothesis is powerful evidence from hydrology, geology, literature, archaeology and radiocarbon dating. A picture clearly emerges of a vibrant material civilisation with profound metaphysical insights in the north-western region, which bequeathed us the unity and continuity that are the hallmarks of Indian tradition.

Amazingly, every little aspect of our civilisation can be traced back to the dawn of our religion and culture in the Saraswati basin. At Nausharo in pre-Partition India (now Pakistan), French excavator Jean-Francois Jarrige found a small terracotta figurine of a woman, hair painted black, and red paint in the medial parting indicating the sindoor worn by Hindu married women to this day. Carbon dating traces the levels where the image was found to be of circa 2800-2600 BCE. Similarly, the famous bronze statuette of the dancing girl, found at mature Harappan levels of Mohenjo-daro, reveals the continuity of the practice of wearing serial bangles on the upper arms in parts of Haryana, Rajasthan and Gujarat, the very regions where Harappan culture most thrived.

The *Periplus of the Erythrean Sea*, an unknown mariner's account of the sea trade between India and the Red Sea in the early centuries AD, and the seventh century Chinese pilgrim Hieun-Tsang, both mention the export of beads from India. Chanhu-daro in Sindh and Lothal in Gujarat have yielded a rich bead-making industry.

Far more startling is the continuity in agriculture, which sustained this rich civilisation and the arts and crafts that in turn created a flourishing overseas trade, and wealth that made India a coveted prize for adventurers in the centuries that unfolded. Excavations at Kalibangan in Hanumangarh district, Rajasthan, from the early Harappan circa 2800 BCE, show fields ploughed wide apart from north to south (for tall mustard plants) and shorter east-west furrows (for gram), so that the multiple crops share the winter sunshine and do not cast shadows upon each other. This pattern endures in Indian fields to this day. This era also created the ploughshare and spoked wheel, the tandoor and roti, chulha and chapatti, and pots and pans and other vessels of daily use!

If these seem like small drops in a civilisation as vast as the ocean, the finding of terracotta figurines in various Yogic asanas, which take the Astanga yoga of Panini (2nd century BCE) back to Harappa and Mohenjo-daro, must make us pause. It is staggering material evidence of spiritual quest accompanying great wealth, unmatched in any ancient civilisation. It is convincing proof, if proof be needed, that the material wealth desired in Vedic mantras refers simultaneously to a deeper metaphysical quest.

This is augmented by the famous limestone statuette of the Mohenjo-daro priest-king, with his eyes introvert and eyelids half-closed, a meditative form later associated with Buddhist tradition, especially in Tibet and China. Yet this form of dhyana is mentioned in the Bhagvadgita (Ch 6, verse 13) which states that the gaze should be fixed on the tip of the nose!

The famous seals of the Saraswati civilisation reflect later developments in Hindu religion and culture — the worship of *Siva* as a linga; *Pasupati* seated in yogic posture surrounded by animals; buffalo sacrifice; worship of the sacred pipal; the crucial role of *agni* in the havana or *yajna;* the fire altars for individual and communal worship; the *kamandalus* of the *sadhu*; the sacred *swastika*… I could go on.

Town planning, especially given the chaos in our cities today, will remain ancient India's greatest contribution to civilisation. Be it Kalibangan, or Sisupalgarh near Bhubaneshwar, Orissa, the grid pattern with streets running north-south and east-west was the rage. This, it is pertinent, was an era in which Egypt or Mesopotamia (the West's favourite 'cradle' of civilisation) had no notion of such town planning. The idea, it must be conceded, was original to India. To cap it all, there were covered drains and manholes for discharge of sullage.

Bricks were kiln-fired, and there was bonding, with bricks laid out in alternate courses — length-wise and breadth-wise — for strong walls, way back in the third millennium BCE. And clay floors were soled with fragments of terracotta nodules and large pieces of charcoal — to absorb moisture, prevent dampness travelling up the walls, and inhibiting termites!

PDF Created with deskPDF PDF Writer - Trial :: http://www.docudesk.com

Describing in detail the major Harappan settlements — Kalibangan in Rajasthan; Banawali and Rakhigarhi in Hissar, Haryana; Harappa in Sahiwal, Pakistani Punjab; Mohenjo-daro, Pakistan; Surkotada and Dholavira in Kachchh, Gujarat (which yielded terracotta horse figurines); and Lothal in Ahmedabad, Gujarat — Prof Lal has traced the vast spread and efflorescence of a civilisation going back more than five thousand years. It is rich in agriculture and familiar with many types of grains and cereals and fruits; animal husbandry is known and many animals are domesticated — cow, sheep, goat, pig, camel and elephant; the spotted deer, blackbuck and sambar are hunted for food; fish and turtle are known. Above all, there is irrefutable evidence about knowledge of the horse and its usage, with bones found at numerous sites, including Lothal, Kalibangan and Surkotada.

Vedic Harappan civilisation used its long coastline from Gujarat to Sindh and Baluchistan for a thriving sea trade with the Gulf and Africa, selling marine, mineral and forest resources to distant markets. A coffin with the deodar lid suggests that the Himalayas were sourced for wood, with logs being pushed downstream as is the practice today. There was a rich industry in bead-making, shell, ivory-working, not to mention metal, mainly copper and bronze, though gold and silver ornaments had also arrived.

Truly a Golden Age. The only thing missing is the inscrutable script, surely a precursor to Brahmi, the language that developed later. But who were these Vedic people — were they Aryan invaders as we were taught in school, or indigenous ancestors whose achievements were 'stolen' by ascribing them to so-called Aryans, a people who have left no traces of like achievements in any of the lands from where they supposedly descended upon the Indian plains.

It is now conclusively established that there was no Aryan invasion, or even migration (the current theory). What does remain, however, is a West-led mental resistance to accepting the indigenous origins of the Vedic (Hindu) religion, culture, and civilisation. But the time for intellectual arguments is over; it will take a further economic and military decline of the West to eclipse this denial.

B.B.Lal : How Deep are the Roots of Indian civilisation - Archaeology Answers, Aryan Books International, price Rs.390

Diary of Events

January 1 RSS chief Mohan Rao Bhagwat lambasted the ruling UPA Government for its failure to adopt a specific policy to counter growing Chinese military influence in countries surrounding India. *The Pioneer, New Delhi, p. 1.*

January 2 Iranian opposition leader Mir Hussein Moussavi defied the hardline authorities' crackdown on his supporters demanding the release of political prisoners and saying that killing him would not end the unrest. *The Indian Express, New Delhi, p. 10.*

January 3 China warned US president Barack Obama of a dangerous slide in Sino-US relationship if he ventured to meet the Dalai Lama. Beijing is extremely worried about the international support Dalai Lama continues to receive. *The Times of India, New Delhi, p. 22.*

_________ A Northwest Pakistani village that tried to resist Taliban infiltration, struggled with grief as families mourned for 100 people killed in an apparent revenge suicide bombing at an outdoor volleyball game. *The Pioneer, New Delhi, p. 7.*

January 5 Hitting out at the Congress-led United Progressive Alliance Government for speaking in favour of separatist forces, former Bharatiya Janata Party (BJP) chief Rajnath Singh said that the Government should not accept the Ranganath Mishra Commission report and allow reservation on religious lines "as it would be unconstitutional". *The Pioneer, New Delhi, p. 7.*

_________ In a district court at Sargodha (Pakistan) Ramy Zamzam told A.P. as he entered a court room we are jihadists and jihad is not terrorism. *The Pioneer, New Delhi, p. 11.*

_________ Dozens of Tehran University professors appealed to Iran's supreme leader to halt the ongoing violence against Opposition protesters, a pro-reform Web site reported. The letter to Ayatollah Ali Khamenei - signed by 88 professors - was the latest daring challenge to the Iran's clerical leadership. *The Pioneer, New Delhi, p. 11.*

January 6 Dr Subramanian Swamy had filed his petition in high court last month, seeking a directive for abrogation of Governmental permission for the proposed project of Islamic Bank. Kerala H.C. stayed the project. *The Pioneer, New Delhi, p. 7.*

PDF Created with deskPDF PDF Writer - Trial :: http://www.docudesk.com

January 7 A three-judge bench of the Bombay high court held that in India, criticism of any religion - be it Islam, Hinduism, Christianity or any other - is permissible under the fundamental right to freedom of speech and that a book cannot be banned on those grounds alone. *The Times of India, New Delhi, p. 1.*

January 10 At a talk organized by the Indian Council of World Affairs, Tharoor endorsed the criticism that Jawaharlal Nehru's foreign policy was a tad too preachy and gave India an exaggerated sense of importance. "I agree with Prof. Parikh's (British Labour Party M.P.) opinion of Nehru and (Mahatma) Gandhi's foreign policies. It, was more like a moralistic running commentary." *The Times of India, New Delhi, p. 1.*

January 11 Repeated incursions by China and an unclear border map have resulted in India losing a "substantial" amount of land in the past two decades, says an official report. The area along Line of Actual Control with China has "shrunk" over the years, and India is clearly "withdrawing". *The Times of India, New Delhi, p. 1.*

_________ Private sector engineering major Larsen & Toubro has said that China is systematically killing Indian manufacturing sector and sought 25% anti-dumping duty on Chinese goods. "China has a fixed currency. It is not a market economy like ours. *The Times of India, New Delhi, p. 21.*

January 12 With the RSS insisting that the BJP go back to basics', party leaders will have to stay in tents and not in hotels when they meet in Indore next month for a conclave. The party intends to send a message to cadres and masses that it is shunning "five-star culture" and returning to the roots. *The Hindustan Times, New Delhi, p. 8.*

January 13 Pakistan is likely to become a more Islamist state and increasingly anti-American in the coming years, complicating US efforts to win its support against Islamist militants, a report, by U.K. think tank said. *The Times of India, New Delhi, p. 20.*

_________ China plans to build the world's highest airport in Tibet, the sixth in the strategic Himalayan region at an altitude of 4,436 metres, the state media reported. *The Times of India, New Delhi, p. 20.*

January 14 As the first rays of the sun warm this crisp winter morning, the mystical Kumbh Mela comes to a magnificent start, transforming the long beach of the Ganges into a sea of humanity embracing tourists, pilgrims, scholars and holy men of various religious orders. The massive festival is expected to draw more than 60 million spiritual seekers from across the world in the ensuing three months. Spread over a sprawling 130 km, it extends to Haridwar, Rishikesh, Munikireti and Swarga-shram banks of the river. *The Pioneer, New Delhi, p. 1. & 4.*

_________ Former BJP President Rajnath Singh has requested the Commonwealth Games Organising Committee to remove beef from the CW Games menu card and avoid any possibility of outrage or anger over this sensitive issue. *The Pioneer, New Delhi, p. 3.*

January 15 Jammu: Indian shepherds are back in the Shakgung pasturelands along the Line of Actual Control (LAC) from where they had been driven out by Chinese troops last winter. The strategically important area near Demchok, 300 km east of Leh, is back in Indian hands. *The Hindustan Times, New Delhi, p. 1.*

_________ A unique university to promote a sense of South Asian community is finally and quietly taking shape in the form of first truly international university set up by eight nations. Tax free dollar salaries for an international faculty, a variety of interdisciplinary courses fenced on Research, a think tank to ponder over shared problems will be the key features of South Asian university. The university is headed by former J.N.U. vice chancellor G.K. Chadha once a student of P.M. Manmohan Singh. *The Indian Express, New Delhi, p. 2.*

January 16 Non-Muslims in Malaysia's Selangor State have been asked to refrain from using 35 Islamic terms and references. The list of terms not to be used by non-Muslims include *Allah, Fireman Allah* (Allah's decree), *solat* (daily prayers), *Rasul* (prophet), *mubaligh* (missionary), *mufti, iman* (faith) *Kaabah* (the Holy cubicle), *Oiblat* (direction in which the Muslims pray) and *Haji* (Muslims who have done his pilgrimage). They cannot be used to promote religions other than Islam," he noted. *The Pioneer, New Delhi, p. 12.*

January 18 Terming recommendations of the Working Group headed by Justice (retd) Sagir Ahmed as "anti-national", general secretary of the Vishwa Hindu Parishad (VHP) Parveen Tagodia today warned the Centre against giving any weight to the report, which according to him, was prepared to appease pro-Pakistani elements. He was of the opinion that discussing this report would be like "playing with fire" and would have gravest repercussions all over the country. *The Tribune, New Delhi, p. 6.*

_________ After receiving flak for not declassifying records, the UPA has finally prepared a roadmap for disclosure and declassification of Government records, some even dating back to 1947. Cabinet Secretary KM Chandrasekhar has written to all Ministries pulling them up for not initiating steps and giving them five months, starting January, to transfer about 90,000 old records to the National Archives of India (NAI) for declassification. *The Pioneer, New Delhi, p. 1. & 4.*

_________ Russia is all set to reassert its numero uno status in the Indian defence market with another mega-arms deal. The two nations are now poised to ink the around $1.2 billion contract for 29 more MIG-29K fighter jets for the Indian Navy. *The Times of India, New Delhi, p. 12.*

_________ The US army is training a crack unit to seal off and neutralize Pakistan's nuclear weapons in the event that militants, possibly from inside Pakistan's national security apparatus, get their hands on a nuclear device or materials that could make one, the Sunday Times, London, reported. *The Times of India, New Delhi, p. 1.*

PDF Created with deskPDF PDF Writer - Trial :: http://www.docudesk.com

January 19 Yoga guru Baba Ramdev is facing threat to his life and intelligence agencies are keeping a close watch on his security. *The Pioneer, New Delhi, p. 1.*

January 20 Pakistani cricketers, who were ignored by the IPL franchises auction, have reacted angrily to the snub with Twenty/20 captain Shahid Afridi saying that the 'IPL and India have made fun of us'. *The Pioneer, New Delhi, p. 16.*

_________ In a bid to encourage Sanskrit, the Uttarakhand Government has given Sanskrit the status of second official language. It will attract the younger generation of the State towards Sanskrit language and will also create many new opportunities of employment. *The Pioneer, New Delhi, p. 4.*

_________ Successive Governments, have failed to resolve the issue of 'enemy property' currently estimated to be worth Rs 10,000 crore and held by a custodian. Most of the enemy properties are located in Jama Masjid, Kashmeri Gate, Chandni Chowk, Mori Gate and civil Lines area which is either illegally occupied by locals or land mafia or properties have been ensnared in legal proceedings. *The Pioneer, New Delhi, p. 3.*

January 21 Ngabo Ngawang Jigme, the last surviving member of the Tibetan delegation who signed the 17-point Agreement with the Chinese Communists died on December 23 last year in Beijing. The agreement ended the *de facto* status of Tibet as an independent nation. *The Pioneer, New Delhi, p. 9.*

_________ Copenhagen: The face-covering burqa and niqab veils worn by some Muslim women have no place in Denmark, Prime Minister Lars Loekke Rasmussen said adding his government was considering restricting them. *The Times of India, New Delhi, p. 23.*

January 22 The BJP-led MCD has threatened to carry out demonstrations across the city if beef is served to foreign guests and sportspersons during the Commonwealth Games to be held the year. *The Hindustan Times, New Delhi, p. 5.*

January 25 New BJP president Nitin Gadkari has rubbished the impression of being an RSS appointee and asserted he was his own master. He said he consulted senior party and Sangh leaders but was not their 'puppet'. *The Pioneer, New Delhi, p. 5.*

January 28 The Congress in Chhattisgarh has slapped showcause notices on a legislator and a newly-elected Mayor for "showering praises" on RSS chief Mohan Bhagwat during his visit to the state on January 20. *The Indian Express, New Delhi, p. 3.*

_________ Bangladesh hanged the five ex-Army officers, convicted for assassinating the country's founder Sheikh Mujibur Rahman, almost three decades after he was killed in a military coup. *The Tribune, New Delhi, p. 13.*

_________ The discovery at Vaisha Tekri, located in Undasa near Ujjain, will probably be the next prominent site in the State to unravel the glorious past of India during the 3rd century BC at the time of emperor Ashoka. *The Pioneer, New Delhi, p. 4.*

_________ Iranian police opened fire on protesters in Tehran killing at least eight people, including a nephew of the opposition leader Mir Hussein Moussavi, as vast crowds of demonstrators flooded the streets of cities across Iran and fiercely fought security forces, according to witnesses and opposition websites. *The Indian Express, New Delhi, p. 12.*

_________ The Supreme Court judgement upheld the Election Commission's directive that Muslim women must remove their *burqa* in order to be photographed for electoral roll verification, highlights how significant the veil has become in the Indian Muslim community. *The Pioneer, New Delhi, p. 8.*

February 1 The BJP is contemplating to start a three-year training programme for its cadre on the lines of RSS. The programme is intended to hone the skills of its cadre before the 2014 Lok Sabha elections. *The Pioneer, New Delhi, p. 5.*

February 2 BJP president Nitin Gadkari cautioned party leaders about the lack of 'mutual trust and coordination' that has forced the party into a 'crisis-like situation'. Gadkari, pointed out to party leaders that "one chair can accommodate only one individual". *The Pioneer, New Delhi, p. 5.*

February 3 Bangladesh's Supreme Court declared as illegal a constitutional amendment that had allowed religion-based political parities to flourish in the country, paving the way for the Government to ban such groups. *The Pioneer, New Delhi, p. 11.*

February 5 China hit back at the United States after President Barack Obama vowed to get tougher with the Asian giant on trade and currency, stoking tensions already high over Taiwan and Tibet. *The Times of India, New Delhi, p. 22.*

_________ Home minister P Chidambaram has said that at least one of the handlers of the 26/11 attackers could be an Indian whose true identity has not been ascertained because of Pakistan's refusal to give voice samples of the suspects. *The Times of India, New Delhi, p. 11.*

February 6 Playing a host to the naval forces of 12 eastern countries, including some which have a prolonged maritime boundary dispute with China, as part of the "Milan" exercise", New Delhi today sent out a strong message to Beijing on the emerging power-structure of nations that lies east of India. *The Tribune, New Delhi, p. 1.*

_________ Tradition, faith and religion need no branding. This was the opinion which emerged in a day-long symposium, '*Kumbh*: Confluence of Faith and Religion', organised by *The Pioneer* in collaboration with Gurukul Kangri University in Haridwar. *The Pioneer, New Delhi, p. 4.*

PDF Created with deskPDF PDF Writer - Trial :: http://www.docudesk.com

February 7 Members of the Hindu *jatha* decided to boycott the pilgrimage to Katasraj for celebrating the Mahashivatri festival on inability of Pakistan to assure their safety. *The Tribune, New Delhi, p. 5.*

_________ Unveiling new nuclear doctrine Russia has said it reserves the right to hit back with nukes in case of an aggression. This may be a veiled warning to China and rising NATO powers. *The Tribune, New Delhi, p. 11.*

_________ BJP MP Varun Gandhi said the party should focus on the Ganga, safety of cows and care of temples, "Price rise is an issue alright, but we should not forget what our party was formed for? *The Pioneer, New Delhi, p. 5.*

_________ Miscreants in Bangladesh's Narayanganj district vandalised an ancient Hindu temple, with assailants destroying six idols. A gang of 30-35, men attacked the Sonargaon temple and broke six idols, said Md. Yunus Ali, the local police chief. *The Hindustan Times, New Delhi, p. 19.*

_________ Senior BJP leader M Venkaiah Naidu insisted that the Karnataka Governor H.R. Bhardwaj must stop making political comments and urged him to steer clear of controversies. *The Pioneer, New Delhi, p. 1.*

February 8 Iran cut ties with the British Museum in protest at repeated delay in the loan to Tehran of an ancient Persian treasure, the Cyrus Cylinder, a top official said. Many historians regard the cylinder, discovered in 1879, as the world's first declaration of human rights. *The Times of India, New Delhi, p. 19.*

_________ The BJP described as ridiculous and outlandish the suggestion by Victorian Police Commissioner that Indian students should visibly look poor if they wanted to remain safe in Australia. *The Pioneer, New Delhi, p. 5.*

February 9 The Vishva Hindu Parishad (VHP) asked the Central Government to follow a uniform national norm, accepting 1951 electoral role as the base year for inclusion or names in the National Register for Citizens (NRC) and not 1971 as the cut-off year, as advocated by Assam Chief Minister Tarun Gogoi. *The Pioneer, New Delhi, p. 7.*

_________ The Vishwa Hindu Parishad (VHP) appeared to back the Shiv Sena by calling for a nationwide boycott of Shah Rukh Khan's 'My Name is Khan' but took objection to the Sena's Mumbai-for-Marathis stand and said every inch of India belonged to all Indians. *The Times of India, New Delhi, p. 15.*

_________ A seven-judge bench of the Andhra Pradesh high court headed by chief justice A R Dave struck down as 'unsustainable' the state law providing 4% reservation in educational institutions and jobs for 15 Muslim groups deemed backward by the state government. *The Times of India, New Delhi, p. 1.*

February 10 New Delhi: Iran has come out strongly against a reconciliation package for the Taliban in Afghanistan. "We don't believe in good or bad Taliban," Iranian envoy Seyed Mehdi Nabizaden said. *The Times of India, New Delhi, p. 15.*

February 11 A British court upheld an ailing 71-year-old Hindu's plea to be allowed to be cremated on an open pyre, sparking celebrations among Hindus in Britain. Master of the Rolls Lord Neuberger told the Appeals Court that 'open air' funeral pyres are lawful under British law. *The Pioneer, New Delhi, p. 11.*

_________ According to media reports, the Brahmaputra river in China (known as Yarlung Tsangpo), is presently witnessing a damming spree with a major hydro-electric project under construction at Zangmu to be followed by five more dams across the river, data received from satellite imageries do indicate activities in the reported area. *The Pioneer, New Delhi, p. 9.*

_________ BJP president Nitin Gadkari accused the UPA Government of 'promoting futures trading in commodities' leading to a scandal of over Rs 2.8 lakh crore. The trade is only on paper. In the commodity exchange, 1.22 crore tonnes of turmeric were sold while the actual delivery was only five per cent of it. Similar is the case with other commodities also. It is a big scandal of Rs 2.8 lakh crore. In the name of commodity exchange, the UPA government is looting people," he claimed. *The Pioneer, New Delhi, p. 3.*

February 15 Baba Ramdev, said the country's political system had become synonymous with corruption, which was threatening the existence and sovereignty of the country. Baba said that in the coming years, his organisation - Yoga Samiti volunteers - would fan out from the whole country to imbibe in youth the spirit of 'Bharat Swabhiman' - the self-esteem of nation. *The Pioneer, New Delhi, p. 5.*

_________ Activists of Vishwa Hindu Parishad (VHP) and the Bajrang Dal hurled stones at a city theatre showing Shah Rukh Khan-starrer 'My Name Is Khan (MNIK) in an attempt to stop the screening of the movies as part of the countrywide protests by these two parties against the Bollywood star's IPL comment. *The Tribune, New Delhi, p. 2.*

_________ In a rare honour, a life-size portrait of celebrated Indian-origin Nobel Prize winning writer VS Naipaul has been unveiled at the National Portrait Gallery in the UK. *The Pioneer, New Delhi, p. 11.*

_________ Shahzad Alam, an IM member arrested from Azamgarh in Uttar Pradesh on February 1, had spoken of efforts to regroup and launch attacks this year. The outfit that calls itself Indian Mujahideen to emphasise its Indian roots and not Pakistani involvement is the prime suspect in blast in Pune. *The Hindustan Times, New Delhi, p. 8.*

February 16 India plans to progressively base six surface-to-air Akash missile squadrons in the North-East to counter the threat posed by Chinese fighters, helicopters and drones in the region. *The Times of India, New Delhi, p. 13.*

_________ Scores of Maoists ambushed security forces in Silda (just 30 km from Midnapore town) killing 21 Eastern Frontier Rifle (EFR) jawans and abducting many injured soldiers. In the most devastating and daring Naxal attack in Bengal so far. *The Times of India, New Delhi, p. 1.*

PDF Created with deskPDF PDF Writer - Trial :: http://www.docudesk.com

_________ Secretary of State Hilary Rodham Clinton said that the United States feared Iran was drifting toward a military dictatorship, with the Islamic Revolutionary Guard Corps seizing key positions in Iran's political, military, and economic establishment. *The Hindustan Times, New Delhi, p. 19.*

February 17 The world's libraries with their rich repositories and connective links to identified topics will soon be available online for students, researchers, scholars, teachers, trainers, writers, artists, evaluators and all other inquisitive members of the knowledge society. They will get access to solutions and linkages to their topics of interest. IGNOU Pro Vice-Chancellor and India's leading ICT expert Prof KR Srivathsan said. *The Pioneer, New Delhi, p. 2.*

February 18 The crisis in the BJP was not because of small leaders but the "over ambitious" senior leaders who were seeking more and more in terms of posts and perks for themselves, said party president Nitin Gadkari. Gadkari's plain-speak came at a closed-door session on the opening day of the three-day conclave of the party's national executive. *The Hindustan Times, New Delhi, p. 1.*

February 19 President Barack Obama hosted the Dalai Lama at the White House brushing aside China's warning that the meeting with the exiled Tibetan leader could further damage strained Sino-US ties. *The Times of India, New Delhi, p. 20.*

_________ the Maoists killed 11 people and injured over half-a-dozen villagers in a late night swoop on a village in Bihar's Jamui district. *The Pioneer, New Delhi, p. 1.*

February 22 Shiromani Gurdwara Parbandhak Committee (SGPC) today strongly condemned the beheading of Sikhs in Pakistan and asked Prime Minister Manmohan Singh to take up the matter with his counterpart in Pakistan. *The Tribune, New Delhi, p. 11.*

_________ The purification ceremony organised by the Vishwa Hindu Parishad (VHP) near Pujarli, the site of cow slaughter, passed off peacefully. After purification ritual a "yajna" was performed at the local ground. Incharge of the state VHP, Ram Mohan Sharma and some other religious leaders addressed the gathering, being a holi animal. *The Tribune, New Delhi, p. 10.*

February 23 "Had it only been about money, we (the Sikh community of Peshawar) would have contributed and paid the hefty ransom of Rs 3 crore and forgotten about it for the sake of their lives. But they (Taliban) had forced Jaspal to cut his hair and convert to Islam to which my brother refused and they beheaded him." He said Jaspal had sacrificed his life for the religion and to protect his identity. *The Times of India, New Delhi, p. 1.*

February 24 The city of Kollam will witness God's Own Country's biggest ever show of patriotic spirit when more than one lakh uniformed RSS volunteers will converge at the Ashramam Grounds for the Kerala Pranth Sanghik. RSS chief Mohan Bhagavat, who is visiting the State for the first time after assuming office, will address the gathering at the Sanghik. *The Pioneer, New Delhi, p. 7.*

_________ Iran said that its security forces have captured the top leader of armed Sunni group Jundallah whose insurgency in the southeast has destabilised the border region with Pakistan. Lawmaker Mohammad Dehghan told the official IRNA news agency that Rigi was flying over the Persian Gulf en route from Pakistan to an unidentified Arab country when his plane was ordered to land in Iran. *The Indian Express, New Delhi, p. 12.*

___________ Days after beheading of two abducted Sikhs by Taliban in the restive tribal belt, a Pakistani Hindu man has been reportedly kidnapped from here and his abductors have demanded Rs 10 million for his release. *The Tribune, New Delhi, p. 18.*

_________ Close on the heels of the killing of two abducted Sikhs by Taliban in the case of kidnapping of a Pakistani Hindu has come to light. The victim, Robin Singh, was abducted from a market on the University Road in Peshawar in broad day light last, an official statement said. *The Pioneer, New Delhi, p. 1.*

_________ N Padmalochan, a senior CPM leader and mayor of Kollam, regretted being the chief guest of the RSS on being reprimanded by the party. However, RSS state joint secretary J Nandakumar said his organisation had invited the mayor as the head of the city. Several leaders from other political streams had attended the RSS functions in the past. *The Indian Express, New Delhi, p. 6.*

February 25 A day after *Hindustan Times* reported that at least 50 people had died of chronic hunger in Orissa's impoverished Bolangir district, the state's opposition parties demanded the resignation of Chief Minister Naveen Patnaik of the Biju Janata Dal. *The Hindustan Times, New Delhi, p. 1.*

February 26 Jamaat-ud-Dawa chief Hafiz Mohammad Saeed, said the only solution to problems between India and Pakistan is the "liberation of Jammu & Kashmir, failing which radical groups would resort to the "option of *jihad*". *The Times of India, New Delhi, p. 11.*

_________ The Opposition held the Government responsible for the unprecedented rise in food prices alleging it had patronised a series of scams in exports and import of sugar, rice, wheat and pulses. Leveling serious charges against Agriculture Minister Sharad Pawar for failure to check price rise, the opposition staged a walkout of the Lok sabha. *The Pioneer, New Delhi, p. 5.*

_________ Lucknow: Over a dozen people, including former BJP president Rajnath Singh, were reportedly injured when the party workers exchanged brickbats with the district police during their protest against price rise. The police said only one cop was injured. *The Indian Express, New Delhi, p. 3.*

PDF Created with deskPDF PDF Writer - Trial :: http://www.docudesk.com

_________ Days after he apologized to Kerala CPM leaders for inaugurating an RSS office, the party suspended Kollam Municipal Corporation mayor N Padmalochanan from the party for one year. He also stepped down from the mayoral post. *The Times of India, New Delhi, p. 13.*

_________ Indian artist MF Husain, who has been under attack from Hindu groups for his paintings of Hindu goddesses obscenely has been given Qatar nationality. *The Tribune, New Delhi, p. 1.* In Kerala, RSS chief Mohan Bhagawat said, "We will neither oppose nor welcome his return. But it is always good to show respect to other's sentiments." *The Hindustan Times, New Delhi, p. 1.*

February 27 Nine Indians were among 18 people killed in a series of attacks by the Taliban in central Kabul. The Taliban claimed responsibility for the multiple attack. One of these was a bomb explosion outside an apartment block that housed many Indians, many military men working at the hospital. *The Hindustan Times, New Delhi, p. 22.*

_________ Washington: Japan offered to hide Afghanistan's Bamiyan Buddha statues to prevent the Taliban from destroying them, but the hardline regime instead suggested the Japanese convert to Islam, a new memoir says. Japan was the most active country in pressing the regime not to demolish the 1,500-years-old statues in 2001. *The Times of India, New Delhi, p. 28.*

February 28 Rashtriya Swayamsevak Sangh veteran and former Rajya Sabha member Nanaji Deshmukh passed away at a private hospital in Chitrakoot. He was 94 and was unwell for some time due to age-related ailments. A Padma Vibhushan awardee, Deshmukh had founded Deendayal Research Institute and was credited for exemplary work in the held of education, health and rural self-reliance. *The Pioneer, New Delhi, p. 1.*

_________ Former PM A.B. Vajpayee described Nanaji Deshmukh as a fighter who strengthened the movement of Jai Prakash Narayan against the Emergency of 1975-77 and an "expert in handling challenges". By voluntarily dissociating himself from politics, he became a role model and created self-sufficient model towns like Gonda and Chitrakoot, he said. *The Hindustan Times, New Delhi, p. 8.*

March 1 There are signals that India's academic equity is on the rise. At least, that is what 15 acclaimed academics from the Cambridge University think. They have flown down to India between December 2009 and January 2010 for academic exchanges, holding workshops, delivering lectures and assisting research works. *The Indian Express, New Delhi, p. 8.*

March 3 Actor Nana Patekar believes he cannot limit himself to being a Maharashtrian since that would mean limiting his soul. "I am as much a Gujarati, Punjabi or of any other community in the country," he said. *The Indian Express, New Delhi, p. 7.*

March 4 Hindus living in the US have urged the Penguin Group to immediately withdraw noted scholar Wendy Doniger's book on the community, alleging that it has numerous errors in its historical facts and Sanskrit translations. *The Tribune, New Delhi, p. 15.*

March 6 The amended Nanakshahi calendar is under print and will be released before march 14. Dates of four *gurpurbs* of agman of Guru Gobind Singh, Jyotijot Samana of Guru Gobind Singh, Gurta Gaddi of Guru Granth Sahib and martyrdom of Guru Arjan Dev had been incorporated into the calendar. There was no change in the date of birth of Guru Nanak Dev and the Diwali festival. *The Tribune, New Delhi, p. 5.*

_________ The Centre today said it was considering enhancing powers of the Press Council of India in view of the rising number of complaints about "paid news". *The Tribune, New Delhi, p. 2.*

March 7 The fresh controversy surfaced after Chouhan, during a visit to Mirzapur said the state government was contemplating introducing the 'Bhagwad Gita' in school curriculum. The CM had said that for moral education, study of the Gita is necessary. *The Times of India, New Delhi, p. 11.*

_________ The ecological balance of Tibet plateau has become fragile with glacial shrinkage, reduced snowfall and land desertification, a phenomena that can affect the water flow in the Indian rivers. *The Pioneer, New Delhi, p. 1.*

March 9 The Municipal Corporation of Delhi (MCD) today granted Rs. 3.15 crore to five cow shelters in the city for their upgradation and better management. *The Tribune, New Delhi, p. 4.*

March 10 The US Government and human rights activists called for Nigeria to investigate and prosecute those responsible for the death of more than 200 unarmed people in renewed violence between Christians and Muslims. Attackers killed more than 500 people in a weekend attack, even as Christian leaders in a Southern state have threatened reprisal against the killers. *The Pioneer, New Delhi, P. 11.*

_________ Nepal's dethroned king has come out in support of a campaign to restore the country as a Hindu state at a rare public appearance near the world famous Pashupatinath temple in the capital. *The Pioneer, New Delhi, p. 11.*

March 11 Come July, Kirori Mal College (KMC) will be the only co-educational institution in North Campus to have separate sections for students where Honours courses will be taught in Hindi. The college will initially begin with History (Honours) and Political Science (Honous) from the new academic session. *The Hindustan Times, New Delhi, p. 7.*

PDF Created with deskPDF PDF Writer - Trial :: http://www.docudesk.com

March 14 Opposition parties, let by the BJP, staged a walkout from J&K assembly in protest against a private member's bill seeking to debar women of their right to property and jobs if they marry someone from outside the state. *The Times of India, New Delhi, p. 13.*

March 15 Iran's supreme leader Ayatollah Khamenei urged Iranians to shun next week's Persian fire festival as an un-Islamic event which causes "a lot of harm." Fire festival is India's lasting influence since the Ancient Pre Islamic Iran. *The Times of India, New Delhi, p. 2.*

March 17 Yoga guru Baba Ramdev announced his decision to float a new political party within three years. "The party will contest all seats in the next general election but I will not be a candidate," said Ramdev. *The Pioneer, New Delhi, p. 1. & 4.*

March 18 Lawmakers belonging to Pakistan's minority Hindu community walked out of Parliament to protest a top judge's remarks that Hindus might be financing terrorist attacks in the country. *The Hindustan Times, New Delhi, p. 18.*

March 19 A centuries-old temple, believed to have been visited by King Ravana's wife Mandodari, in Sri Lanka's north-east has been restored to its past glory by the Army in Sri Lanka. *The Pioneer, New Delhi, p. 11.*

March 20 Hardline separatist leader Syed Ali Shah Geelani has demanded that the days of the annual Amarnath Yatra should be reduced. From the present two months to save the delicate ecology of Kashmir. *The Tribune, New Delhi, p. 6.*

_________ 192-year-old, Presidency College will turn into presidency University, the 18th state university in West Bengal. *The Hindustan Times, New Delhi, p. 8.*

_________ Shanghai: US internet giant Google will close its business in China next month and may announce its plans in the coming days, Chinese media reported after rows over censorship and hacking. *The Times of India, New Delhi, p. 22.*

_________ On the last day of the session the Karnataka Assembly passed the controversial "Karnataka Prevention of Slaughter and Preservation of Cattle Bill 2010", which was introduced by the BJP Government amidst chaos and vociferous protests by the Opposition. The Assembly also passed several other Bills which include long-pending Karnataka Sanskrit University Bill. *The Pioneer, New Delhi, p. 4.*

March 21 Stating Article 370 as dangerous for the unity and integrity of India, Mohan Bhagwat of the RSS said the Article should be scrapped at earliest to ensure safety of the people of Jammu and Kashmir from the evil designs of terrorist outfits functioning from across the border. He also dedicated the *samarak* of Dr Shyama Prasad Mookherjee, named as Ekta Sathal, at Madhopur bridge on the Punjab-J&K border. *The Tribune, New Delhi, p. 24.*

_________ Firebrand VHP leader Praveen Togadia, who was arrested while trying to enter riot-hit Kandhamal district despite prohibitory orders, was released by Orissa Police on a personal bond. *The Indian Express, New Delhi, p. 7.*

_________ Janata Party president Subramanian Swamy issued an "ultimatum" to Prime Minister Singh demanding that Raja be sacked by tomorrow following the Supreme Court's decision. *The Pioneer, New Delhi, p. 5.*

_________ A fast track court in Odisha's Kandhamal district acquitted 14 people, including a BJP legislator, in a Kandhamal riot case, an official said. "Fourteen people have been acquitted in the case," public prosecutor Bijay Patnaik said. *The Pioneer, New Delhi, p. 5.*

March 23 Rashtriya Swayamsevak Sangh (RSS) ideologue M.G. Vaidya hinted that the BJP, which had been drifting away from Hindutva, was back on track under Nitin Gadkari, the RSS choice for BJP president. *The Hindustan Times, New Delhi, p. 10.*

_________ Former HRD minister Arjun Singh has written to Prime Minister Manmohan Singh expressing fear that the prestigious central university Jamia Mellia might fall into the hands of fundamentalist forces. *The Times of India, New Delhi, p. 14.*

_________ BJP president Nitin Gadkari stressed on the need for a modern idiom to articulate Hindutva for the youth, even as he said that the Supreme Court's 1995 description of Hindutva (where in it described it as "a way of life") must be the touchstone while explaining the idea. *The Indian Express, New Delhi, p. 3.*

_________ While he created a ripple during the last rites of former Nepali prime minister G P Koirala by sitting next to Maoist chief Pushpa Kamal Dahal 'Prachanda' at the burning ghat in Kathmandu's Pashupatinath, former BJP president Rajnath Singh created a storm by calling for a Hindu state in the newly secular republic. *The Times of India, New Delhi, p. 16.*

March 25 Karunanidhi said: "As most of the workers were from the Hindi heartland, it is appropriate to play songs in their mother tongue. The DMK was not opposed to Hindi as a language. The party opposed the imposition of Hindi". *The Tribune, New Delhi, p. 9.*

_________ Prime Minister Manmohan Singh condoled the passing away of noted educationist Prof Amrik Singh, Expressing sorrow over his demise, the PM described the professor as one of his dearest friends, a great educationist and a very fine human being. *The Indian Express, N. D., p. 5.*

PDF Created with deskPDF PDF Writer - Trial :: http://www.docudesk.com

_________ Bitter battle has broken out among family members for control of one of the country's oldest and most respected media companies, Kasturi & Sons Ltd, the publisher of the 132-year-old English newspaper *The Hindu* and business daily *The Hindu Business Line.* At the heart of this battle is the proposed retirement of publisher and the group Editor-in-Chief N Ram and his decision to dig his heels in. *The Indian Express, New Delhi, p. 1.* & 2.

_________ BJP president Nitin Gadkari made an appeal to the *yoga guru* to go slow on any political project. *The Indian Express, New Delhi, p. 3.*

March 26 The member secretary of Ranganath Mishra Commission and former secretary for Social Justice and Empowerment Asha Das has alleged that the members of the Commission carried out alternation in some of the chapters without her information. Speaking at the India, Policy Foundation on 'Ramification of Ranganath Mishra Commission report' in Delhi, she said that that original draft of the report was replaced by an alternative draft of the report in meeting of the Commission which was not attended by her. *The Pioneer, New Delhi, p. 5.*

_________ The Cabinet Committee approved the establishment of National Knowledge Network which seeks to interconnect all knowledge institutions in the country through high speed data communication network, at an outlay of Rs 5,990 crore to be implemented by NIC over a period of 10 years. *The Times of India, New Delhi.*

March 28 A national database of lawyers affiliated with Congress will help form domain expertise using their experience. We can train them and bond them into judiciary. The call, with Congress chief Sonia Gandhi and Prime Minister Manmohan Singh on the dais, led to murmurs in the gathering as it was interpreted that there will be a preference for lawyers affiliated with the Congress in the selection or judiciary. *The Times of India, New Delhi, p. 18.*

_________ In a significant revelation, Indian Space Research Organisation (ISRO) has confirmed the glacial area in the Himalayan region has undergone an overall reduction from 5,866 sq km to 4,921 sq km since 1962, showing that glaciers have decreased by 16 per cent. *The Pioneer, New Delhi, p. 1.*

March 29 A city in eastern China has been identified as the world capital of cyber espionage by a US interned security company. A high number of "targeted attacks" on computers come from China than previously thought. Researchers for Symantec found almost 30 percent of "malicious" emails were sent from China and that 21.3 came from the city of Shaoxing alone. *The Times of India, New Delhi, p. 20.*

March 30 The Vishwa Hindu Parishad (VHP) demanded a complete halt to all hydroelectric project works on river Ganga in the BJP-ruled Uttarakhand, saying alternative methods should be explored to generate power. *The Pioneer, New Delhi, p. 5.*

Mach 31 Iran's intelligence agents mounted a "complicated" cross-border mission and freed an Iranian diplomat kidnapped in 2008 by gunmen in north western Pakistan. Iran had asked Pakistan to free the diplomat, but after it failed to do the job, Tehran had handled the problem itself. *The Times of India, New Delhi, p. 24.*

_________ Tension was sparked off among locals after carcasses of around a dozen slaughtered cows were recovered near a makeshift market in RK Puram area in South Delhi. The incident, that led to a strong protest, carried out by local residents, BJP workers and Vishwa Hindu Parishad activists, was reported from Indira Market in RK Puram. *The Pioneer, New Delhi, p. 3.*

Select Articles

Epic story, Today's Ravana more criminal : Dina Nath Mishra, The Pioneer, Foray, New Delhi, January 3, 2010, p. 5.

If Ravana's crime is compared to the monarchs to today, then their crimes are more heinous. The entire fault lies in the education system and its reform must include value education. The biggest stumbling block in the way is the misplaced understanding of secularism.

Hamirpur to have several projects : Dharam Prakash Gupta, The Tribune, New Delhi, January 3, 2010, p. 9.

Dhola Sidh hydel power project, which would not only be the first such project in this district but also in the region would be beginning this year. The second project which, would be commissioning this year is the Indian Institute of Hotel Management (IIHM) being set up at Salasi. This institute would start functioning in the New Year. A technical university, which would be affiliating university for all technical institutes and such other institutions would also start functioning in the new year here. The union ministry of surface transport had already cleared its technical bids and work on about 6 km bypass for the Hamirpur town.

UPA is moving slyly on J&K : Sandhya Jain, The Pioneer, New Delhi, January 5, 2010, p. 8.

The Government must end the doublespeak on Jammu & Kashmir and inform the Indian people if there is a covert understanding, under American aegis, to unravel the northern State bit by bit and surreptitiously cede it to Pakistan. A leading national daily reported a 'strong' Indian reaction to Syed Mehdi Shah, newly elected 'first Chief Minister' of Gilgit-Baltistan, calling it the "fifth province" of Pakistan. An embarrassed External Affairs Ministry rushed to declare: "The entire state of Jammu & Kashmir is an integral part of India by virtue of its accession to India in 1947. Any

PDF Created with deskPDF PDF Writer - Trial :: http://www.docudesk.com

action to alter the status of any part of the territory under the illegal occupation of Pakistan has no legal basis, and is completely unacceptable."

Amazing tales as history : Prafull Goradia, The Pioneer, New Delhi, January 6, 2010, p. 9.

Meghnad Desai has chosen to ignore facts recorded by Hindu, Muslim and Western historians while concocting a tale far removed from the truth. Sardar KM Panikkar said in his famous *Survey of Indian History*, "Indian history is of necessity, predominantly the history of the Hindu people... the Hindus still constitute over 80 per cent of her population. Besides, what is distinctly Indian has so far been Hindu."

Improve military ties with Dhaka : G Parthasarathy, The Tribune, New Delhi, January 7, 2010, p. 8.

Anti-India mindset is changing but past experience shows that the political mood in Bangladesh can be volatile and one can well see a return to the BNP order if Sheikh Hasina falters and cannot fulfil the people's growing aspirations.

Generally speaking : K. Subrahmanyam, The Indian Express, New Delhi, January 8, 2010, p. 10.

Strategic policy-making in India is exclusively a political function and not a military one. No doubt, ultimately at the time of the decision, if at all such need arises, it will be to a great degree influenced by the inputs of the chiefs of staff of the time but the final decision-maker will be the prime minister.

Not at the nation's cost : Rajiv Dogra, The Pioneer, New Delhi, January 11, 2010, p. 9.

It is nobody's care that there should be friction in India-Pakistan relations. But let us not be taken for fools. Let us not walk into an even bigger disaster than Sharm el-Sheikh. Our history is littered with bilateral agreements which were honoured by Pakistan only to the extent it suited them.

Lucknow Pathans have Jewish roots? : Sachin Parashar, The Times of India, New Delhi, January 11, 2010, p. 13.

Israel Govt has asked Indian Geneticist to study link between Afridis and the lost Tribes. The terms Ten Lost Tribes refers to the ancient Israeli tribes that disappeared from the Biblical account after Assyrians overran the Kingdom of Israel in 722 BC and sent them into exile. The tribes were named Asher, Dan, Ephraim, Gad, Issachar, Manasseh, Naphtali, Reuben, Simeon, and Zebulun. Two other tribes, Judah and Benjamin, had set up the Kingdom of Judah. The descendants of the tribes of Judah and Benjamin have survived as Jews. The belief persists that one day the Ten Lost Tribes would be found. Many groups claim descent from specific lost tribes. The Pashtuns - ethnic Afghans - are one such group.

Decoding the Liberhan code : A Surya Prakash, The Pioneer, New Delhi, January 12, 2010, p. 8.

The author debunks Lebrahan Commission report item by item and clause by clause and para by para, for producing. This kind of staff after 17 year and 5 crore of tax payers money to probe the destruction of a structure known as Babri Masjid in Ayudhia.

Can't be us, or can it? : Nadeem F Paracha, The Pioneer, New Delhi, January 13, 2010, p. 9.

'The Four Anti-Islam Elements', This is what the author writes: "Currently Islam faces grave dangers from the following four elements: Christians, Jews, Hindus and Atheists." In other words, everyone who's not Muslim is a threat to Islam. If such are the books being taught to children, is there any element of surprise left in watching certain TV personalities, politicians and their largely urban middleclass fans nodding in uncritical approval to what is simply a convoluted charade peddled as history and analysis? "Can't be us," becomes the mantra. Has to be some Christian/Jews/Hindu or other such 'anti-Islam' abomination.

Brave saga of Rani Ahilyabai comes alive : Tiego Bindra, The Pioneer, New Delhi, January 14, 2010, p. 9.

Francois Gautier said, "In spite of the many abuses on Indian women widely reported nowhere in the world have women been so honoured like in India. Half of the deities are feminine and the unique concept of *Shakti* honours the feminine element in all things. Countries such as France or the US never had a woman as their top leader, whereas India had Mrs Indira Gandhi ruling with a strong hand."

Australian for fear : Man Mohini Kaul, The Indian Express, New Delhi, January 15, 2010, p. 13.

Attacks on Indian students are hurting a blossoming relationship between India and Australia. The spate of attacks on Indian students and Dr Hanif's case has raised fears about the possible revival of the erstwhile 'White Australia' policy. Australia needs to rise beyond this.

Ranting against Iran : Adrian Hamilton, The Tribune, New Delhi, January 15, 2010, p. 13.

Too much comment is based on what people outside want to happen, not what will happen. The one near-certainty is that, if changes come, it will be from within the country not without.

Price rise, Mother of confusions : Dina Nath Mishra, The Pioneer, Foray, New Delhi, January 17, 2010, p. 5.

PDF Created with deskPDF PDF Writer - Trial :: http://www.docudesk.com

What caused the price rise? The blame game between States and the Centre has started. The Centre says hoarding is the main reason and States should curb it. States, in turn, say the Centre's policies are faulty. The common man gets no relief. (heard in the park) 'Rise in the prices of onion from Rs. 2/3 per kilo to Rs. 5 per kilo toppled B.J.P. sarkar in Delhi. Now the earth shaking price rise is no serious concern for this Congress sarkar. It enjoys life as ever. *Waha ri Duniya Wah re Zamane.*

Karat's corollary fails to satisfy, believers term it 'doublespeak' : VR Jayaraj, The Pioneer, New Delhi, January 17, 2010, p. 6.

"According to Karat, believers can join the party, work for it, agitate for it, suffer police torture for it, go to jail for it, etc. But they are not allowed to grow into leaders or get nominations for parliamentary elections unless and until they declare their atheism. In short, Karat is saying that his party is a pack of materialist leaders who can grow on the blood and energies of the believers," said Mathew.

Uncle Sam's pet-Tail wags the dog : Chidanand Rajghatta, The Times of India, New Delhi, January 17, 2010, p. 10.

They have little in common with each other. So what sustains the US-Pakistan relationship? But America fears that its self-destructive client will 'go splat': Pakistan has been making a living by threatening suicide.

Talking about talks : K Subrahmanyam, The Tribune, New Delhi, January 19, 2010, p. 8.

In a country where the Army can overrule the government, with whom should another sovereign government conduct negotiations?

Tibet's India connection : Priyadarshi Dutta, The Pioneer, New Delhi, January 19, 2010, p. 8.

The three-day international seminar at Vadodara on 'Buddhist Heritage in Gujarat' afforded the Dalai Lama another opportunity to reaffirm that the spiritual roots of Tibet lie in India. "India is the spiritual guru of Tibetans who are disciples of spiritual children of this ancient land."

Iran warns - If attacked, we'll target Western warships : Reuters, The Indian Express, New Delhi, January 20, 2010, p. 15.

Iran's defence minister warned that the Islamic Republic could strike back at Western warships in the Gulf if it were attacked over its nuclear programme. A large size tanker hit and sank in the straits of Hormuz can block the oil shipments for a considerable period.

IPL & India have made fun of us - Afridi : K Shriniwas Rao, The Times of India, New Delhi, January 20, 2010, p. 29.

The cold shoulder of Pakistani players by I.P.L. has already acquired diplomatic overtones and may well spark a row between the two nations.

Spinning tales : Prafull Goradia, The Pioneer, New Delhi, January 22, 2010, p. 9.

HR Bhardwaj has got his facts wrong on history. Had he read history of Karnataka H.R. Bhardwaj would not have made the following unkind remarks to an audience keenly interested in Vijayanagar and Krishnadeva Raya. "Muslim rulers might have been invadors but they were responsible for making India magnificent." It appears he did not come across the following passage written by Robert Sewell, a civil servant in colonial India, in his book *A Forgotten Empire*. "For a space of five months (in 1565) Vijayanagar knew no rest. The enemy had come to destroy, and they carried out their object relentlessly. They slaughtered the people without merry, broke down the temples and palaces; and wreaked savage vengeance on the abode of the kings." Sewell continued "Never perhaps in the history of the world has such havoc been wrought, and wrought so suddenly, on so splendid a city, one day, and on the next seized, pillaged, and reduced to ruins, amid scenes of savage massacre and horrors beggaring description". The city continued to burn for six months.

Pakistan's affront a certificate for India : Swapan Das, The Pioneer, New Delhi, January 24, 2010, p. 1.

The IPL, after all, is a privately-sponsored tournament and its team owners collectively decide that it is not worth the hassle to involve Pakistani cricketers. It can hardly be said to be a calculated affront to the Pakistani state and its people.

How the Red Corridor votes : Vandita Mishra, The Indian Express, New Delhi, January 28, 2010, p. 5.

Going by the 2009 Lok Sabha results, BJP is far ahead of Congress in terms of the seats won in areas most affected by Left wing extremism. Vandita Mishra takes a look at the political profile of the affected districts.

Can't have terror and cricket too : Shobori Ganguli, The Pioneer, New Delhi, January 28, 2010, p. 8.

Pakistanis speak a language India does not understand and vice versa.

PDF Created with deskPDF PDF Writer - Trial :: http://www.docudesk.com

Hasina delivers historic outcomes : Swarn Kumar Anand, The Pioneer, New Delhi, January 30, 2010, p. 9.

The recent official visit of Bangladesh Prime Minister Sheikh Hasina to India has injected new thrust and optimism into the traditionally stormy relationship. Sheikh Hasina's resolve to erase the anti India chapter in Bangladesh's diplomacy was ample evidence from the early days of her second term which began after a huge landslide poll victory in December 2008.

Mind your language, we're all Indians : Swapan Dasgupta, The Times of India, New Delhi, January 31, 2010, p. 22.

In a bewildering intervention, diplomat author Pavan Varma suggested that independent India began on the wrong culture when Jawaharlal Nehru delivered his memorable "tryst with destiny" speech in English. According to him, it was indicative of a perverse mindset and "testimony to how the roots of our own languages were weakened in 200 years of colonial rule." Nehru it would, seem, set the tone for the subsequent marginalization of the mother tongues in India.

No deal on Tibet status-China : Saibal Dasgupta, The Times of India, New Delhi, February 2, 2010, p. 21.

Only if the Dalai Lama completely abandoned claims of greater autonomy in Tibet that a foundation for further contacts and negotiations can be laid, Chinese officials said.

Hindu deities adorn US postages : S Rajagopalan, The Pioneer, New Delhi, February 2, 2010, p. 12.

It's legally valid, but not official, says issuing company. The postages in the denomination of 44 cents bear the images of Vinayaka, Murugan, Venkateshwara, Lakshmi, Shiva-Parvathi and Krishna, besides Sai Baba have been issued in U.S.

Reopening the old sectarian wounds : The Economic Newspaper Limited 2010, The Indian Express, New Delhi, February 3, 2010, p. 13.

Relations between Iraq's Shias and Sunnis have again been badly damaged.

Hindu festival thrives in Lahore : Sameer Arshad, The Times of India, New Delhi, February 4, 2010, p. 4.

Riotous cries of 'paecha' and 'bow katta' rent the air, as Lahoris in bright shades of yellow welcome spring on Basant with a burst of kites in the sky every February. Legend has it that 13th century sufi poet Amir Khusro, admiring the yellow flowers draped on idols in a temple, appropriated the 'Hindu festival' associated with cities of Lahore and Kasur in Pakistan and Amritsar in India.

Follow the leader, For corruption in media : Dina Nath Mishra, The Pioneer, Foray, New Delhi, February 7, 2010, p. V.

Corruption in the media has reached phenomenal proportions. Advertisements appear as news articles and news space is sold to politicians during elections. This amounts to misleading the reader who can't differentiate between an ad and news.

A schizophrenic nation : Chandan Mitra, The Pioneer, Foray, New Delhi, February 7, 2010, p. IV.

Why do we want to talk to Pakistan at this juncture? Frankly it baffles me. After suspending the dialogue post the heinous 26/11 events, admittedly plotted and directed from Pakistani soil and executed by Pakistani nationals who sneaked into India, the Government firmly declared not to talk till Islamabad showed concrete and visible progress in proceeding against the masterminds.

Arrogant Congress ignores inflation : Swapan Dasgupta, The Pioneer, New Delhi, February 7, 2010, p. 1.

It is unduly harsh to say that Pakistan has got away with the Mumbai massacre, but it would be fair to say that Islamabad now knows that a Hindus has an infinite capacity to endure pain and still smile at those who inflicted it. In the value system of our neighbouring country, this resilience doesn't necessarily prompt grudging respect. It reinforces the caricature of the cowardly Hindu.

Islam's stockpile of human bombs : Kanchan Gupta, The Pioneer, New Delhi, February 7, 2010, p. 4.

Loyalty to Islam and sacrifice for the *ummah*. she was heard saying, "I have always wished to knock at the door of heaven carrying skulls belonging to the sons of Zion.

Most Chinese want cold war with US : Michael Sheridian, The Times of India, New Delhi, February 8, 2010, p. 19.

In China's eyes, Obama's pledge to get tougher on trade is a reaction against its rising power. Now 55% of Chinese people agree that a cold war will break out between the US and China.

Muslim vote at any cost : a Surya Prakash, The Pioneer, New Delhi, February 9, 2010, p. 8.

PDF Created with deskPDF PDF Writer - Trial :: http://www.docudesk.com

The Congress is now going all out to garner Muslim support. Remember the Prime Minister's outrageous and unconstitutional assertion that the Muslims have the first right on the nation's resources and the appointment of the Sachar Committee? - the party is now giving fresh impetus to the cultivation of this minority vote-bank.

US props up Pakistan : CP Bhambhri, The Pioneer, New Delhi, February 11, 2010, p. 9.
Indian foreign policy is quite at the crossroads because it has put all its eggs in the American basket. Indian policy-makers are at their wit's ends because their options in post-America Afghanistan are quite limited, Pakistan will have a free hand and its first last will be to kick out Indians from their neighbouring country.

Say no to Muslim quota : Anuradha Dutt, The Pioneer, New Delhi, February 11, 2010, p. 9.
By quashing the Andhra Pradesh Muslim quota law, framed by the Congress, the High Court has set a healthy precedent. Meanwhile, rather than demand a communal quota, Muslims should ponder over whether Islam sanctions caste and class divisions on which quotas are based.

Kumbh sants talk at Mela : Nandita Sengupta, The Times of India, New Delhi, February 12, 2010, p. 17.
The Kumbh's not just a get-together. It's a conference, no less, of the top layer of the thousands of keepers of Hinduism. They meet every three years to confer on the state of Hinduism, review how Hinduism's shaping up in the country, and narrow down focus points for the next three years. This year, they're talking heavy about communal harmony, projects on the Ganga. And they want to go serious on taking care of India's cows.

India loses to Pakistan : G Parthasarathy, The Pioneer, Agenda, New Delhi, February 14, 2010, p. 1.
Relations with India and Afghanistan are today almost exclusively determined by the military establishment in Pakistan, with the elected leaders and Parliament playing second fiddle. The boss of the show is not Prime Minister Yusuf Raza Gilani, but General Ashfaq Parvez Kayani. Prime Minister Manmohan Singh seems to have forgotten that Pakistan is a "victim" of terrorism sponsored by *jihadis* whom its military had trained to "bleed" India and seek "strategic depth" in Afghanistan.

Playing to the Muslim gallery : Balbir K Punj, The Pioneer, New Delhi, February 15, 2010, p. 8.
Starting with RSS Sarsanghachalak Mohan Bhagwat, to cricketer Sachin Tendulkar, Congress general secretary Rahul Gandhi and matinee idol Shahrukh Khan, everyone in this country is first and foremost an Indian; the regional identity of every Indian is secondary. Like the proverbial ill wind that brings some good, what the Shiv Sena chief has said has fetched something good for the country too: Everybody is now eager to repeatedly assert that he or she is an Indian first and foremost. That's a big thumbs up for India.

Islamic firebrands challenge Hamas : Karin Laub, The Pioneer, New Delhi, February 16, 2010, p. 9.
The Salafi movement has grown across West Asia; preaching an ultraconservative Islam similar to Saudi Arabia's, strictly segregating the sexes and interpreting religious texts literally. Salafis tend to be non-political, but a minority *jihadi* stream embraces the Al Qaeda call for holy war against the West and the moderate Arab leaders in its camp.

Hindus ignored in Muslim J & K : Sandhya Jain, The Pioneer, New Delhi, February 16, 2010, p. 8.
More dangerously for the Republic, religious cleaning operations are covertly going on in the Muslim-majority areas of Jammu, though the State Government is hiding the magnitude of this internal displacement. Many Hindus view the amnesty scheme as a new incarnation of the Jammu & Kashmir Grant of permit for Resettlement Act, 1982, which was ultimately stayed by the Supreme Court on a petition by Mr Bhim Singh of the Panthers party, Sheikh Abdullah had piloted this legislation after has victory in the July, 1977 State Assembly.

The march of the nations : Gautam Mukherjee, The Pioneer, New Delhi, February 19, 2010, p. 8.
Security Council is gridlocked. This has forced unilateral action on the part of its strongest member, namely the US, but might embolden others to follow suit in future, provided they can likewise finance their military adventures. Hegel called this process "the march of nations", implying where these lead nations go, the rest of the world is constrained to follow. Today, we might describe the phenomenon by just one word - globalisation, which admittedly is a little fuzzy about the inner workings of the power equations.

Myopic Marxists : Prafull Goradia, The Pioneer, New Delhi, February 19, 2009, p. 9.
That the Marxist-led Government of West Bengal should go in for reservation on the basis of religion is a paradox. Islam prescribes the godly monopoly of *Allah* whereas Karl Marx denied the existence of god and his followers called religion the opium of the masses.

There's a Trojan in the EVM! : A Surya Prakash, The Pioneer, New Delhi, February 23, 2009, p. 8.
Mr Gonggrijp is a prominent campaigner for election transparency and verifiability, and his technical opinion appears to have clinched the issue against electronic voting in Germany as well. "When the vote count happens inside a machine and there is no way in which the result can be cross-checked, the election cease to be transparent." This is

PDF Created with deskPDF PDF Writer - Trial :: http://www.docudesk.com

the point on which the German Constitutional Court has held the deployment of EVMs as un-constitutional. It says the Constitution emphasises the public nature of elections and requires all essential steps to be open to public scrutiny.

Victims of Islamic bigotry : Anuradha Dutt, The Pioneer, New Delhi, February 25, 2010, p. 9.
The beheading of Sikhs in Pakistan and the assault on a temple at Sonargaon in Bangladesh point towards the plight of non-Muslims in Muslim majority countries. The situation is clearly intolerable and India must exercise its moral authority to come to the aid of innocent victims.

Dealing with Maoists : Kalyani Shankar, The Pioneer, New Delhi, February 26, 2010, p. 9.
The so-called ceasefire offer made by the Maoists should be treated with utmost caution by the Government as the Left-wing extremists are known to use the cover of dialogue to recover, regroup and reassert their violent politics. To rush in blindly would be disastrous.

Dalai Lama, Tibet, CIA : Dmitry Kosyrev, The Pioneer, New Delhi, February 26, 2010, p. 9.
If the US orients the Tibetan emigration to work against China, this is not a trifle. This is why Beijing is so nervous about the Dalai Lama's ceremonial visits to the White House. This is why it is so closely following specific moves made by the Department of State in this direction. After all, the Dalai Lama's views on the inseparability of the destinies of Tibet and China are well known.

Nuclear track record : K. Subrahmanyam, The Tribune, New Delhi, February 27, 2010, p. 12.
Pakistan seems to think that South Asia is an island continent like Australia and there are no countries in it other than India and Pakistan. Pakistan refuses to allow access to A.Q. Khan by the International Atomic Energy Agency. With this unique record of nuclear irresponsibility, Pakistan expects that it should be treated on a par with India and its fairytales will be credible to the international community.

Sharm el-Sheikh in New Delhi : Chandan Mitra, The Pioneer, Agenda, New Delhi, February 28, 2010, p. 4.
The dialogue of the deaf last Thursday had one clear winner, Pakistan, and one comprehensive loser, India. Prime Minister Manmohan Singh capitulated again and will live to regret it. Watching from the sidelines, the entire drama that played out seemed surreal. It was like a neighbour waling into your house saying 'You have a lovely lawn. Give it to me.' You refuse. He slaps you hard and keeps assaulting or insulting you endlessly. Finally, you get so scared you invite him over for tea. He walks in, reiterated his claim and adds a few more items to his wish-list. He has, meanwhile, mobilised the local dada who stands guard, intimidating you further. Obviously you can't accept the preposterous demands. So he slaps you again and walks out threatening more violence. You cower into a corner, tremulously awaiting the next assault!

China on ego trip, May lead to World War III : Dina Nath Mishra, The Pioneers, Foray, New Delhi, February 28, 2010, p. V.
China has been propagating that it is the world's No 1 superpower. However, it's claims stand belied as technologically there are at least four nations much ahead of it. China's threats to India are not so potent as India is as powerful.

Blackmail in the name of human rights for all : Swapan Dasgupta, The Times of India, New Delhi, February 28, 2010, p. 24.
Beg and Gild incident involves more than the misjudgment of one reputable human rights body. It is a classic case study of the derailment of the human rights industry - yes, it is an industry - and its takeover by politically driven activists.

Securing national security : Brajesh Mishra, The Pioneer, New Delhi, March 1, 2010, p. 9.
As China and Pakistan have begun to coordinate their activities to keep India preoccupied in South Asia and deny it any worthwhile role in global strategic affairs it's time we increase our defence capability so that we can defend ourselves against both the countries. Unlike in 1971 when we were assured of Soviet support through the Friendship Treaty, today we have no one to held us even against Pakistan, much less China. Our petty electoral politics is very often against India's national interest. Political parties indulge in slogans and activities that have an adverse impact on our unity.

Muslims need to introspect : Balbir K Punj, The Pioneer, New Delhi, March 1, 2010, p. 8.
The beheading of two Sikh hostages by the Pakistani Taliban who, it is said, still hold three more Sikhs captive, represents a problem not just for India but for the entire civilised world. Meanwhile, Pakistan is in no mood to take responsibility for the crime and go after the perpetrators as it continues to maintain that the beheadings were carried out by those outside the Pakistani state apparatus. It is appalling that secular apologists and peaceniks in India as well as the Muslim leadership here are silent on this brutality.

PDF Created with deskPDF PDF Writer - Trial :: http://www.docudesk.com

The second deception : K. Subrahmanyam, The Indian Express, New Delhi, March 3, 2010, p. 10.

It is not yet clear that the US will leave Afghanistan at the mercy of Pakistan. Pakistan has ensured that Baradar and other leaders will not be handed over to the Americans by arranging for the invocation of a court order. There is a high probability that the Pakistan army is trying out on the Americans the very successful deception plan they carried out in 2001.

Nanaji made self-reliance work : Upamanyu Hazarika, The Pioneer, New Delhi, March 3, 2010, p. 9.

Chitrakoot, where Nanji Deshmukh spent the last two decades of his life after giving up politics, demonstrates the viability of Mahatma Gandhi's ideal of self-reliant village communities. A model of development for rural India can be found in his selfless service.

Islamic scholar Wilders' best witness : John C Zimmerman, The Pioneer, New Delhi, March 4, 2010, p. 9.

Mr Muhammad Taqi Usmani is a highly respected and well-known expert on Islamic law who served for 20 years as a *Sharia'h* judge on Pakistan's Supreme Court. He is quite possibly the world's most influential Islamist thinker and writer outside of West Asia. His monograph *Islam and Modernism* caused a great deal of controversy.

He states that "in my humble knowledge there has not been a single incident in the entire history of Islam where Muslims had shown their willingness to stop *jihad* just for one condition that they be allowed to preach Islam freely." He cities the *Quran* to the effect that "killing is to continue untill the unbelievers pay *jizya* after they are humbled and overpowered.

Essentially, Mr Usmani is arguing that Islam cannot compete on an equal footing with non-Islamic doctrines and that it is the subjugation of the non-believers to Islamic rule that is needed before they will convert. Hence, Islamic rule must precede conversion efforts.

Defence doctrine, facing up to war on two fronts : Gurmeet Kanwal, The Tribune, New Delhi, March 4, 2010, p. 11.

Indian analysts have concluded that during a future Indian military conflict with China, Pakistan is likely to come to China's military aid and vice versa.

Them and US : Shekhar Gupta, The Indian Express, New Delhi, March 6, 2010, p. 12.

A weak America means we will find ourselves on our own in the roughest of neighbourhoods sooner than we thought.

Green responsible for Babri mess : Shoib Hasan, The Pioneer, New Delhi, March 10, 2010, p. 8.

The Government-appointed red-bearded beauties of the All-India Muslim Personal Law Board are responsible for almost all the controversies that plague the Muslim community. The Babri Masjid controversy is one such example. The issue was taken up by the AIMPLB for its own vested interests and blown out of proportion. Otherwise, the matter could have been sorted our amicably.

'Need to identify enemy within' : Amrish Baagri, The Pioneer, New Delhi, March 11, 2010, p. 1.

Leading security experts, including former Secretary, DAE Anil Kakodkar, former Defence Secretary Yogendra Narain and former director of Intelligence Bureau Ajit Doval echoed the view that when the external forces failed to defeat India in direct warfare, they started aiding and creating forces to cause internal disturbance in the form of terror attacks.

The convention was attended by many prominent personalities, including RSS chief Mohan Bhagwat, his predecessor KS Sudarshan, Uttarakhand Chief Minister Ramesh Pokhriyal 'Nishank' Himachal Pradesh Chief Minister Prem Kumar Dhumal, senior BJP leader Najma Heptullah, former chairperson of the National Commission for women Poornima Advani, Sri Avdheshanand Giri Maharaj, Acharya Mahamandaleshwar of the Juna Akhara, Art of Living Foundation founder Sri Sri Ravi Shanekr and Deputy Speaker of Lok Sabha Karia Munda among others.

India's role in Afghanistan irks Pak : Sushil Vakil, The Kashur Gazette, New Delhi, March 13-19/3-10, p. 1. & 6.

The recent developments in the region give enough indications that Pakistan is desperate over the growing influence of India in Afghanistan. After failing to garner international support on opening dialogue with *Taliban* the country is now resorting to attack Indians working across the war ravaged country through its ISI and Islamic fundamentalists - *Taliban* and *Al Qaeda*.

Don't block the 'internet Hindus' : Kanchan Gupta, The Pioneer, Agenda, New Delhi, March 14, 2010, p. 4.

Hindus who are proud to assert their identity and fly the Tricolour high have now found a new platform to have their say, the way they want it, without fear of being shouted down. Tired of being derided by pseudo-secularists in media who see nothing wrong with Muslim communalism and Christian fundamentalism but are swift to pounce upon Hindus for being 'intolerant', their cultural ethos crudely denigrated by the Left-liberal intelligentsia as antediluvian,

PDF Created with deskPDF PDF Writer - Trial :: http://www.docudesk.com

Hindus have begun to harness technology to strike back with deadly effect. We can describe them 'Internet Hindus', their tribe is growing by the day. The Right is gaining ground as is the access and reach of the Net; newspapers and news channels, the Left's last refuge, no longer command absolute control over information flow; It would be unwise to 'black' the voice of 'Internet Hindus' as then their clamour to be heard will further increase and there is nothing we can do to silence them. The times they are a-changin'.

Kumbh-The flow of faith : Vithal C Nadkarni, The Speaking Tree, New Delhi, March 14, 2010, p. I.

There is obviously more to the Kumbh than just the prospect of getting rid of bad karma in a stream charged with the nectar of immortality. The Kumbh also represents the tenacity of our civilisational belief in transcendence and our gutsy appetite for life. We worship rivers as mothers who have been covering up our 'sins' like all-forgiving Moms. We've taken them for granted. It's time now to show some responsibility, with a new faith and deep ecology, says Vithal C Nadkarni.

Will community, caste shortchange women? : Chandan Mitra, The Pioneer, Agenda, New Delhi, March 14, 2010, p. 4.

The irony is that in trying to introduce a progressive law, the Government may have ended up stoking highly regressive caste and community passions that could well plunge the country back into tumult reminiscent of the early-1990s when Mandal and Babri became the divisive poles of Indian politics.

India is clueless on Afghanistan : CP Bhambhri, The Pioneer, New Delhi, March 16, 2010, p. 9.

The Hamid Karzai regime, the Americans and the Taliban are all promoting a role for Pakistan in Afghanistan. This has left India nowhere, says CP Bhambhri.

BJP must say no to women's Bill : Sandhya Jain, The Pioneer, New Delhi, March 16, 2010, p. 8.

The Congress's sphinx-like supremo, who make passage of the women's reservation Bill in the Rajya Sabha on International Women's Day a matter of personal prestige, is not known for cogent analysis and articulation on any issue.

But first, BJP leaders Ms Sushma Swaraj (Lok Sabha) and Mr Arun Jaitley (Rajya Sabha) must answer why they agreed to pass the legislation in such a tearing hurry when marshals were used to evict members. What was the BJP's compulsion to abet Ms Gandhi's personal agenda?

India diminished in Afghanistan : Ashok K Mehta, The Pioneer, New Delhi, March 17, 2010, p. 8.

The picture of Afghanistan that has emerged after the London Conference in January is that both reintegration of and reconciliation with the Taliban are key ingredients of the US-led coalition exit strategy. The West has realised that the Taliban can not be defeated as long as Pakistan continues to provide succour and sanctuary to the Taliban - its strategic asset for its long-term interest.

Dealing with the Arabs : G Parthasarathy, The Pioneer, New Delhi, March 18, 2010, p. 8.

The India-Saudi Arabia summit took place amid new tensions and rivalries in the Gulf region, arising from the deep suspicions that have charaterised Persian-Arab rivalries over the centuries.

The decline of America : Vikram Sood, The Pioneer, New Delhi, March 19, 2010, p. 8.

There are increasing reports that major countries who are America's economic rivals have been discussing among themselves, sometimes in secret, to explore a diminished role for the US dollar in international trade where it is losing value. The US can to longer press for sanctions on Iran while condoning similar action by Pakistan. The US could have had three friends and allies - Russia, Iran and India - who do not want Afghanistan to become a Talibanised Wahaabi state. But the Americans chose otherwise.

It's official-Bait Modi, get rewarded : Abraham Thomas, The Pioneer, New Delhi, March 21, 2010, p. 1.

It may be coincidental, but what a coincidence! A number of public figures who openly criticised Gujarat Chief Minister Narendra Modi in the recent past have been rewarded by the UPA Government, either in the form of a Padma or even a Rajya Sabha nomination.

Media - NGO nexus bolsters Modi : Chandan Mitra, The Pioneer, Agenda, New Delhi, March 21, 2010, p. 4.

For more than eight years, Narendra Modi has faced the wrath of the media and some motivated NGOs. Paradoxically, he has emerged stronger!

The politics of being Ramdev : Vandita Mishra, The Indian Express, New Delhi, March 21, 2010, p. 11.

After building an empire worth crores on yoga, ayurveda and breathing, Swami Ramdev has now announced his plans of launching a political party. Vandita Mishra visits Ramdev's Patanjali Yogpeeth in Haridwar and comes away with his concept of power.

PDF Created with deskPDF PDF Writer - Trial :: http://www.docudesk.com

The feast of fears, Navroz is Persian, it's Indian, it's actually everybody's festival : Renuka Narayanan, The Speaking Tree, New Delhi, March 21, 2010, p. 5.

What a civilisation to boast of, those Achaemenid winged lions that influenced our own emblem, the Ashokan Lion Capital. Reflexively, I thought of a building on the Mahalakshmi end of Pedder Road, Mumbai, called 'Persepolis' and turned suddenly to look at the Iranian gentleman. "He burnt it," he said, just like that. It was totally an old universe moment, two civilisations recalling something that had happened to both. How old our memories are, from *Bilad al-Shams* (Syria, Lebanon, Jordan) across Asia, through Turkey, Afghanistan, Persia, Central Asia and India. Especially the ancient racial memory of the Spring Equinox (March 21) that became a collective cultural instinct called Navroze, the 'New Day'. It is "as old as Spring", this marrow-deep memory that stirs us even in our neon world, of how our old civilisations celebrate the end of the old year. They wore bright colours (or threw them about), wished each other well and gathered around a bonfire, that many in India call Holika Dahan. They did so to symbolically burn the sorrows of the year past.

Iran's exiles : Roger Cohen, The Indian Express, New Delhi, March 24, 2010, p. 11.

Two stories, of those who protested their nation's betrayal and of the theft of the ballots. The 2 million, crowd has dispersed but not changed. Something was rotten in the state of Iran. It still is. A historic mistake was made. It gnaws at the Islamic Republic's core.

Muslim quota set to open Pandora's box : Swapan Dasgupta, The Pioneer, New Delhi, March 28, 2010, p. 1.

In giving the go-ahead to the Andhra Pradesh Government to proceed with its proposed four per cent reservations for 'backward' Muslims, the Supreme Court has, perhaps unwittingly, triggered a social upheaval whose consequences may prove to be far-reaching and not entirely beneficial to India.

A mischievous assertion : Sandhya Jain, The Pioneer, New Delhi, March 30, 2010, p. 8.

The Supreme Court has, for unknown reasons, opened a dark chapter in our modern history by upholding the validity of the Andhra Pradesh Government's decision to give four per cent reservation to backward caste members of the Muslim community. The haste to give such an interim order warrants explanation, as the bench comprising Chief Justice KG Balakrishnan and Justices JM Panchal and BS Chauhan has referred the matter to a Constitution bench since it involves important constitutional issues.

Select Articles

Amish : The Immortals of Meluha, Tara Press, Pages 398, Price Rs. 295

But IIM grad Amish Tripathi asked a few questions and let his imagination play with the answers. As he tracks Shiva's journey from cool dude - Tibetan chieftain in the story - to Mahadev, the saviour of Meluhans, it's a reader's delight. Although Amish weaves in all the questions that trouble modern India, which seems loath to question practices such as untouchability and rigours of caste - he doesn't allow them to weigh heavy on the story of Shiva, who is also in 'search' mode.

Along with his tribe from Lake Mansarovar, chieftain Shiva is a migrant in Meluha, a prosperous region in western India. In a simple map, Amish marks out the lands that he imagines made up India 1900 BC. The eastern side is Swadeep, home of the Chandravanshis while the west is Meluha, home to the Suryavanshis who have been waiting for the blue-throated saviour to help them. Terrorist attacks, varying ways of life and governance, love, duty and nationalism, the story has it all.

Throughout, Shiva's a hero, ready to fight for a good cause. The problem arises towards the end of the book where Shiva's fundamental dilemmas begin: What is good?

The book ends on an abrupt note. 'To be Continued' is all very well, but there is impatience as readers wait for the adventure to explore new areas, both in mindscape and in 1900 BC India what "modern Indians mistakenly call the Indus Valley Civilisation".

-Nandita Sengupta

PDF Created with deskPDF PDF Writer - Trial :: http://www.docudesk.com

The Speaking Tree, New Delhi, March 21, 2010, p. 8. R Ramachandran : Hinduism in the Context of Manusmriti, Vedas & Bhagavad Gita, Vitasta, Rs 495

This book tries to attempt a well-documented and holistic view of Hinduism from historical and sociological perspectives. It intends to serve as a basic introductory text. The emphasis is on three major Hindu scriptures: The *Bhagavad Gita*, the *Manusmriti* and the *Vedas*, particularly the *Rigveda*. These three texts constitute the basic framework of Hinduism. The book provides adequate information about these scriptures and discusses in detail terms such as *gotra*, *jati*, *varna* and *dharma*. It also studies the impact of science and technology with regards to the Hindu society.

Courtesy-The Pioneer, New Delhi

Ajey Lele : Strategic Technologies for the Military - Breaking new Frontiers, Sage, Rs 550

This book provides a holistic view of the key technologies that are expected to revolutionise military affairs in the near future and change the nature of warfare tactics and the very concept of the 'battlefield'. It addresses five key technology - near-space technology, robotics, directed energy weapons, nanotechnology and biotechnology - and explains why they are being considered for military applicability worldwide. It concludes with a few India-specific recommendations.

-New Arrivals
Courtesy-The Pioneer, New Delhi

Pre-partition memories through painting

Krishen Khanna's new series of works in an extension of his pre-Partition memories where he lived in a cosmopolitan neighbourhood. Leading Indian contemporary artist Krishen Khanna has completed five large format oil compositions in monochrome which he says are an extension of his memories of Maclagan Road in Lahore, where he lived in a cosmopolitan neighbourhood "with Parsis, Sikhs, Christians and Muslims".

The 84-year-old artist is preparing for a retrospective exhibition at the Lalit Kala Akademi January 23 to be organised by the Mumbai-based online gallery Saffronart. "The series begins with an oil drawing of Gurbaksh Rai, an old homeopathic doctor saying goodbye to his family after being arrested by police. He was an ardent Congressman. I have used monochrome because if there is something I want to say, it is best to avoid the dynamics of colour. Then you are not dealing with the man - the subject matter - any more," Khanna said.

The artist then moves on to terrorists "trying to find a target in the way Bhagat Singh scouted for one" and also "reminisces about an English lady who taught his mother how to read and speak the language". "One of my canvases depicts my uncle going to Pakpattan, a neighbouring town, with his family. He is stopped by the police, who threaten to shoot him. Fortunately, they don't. Another composition is about the ethnic cleansing that took place soon after partition where a woman finds herself at the bottom of horse cart during the ethnic cleansing and a former Parsi army man turned dentist in Lahore the artist said, describing his new body of works.

Born in 1925 at Layalpur (Faislabad) in Pakistan, Khanna grew up in Lahore. He studied art after graduating from the Mayo School of Fine Arts. In 1947, his family

PDF Created with deskPDF PDF Writer - Trial :: http://www.docudesk.com

moved to Shimla after partition. It found a way into his early works. Most of Khanna's works are figurative. "I used to do abstractions earlier, but now I have moved to human forms", he said. Khanna has always loved connecting to the masses through his art."

"In the 1970s and the 80s, I painted a series of trucks ferrying workers - and coloured them with the shades of people and goods the vehicles were carrying. They were mostly monochromatic pictures," he said.

Courtesy-The Pioneer, New Delhi

Hindu studies

Bibliography

1. **Sarasvati River and the Vedic Civilization: History, science and politics *by* N.S. Rajaram (Agency) (HP) 300.00**

2. **Falling Over Backwards: An essay against Reservations and against Judicial populism *by* Arun Shourie (Agency) (HB) 495.00**

3. **India's Only Communalist: In Commemoration of Sita Ram Goel, *ed*, by Koenraad Elst (HB) 210.00**

By Koenraad Elst

4. **Decolonizing the Hindu Mind: Ideological Development of Hindu Revivalism (PB) 295.00**

5. **Ayodhya: The Finale - Science versus Secularism in the Excavations Debate (PB) 65.00**

6. **Who is A Hindu?: Hindu Revivalist Views of Animism, Buddhism, Sikhism and Other offshoots of Hinduism (HB) 500.00 (PB) 240.00**

7. **Update on the Aryan Invasion Debate (PB) 250.00**

8. **Negationism in India: Concealing the Record of Islam (PB) 120.00**

9. **The Demographic Siege (PB) 30.00**

By Suhas Majumdar

10. **Jihad: The Islamic Doctrine of Permanent War (PB) 95.00**

By David Frawley (Vamadeva Shastri)

11. **The Myth of the Aryan Invasion of India (Third enlarged Edition) (PB) 60.00**

PDF Created with deskPDF PDF Writer - Trial :: http://www.docudesk.com

12. Hinduism and the Clash of Civilizations (HB) 350.00 (PB) 180.00

13. The *Rig Veda* and the History of India (Rig Veda Bharata Itihasa) (Agency) (HB) 550.00

14. How I Became A Hindu) My Discovery of Vedic Dharma (First Reprint) (PB) 120.00

15. Hinduism: The Eternal Tradition (*Sanatana Dharma*) (revised edition) (PB) 100.00

16. Awaken Bharata: A Call for India's Rebirth with a Foreword by Ram Swarup (PB) 150.00

17. Arise Arjuna: Hinduism and the Modern World (Third Reprint) (PB) 100.00

By N. Jha and Navaratna S. Rajaram

18. The Deciphered Indus Script: Methodology, readings, interpretations (Agency) (HB) 950.00

By Navaratna S. Rajaram

19. Profiles in Deception: Ayodhya and the Dead Sea Scrolls (HB) 300.00 (PB) 180.00

20. A Hindu View of the World: Essays in the Intellectual Kshatriya Tradition (PB) 150.00

Voice of India
2/18, Ansari Road
New Delhi- 110 002

PDF Created with deskPDF PDF Writer - Trial :: http://www.docudesk.com